हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

बिलासपुर, मंगलवार 16 जून 2026

haribhoomi.com

बीजापुर हारे, लेकिन प्रदेश की सत्ता में आए

प्रधान संपादक के इस सवाल पर की पिछले दो चुनाव में बीजापुर में कांग्रेस का विधायक बन रहा है यहां भाजपा हार रही है। इस पर केदार कश्यप ने कहा कि भले ही दो बार यहां हार मिली। लेकिन पूरे प्रदेश में जनता ने कांग्रेस को उखाड़ फेंका। बीजापुर में क्यों हारे इसमें नक्सलवाद भी एक कारण है। अंदरूनी क्षेत्र में हमारे कार्यकर्ता प्रचार करने जा नहीं पाते थे। हमारे कई कार्यकर्ताओं ने अपनी जान दी है। अब पूरा जिला नक्सलमुक्त हो गया है इसलिए आने वाले चुनाव में बीजापुर में कमल खिलेगा और भाजपा का विधायक बनेगा।

जिला संवाद में डॉ. हिमांशु द्विवेदी के सवालों पर प्रभारी मंत्री ने दिए जवाब

'नक्सल आतंक का अंत' विकसित भारत में विकसित बीजापुर का सपना पूरा करेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बीजापुर

खास खबर

नक्सल आतंक और खौफ के चलते बीजापुर जिले के अंदरूनी इलाकों में समुचित रूप से विकास की किरण पहुंच नहीं रही थी। नक्सलवाद का खात्मा पूरे देश से होना हमारी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि है। अब विकास के कार्यों को पूरे बीजापुर जिले के गांव- ▶▶|शेष पेज 6 पर

कोई बाहरी जमीन नहीं हथिया रहा

केदार कश्यप ने क्षेत्र के कांग्रेसियों के इस आरोप को सिरे से खारिज कर दिया कि बाहरी लोग षडयंत्र पूर्वक यहां जमीन हथिया रहे हैं। उन्होंने दावे के साथ कहा कि साय सरकार में कोई भी गलत काम नहीं हो सकता। कांग्रेसियों के द्वारा अडानी अंबानी के बारे में बातें कहने के जवाब में उन्होंने कहा कि पूरे देश में कांग्रेस इन्हीं का नाम ▶▶| शेष पेज 6 पर

नियामक आयोग ने जारी किया नया टैरिफ, 1 जुलाई से होगा लागू

घर की बिजली 30 से 50 पैसा प्रति यूनिट महंगी, खेती और उद्योगों को भी झटका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश के हर वर्ग के बिजली उपभोक्ताओं को अंततः महंगी बिजली का बड़ा झटका लग गया है। बिजली नियामक आयोग ने सोमवार को नया टैरिफ जारी किया है। इसमें घरेलू उपभोक्ताओं की बिजली 30 से 50 पैसे यूनिट तक महंगी हो गई है। अन्य उपभोक्ताओं की बिजली 30 से 40 पैसे यूनिट महंगी हुई है। कृषि की बिजली में भी 40 पैसों का इजाफा किया गया है। वैसे तो स्टील उद्योगों की बिजली की महंगी हुई है, लेकिन इनको लोड फैक्टर में 25 फीसदी तक छूट के कारण बड़ा लाभ मिलेगा। 1 जुलाई से नया टैरिफ लागू होगा।

खास खबर

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी ने नए सत्र के लिए नियामक आयोग में जो याचिका लगाई थी उसमें 6304 करोड़ का घाटा बताते हुए बिजली के दाम करीब 24 फीसदी बढ़ाने की मांग रखी थी। आयोग ने घाटे की समीक्षा करने के बाद घाटे को 1662 करोड़ का माना और बिजली की दरों में 6.23 फीसदी का इजाफा किया है। ऐसे में हर वर्ग के उपभोक्ताओं की बिजली महंगी हो गई है। आयोग ने 32520 करोड़ के राजस्व की जरूरत को 28346 करोड़ माना।

नए टैरिफ में जहां घरेलू उपभोक्ताओं को 30 से 50 पैसे प्रति यूनिट पर ज्यादा देने होंगे, वहीं गैर घरेलू वर्ग को 20 से 40 पैसे ज्यादा देने होंगे। गैर घरेलू वर्ग में 100 यूनिट तक की खपत पर प्रति 6.30 रुपए को 6.50 रुपए किया गया है। 101 से 400 ▶▶|शेष पेज 5 पर

कृषि की बिजली 40 पैसे, गैर घरेलू और उद्योगों की बिजली 30 पैसे यूनिट महंगी

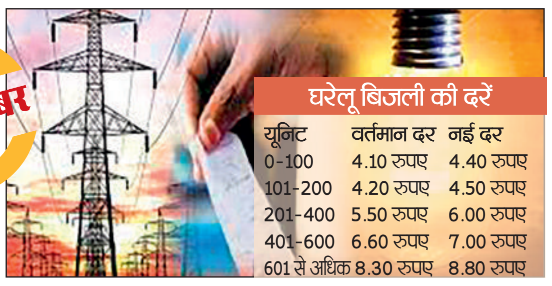

घरेलू बिजली की दरें

यूनिट	वर्तमान दर	नई दर
0-100	4.10 रुपए	4.40 रुपए
101-200	4.20 रुपए	4.50 रुपए
201-400	5.50 रुपए	6.00 रुपए
401-600	6.60 रुपए	7.00 रुपए
601 से अधिक	8.30 रुपए	8.80 रुपए

स्टील उद्योग को लोड फैक्टर का लाभ

स्टील उद्योगों की दरों में भी वैसे तो 30 पैसे प्रति यूनिट का इजाफा किया गया है। इनकी दर को 6.10 रुपए से बढ़ाकर 6.40 रुपए कर दिया गया है। लेकिन इसी के साथ इनको लोड फैक्टर में मिलने वाली 25 फीसदी की छूट को कम नहीं किया गया है, जबकि पॉवर कंपनी ने इस छूट को कम करने का प्रस्ताव दिया है। छूट कम न होने के कारण स्टील उद्योगों को घरेलू से भी सस्ती बिजली मिलती रहेगी।

नियामक आयोग ने कहा

लागत में वृद्धि को देखते हुए मामूली बढ़ोतरी

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग का कहना है कि पिछले वर्षों में बढ़ी महंगाई, कोयला, बिजली उत्पादन और आपूर्ति लागत तथा पूर्व वर्षों के घाटे की भरपाई को देखते हुए यह मामूली वृद्धि, जरूरी और न्यायसंगत है। घरेलू उपभोक्ताओं के लिए बिजली दरों में औसतन 30 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि की गई है। हालांकि उपभोग के अलग-अलग स्लैब के अनुसार यह बढ़ोतरी 30 से 50 पैसे प्रति यूनिट तक रहेगी। शून्य से 200 यूनिट तक खपत करने वाले उपभोक्ताओं के लिए 30 पैसे प्रति यूनिट, 201 ▶▶| शेष पेज 6 पर

16 से 27 जून तक चलेगा शाला प्रवेश उत्सव अभियान

स्कूल चलें हम...आज से प्रवेश उत्सव सीएम ने जनप्रतिनिधियों को लिखी चिट्ठी

हरिभूमि न्यूज ▶▶|रायपुर

प्रदेशभर के शैक्षणिक संस्थान आज से खुल जाएंगे। विद्यालयों में छात्रों की प्रवेश संख्या बढ़ाने और अधिक से अधिक विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने 16 जून से शाला प्रवेशोत्सव की शुरुआत कर दी जाएगी। 27 जून तक यह प्रवेशोत्सव चलेगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जनप्रतिनिधियों को पत्र लिखकर शाला प्रवेश उत्सव में सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया है। उन्होंने कहा, शिक्षा किसी भी समाज और राष्ट्र की प्रगति का सबसे सशक्त आधार है तथा यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है कि प्रदेश का कोई भी ▶▶|शेष पेज 6 पर

इस सत्र से 150 विवेकानंद विद्यालय

वर्तमान शैक्षणिक सत्र से प्रदेश में 150 विवेकानंद विद्यालय प्रारंभ किए जा रहे हैं। ये इंग्लिश माध्यम विद्यालय होंगे। ग्रामीण क्षेत्र के स्कूलों को इस योजना में शामिल किया जाएगा ताकि दूरस्थ क्षेत्र के विद्यार्थी भी अंग्रेजी भाषा में दक्ष हो सकें। इसका जिक्र करते हुए सीएम ने कहा, नई शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप शासकीय विद्यालयों को आधुनिक, तकनीक-संपन्न और छात्र-केंद्रित संस्थानों के रूप में विकसित किया जा रहा है। विद्यार्थियों को मध्यान्ह भोजन, निःशुल्क ▶▶| शेष पेज 6 पर

अधिसूचना जारी, 5 दिन होगी बैठक

विधानसभा का मानसून सत्र 13 से 17 जुलाई तक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र की तारीख का ऐलान विधानसभा सचिवालय ने कर दी है। 13 से 17 जुलाई तक चलने वाले सत्र में पांच बैठकें होंगी। सत्र के दौरान सरकार वित्तीय और अन्य महत्वपूर्ण शासकीय कार्य सदन में पेश ▶▶|शेष पेज 6 पर

पक्ष और विपक्ष होंगे आमने-सामने

मानसून सत्र में विपक्ष विभिन्न जनहित, स्थानीय और वित्तीय मुद्दों को लेकर सरकार को घेरेगा। वहीं सरकार अपने महत्वपूर्ण एजेंडे और प्रस्तावों को सदन से पारित कराने की तैयारी में जुटी है। सरकार और विपक्ष के बीच तीखी बहस के साथ कई महत्वपूर्ण फैसलों पर पूरे प्रदेश की नजर रहेगी। विपक्ष खरीफ सीजन में किसानों को खाद-बीज की किल्लत, पेट्रोल-डीजल के ▶▶| शेष पेज 6 पर

15 किलो तक लगेज फ्री, इसके बाद प्रति तीन किलो 1650 रुपए शुल्क

हवाई यात्रियों पर लगेज चार्ज का बोझ, घरेलू विमानों पर देना होगा 59 फीसदी ज्यादा शुल्क

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अलग खबर

विमानों में सफर करने वाले यात्रियों पर एक फिर लगेज चार्ज का बोझ डाला गया है। डोमेस्टिक फ्लाइट का संचालन करने वाली इंडिगो ने घरेलू विमानों में बैगेज चार्ज में 59 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। वहीं इंटरनेशनल फ्लाइट में पूर्व निर्धारित दर से तीन गुना से ज्यादा शुल्क तय किया गया है। ▶▶|शेष पेज 6 पर

घरेलू विमानों में इस तरह का शुल्क

किलो	पहले	अब
3	975	1650
5	1625	2750
10	3250	5495
20	6500	9990
25	8125	12500
30	9750	14985
40	13000	19200

इंटरनेशनल फ्लाइट में 2 सौ नहीं, 625 रुपए प्रति किलो

विदेश यात्रियों को एक निर्धारित वजन का सामान अपने साथ ले जाने की छूट होती है। इसके बाद के लगेज का किलो के हिसाब से शुल्क देना होता है। पहले इसके लिए 100 प्रति किलो का लगेज शुल्क तय था। नवंबर में इसे बढ़ाकर 2 सौ रुपए किया गया था और जून में इस चार्ज को 625 रुपए प्रति किलो कर दिया गया है। 625 रुपए के हिसाब से 8 किलो तक फिर 15 से 30 किलो तक के लगेज के लिए 500 रुपए प्रति किलो के हिसाब से शुल्क तय किया गया है।

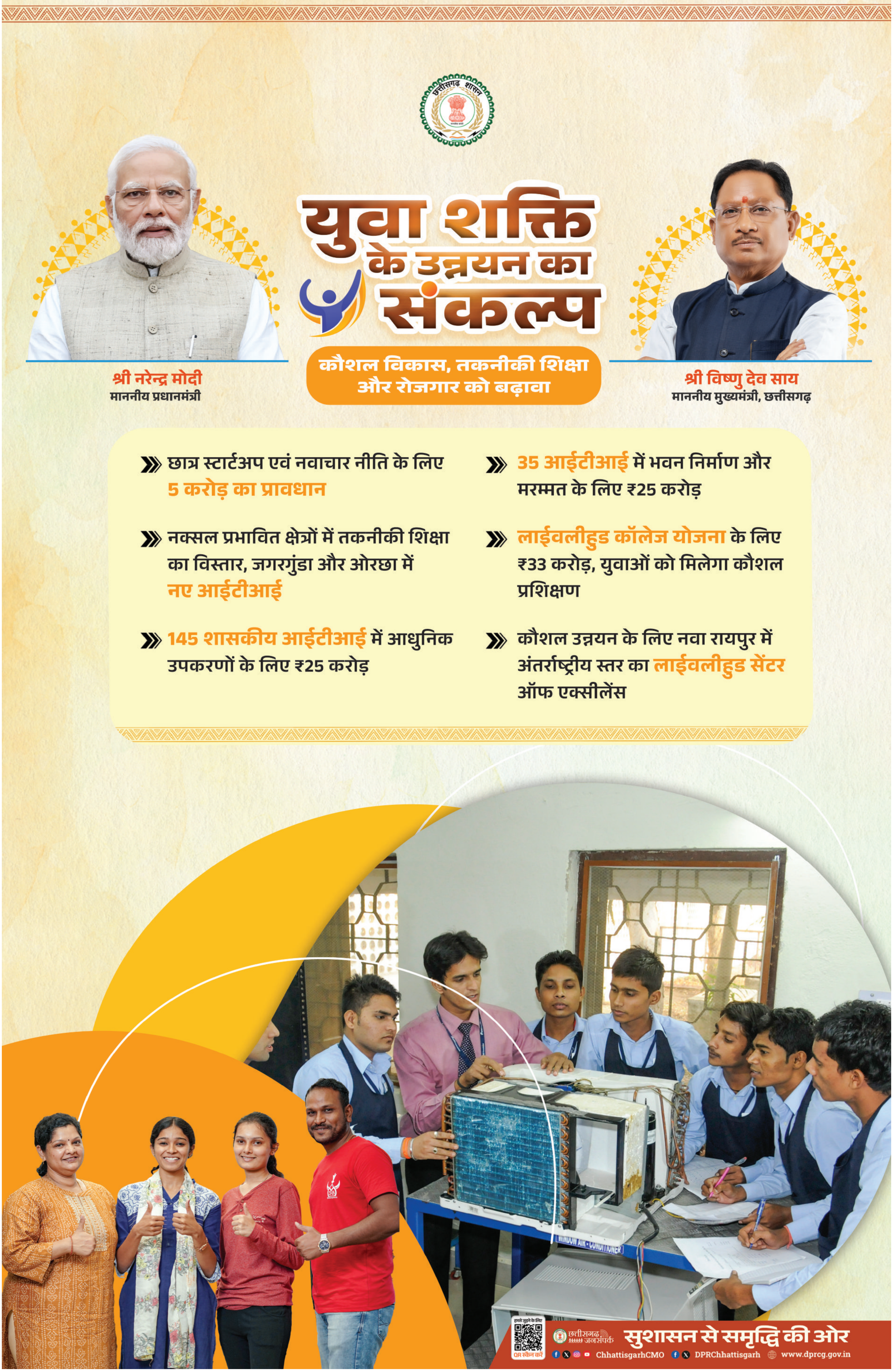
छत्तीसगढ़ शासन
युवा शक्ति के उन्नयन का संकल्प
कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा और रोजगार को बढ़ावा
श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री
श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़
छात्र स्टार्टअप एवं नवाचार नीति के लिए 5 करोड़ का प्रावधान
35 आईटीआई में भवन निर्माण और मरम्मत के लिए ₹25 करोड़
नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में तकनीकी शिक्षा का विस्तार, जगरगुंडा और ओरछा में नए आईटीआई
लाईवलीहुड कॉलेज योजना के लिए ₹33 करोड़, युवाओं को मिलेगा कौशल प्रशिक्षण
145 शासकीय आईटीआई में आधुनिक उपकरणों के लिए ₹25 करोड़
कौशल उन्नयन के लिए नवा रायपुर में अंतर्राष्ट्रीय स्तर का लाईवलीहुड सेंटर ऑफ एक्सीलेंस
छत्तीसगढ़ जनसंपर्क
सुशासन से समृद्धि की ओर
ChhattisgarhCMO
DPRChhattisgarh
www.dprcg.gov.in

बिलासपुर

मंगलवार 16 जून 2026

ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष द्वितीया
वर्ष : 26, अंक : 86
पृष्ठ : 10+6+8 = 24 मूल्य : 5.00***

मौसम
अधि. 39.0
न्यून. 28.5

haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

7 ग्रुप ई: हार के बाद भी क्यूरासाओ ने रचा...

विचार पेज
2 सैन्य परंपरा-पोशाक में....

स्कूलों में झरिया का पानी पीएंगे, उसी से बना मध्यान्ह भोजन भी खाएंगे बच्चे

गोरेलाल सिन्हा ▶▶| गरियाबंद

देश कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल शिक्षा और आधुनिक भारत के सपनों को साकार करने में जुटा है, लेकिन आदिवासी बहुल गरियाबंद जिले में नए शिक्षा सत्र 2026-27 की शुरुआत ऐसे हालात में होने जा रही है जहां कई स्कूली बच्चे झरिया का पानी पीकर और उसी पानी से बने मध्यान्ह भोजन के भरोसे अपना भविष्य संवारने स्कूल पहुंचेंगे। जिले में चार ऐसे स्कूल हैं और यह सब बाकायदा शिक्षा विभाग के रिकॉर्ड में दर्ज ▶▶|शेष पेज 6

देवभोग में खपरैल के नीचे चल रही पढ़ाई

देवभोग विकासखंड के 186 स्कूलों में 16 हजार 603 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। यहां छह स्कूल अत्यंत जर्जर स्थिति में हैं, जबकि नौ खपरैल युक्त स्कूलों की हालत बेहद खराब है। कई स्थानों पर बच्चों को आंगनबाड़ी केन्द्रों, सामुदायिक भवनों और ग्रामीणों के घरों में पढ़ाई करनी पड़ रही है। मुख्यमंत्री जतन योजना से राशि मिलने के बावजूद मरम्मत कार्य अधूरे पड़े हैं।

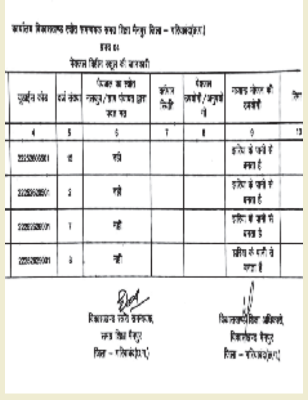

रिपोर्ट में भी झरिया के पानी के उपयोग का उल्लेख

छुरा ब्लाक के 67 स्कूलों में शौचालय खराब

छुरा विकासखंड के 367 स्कूलों में 20 हजार 294 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। यहां 67 स्कूलों के शौचालय जर्जर स्थिति में हैं, जबकि 22 स्कूलों में कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण मरम्मत के अभाव में बंद पड़े हैं। 16 जून को स्कूलों की घंटियां तो बज जाएंगी, लेकिन सवाल यह है कि झरिया का पानी पीकर और उसी पानी से बना भोजन खाकर पढ़ने वाले इन बच्चों के सपनों को मजबूत नींव आखिर कब मिलेगी।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

पीएम लगाएंगे पद्मासन 21 को करेंगे योगासन

नई दिल्ली। केंद्रीय आयुष मंत्री प्रताप राव जाधव ने घोषणा की है कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 का मुख्य राष्ट्रीय कार्यक्रम 21 जून को कोलकाता में होगा। यहा प्रधानमंत्री योग समारोहों का नेतृत्व करेंगे। आयोजन योग को वैश्विक जनआंदोलन के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 के कर्टेन-रेज़र कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जाधव ने बताया कि इस वर्ष की थीम योग फॉर हेल्दी एजिंग (स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग) रखी गई है।

यूपीएससी सिविल सेवा प्री के नतीजे घोषित

नई दिल्ली। संघ लोक सेवा आयोग ने सोमवार को सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा के परिणाम घोषित किए, जिसमें कुल 13,343 उम्मीदवार सफल हुए हैं। यह प्रारंभिक परीक्षा 24 मई को आयोजित की गई थी। इस वर्ष सिविल सेवा परीक्षा, 2026 के लिए अधिसूचित 1,016 रिक्तियों के मुकाबले कुल 13,343 उम्मीदवारों को सिविल सेवा (मुख्य) परीक्षा, 2026 के लिए चयनित किया गया है। पिछले वर्ष (2025) की सिविल सेवा (मुख्य) परीक्षा के लिए 1,087 रिक्तियों के मुकाबले 14,161 उम्मीदवारों को चयनित किया गया था। यूपीएससी भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), भारतीय विदेश सेवा और भारतीय पुलिस सेवा सहित अन्य अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों का चयन करने के लिए हर वर्ष तीन चरणों- प्रारंभिक, मुख्य और साक्षात्कार/व्यक्तित्व परीक्षण में सिविल सेवा परीक्षा आयोजित करता है।

भाई-बहन समेत तीन बच्चों की गई जान

बांदा। उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में सोमवार को चंद्रावल नदी में नहाने गए दो सगे भाई-बहन समेत तीन किशोरों की डूबने से मौत हो गई। हादसा जसपुरा थाना क्षेत्र के गौरी कला गांव के पास बह रही चंद्रावल नदी में हुआ। नदी में नहाने के दौरान तीनों बच्चे गहरे पानी में चले गए और डूब गए। मृतकों की पहचान गौरी कला गांव निवासी रामशंकर विश्वकर्मा की बेटी माधुरी (14), उसके छोटे भाई अंशु (10) तथा कानपुर नगर जिले के घाटमपुर निवासी पंकज के पुत्र प्रतीक (13) के रूप में हुई है। सूचना मिलने पर पुलिस और स्थानीय गोताखोर मौके पर पहुंचे।

शांति की नई राह : खुलेगा होर्मुज, अमेरिका हटाएगा नाकेबंदी

अमेरिका-ईरान में समझौता, भड़का इजरायल, कहा- हम ट्रंप के गुलाम नहीं

अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते पर अंतिम सहमति बन गई है। इस समझौते के तहत दोनों देशों ने सभी मोर्चों पर सैन्य कार्रवाइयों को तत्काल और स्थायी रूप से समाप्त करने का निर्णय लिया है। इस ऐतिहासिक समझौते पर औपचारिक हस्ताक्षर समारोह 19 जून को स्विट्जरलैंड में आयोजित किया जाएगा। इधर, इजराइल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतमार बेन ग्वीर ने समझौते पर नाराजगी जताते हुए कहा, हम अमेरिका के गुलाम नहीं है।

एजेंसी ▶▶| इस्लामाबाद/वाशिंगटन

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि अमेरिका और ईरान ने अपने 107 दिन लंबे युद्ध को खत्म करने के लिए एक समझौते को अंतिम रूप दे दिया है। इस युद्ध के कारण वैश्विक ऊर्जा संकट पैदा हो गया था। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोमवार को कहा कि उनका देश स्विट्जरलैंड में 19 जून को अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते पर हस्ताक्षर के लिए आयोजित किये जाने वाले समारोह की मेजबानी करेगा। शांति समझौते का विवरण हालांकि तत्काल उपलब्ध नहीं कराया गया है। ट्रंप ने रविवार शाम को ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा, इस्लामिक गणराज्य ईरान के साथ समझौते को अंतिम रूप दिया जा चुका है। सभी को बधाई। इस समझौते से वैश्विक ऊर्जा बाजारों ने राहत की सांस ली है। उन्होंने यह भी कहा कि समझौते के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य फिर से खोला जाएगा और ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिकी नाकेबंदी समाप्त कर दी जाएगी। ट्रंप ने कहा, मैं मुक्त आवाजाही के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को तत्काल पूरी तरह खोलने और अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी को हटाने की मंजूरी देता हूं। दुनिया के जहाजों, इंजन चालू करो। तेल का प्रवाह होने दो।" हालांकि, एक अन्य ▶▶|शेष पेज 6 पर

- आधिकारिक तौर पर 19 जून को स्विट्ज़रलैंड में होंगे हस्ताक्षर

ईरान की तीन शर्तें

1. नौसैनिक नाकेबंदी खत्म करना
2. युद्ध और सभी सैन्य कार्रवाइयों को रोकना
3. ईरान के फ्रीज्ड फंड जारी करना

107 दिन चला युद्ध, कई दौर की बातचीत

नेतन्याहू के मंत्री ने कहा लेबनान से पीछे नहीं हटेंगे

इजराइल ने अमेरिका और ईरान के बीच होने वाले शांति समझौते को मानने से इंकार कर दिया है। रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने भी कहा है कि, उनकी सेना दक्षिणी लेबनान से पीछे नहीं हटेगी। लेबनान, सीरिया और गाजा में बनाए गए सिक्योरिटी जोन में इजराइली सेना अनिश्चितकाल तक तैनात रहेगी। इजराइल एक आजाद देश हैं और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का यह समझौता इजराइल पर लागू नहीं होता।

ईरान ने कहा- पहले डील फिर खुलेगा रास्ता

ईरान के उप-विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने कहा है कि डील हो गई है लेकिन शुक्रवार को हस्ताक्षर होने तक तेहरान इसे लागू करना शुरू नहीं करेगा। उन्होंने बताया कि यह समझौता तेहरान में कतर के प्रतिनिधि के साथ 14 घंटे से ज्यादा चली बातचीत के बाद हुआ है। पाकिस्तान के अलावा कतर एक और अहम मध्यस्थ है।

ट्रंप को जन्मदिन पर तोहफा

अमेरिका और ईरान के बीच दुश्मनी खत्म करने के लिए हुए समझौते की घोषणा ने डोनाल्ड ट्रंप को उनके जन्मदिन पर एक बेहद शानदार तोहफ़ा दिया है, हालांकि यह काफ़ी अनिश्चितताओं में लिपटा हुआ है। अपनी पोस्ट में अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट कमर्शियल जहाज़ों के लिए खुल जाएगा। और अमेरिका अपनी नौसैनिक नाकेबंदी हटा लेगा।

पीएम मोदी ने किया स्वागत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम एशिया में संघर्ष खत्म करने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच बनी सहमति का स्वागत किया। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मैं पश्चिम एशिया में संघर्ष को खत्म करने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच बनी सहमति का स्वागत करता हूं। इस संघर्ष के कारण दुनिया भर में गंभीर आर्थिक उथल-पुथल हुई है और कई देशों में जान-माल का नुकसान हुआ है। भारत को उम्मीद है कि इस सहमति को अमल में लाने से क्षेत्र में शांति और स्थिरता बहाल करने में मदद मिलेगी और नौवहन व व्यापार की स्वतंत्रता सुनिश्चित होगी।'

भारतीय पोत 'दिशा' ने होर्मुज किया पार

भारतीय ध्वज वाला एलएनजी से भरा जहाज 'दिशा' तीन महीने से अधिक समय बाद युद्ध प्रभावित होर्मुज जलडमरूमध्य क्षेत्र से सुरक्षित बाहर निकलने वाला पहला जहाज बन गया है। यह जहाज 62,370 टन एलएनजी लेकर आ रहा है।

कहीं खुले आसमान के नीचे तो कहीं झोपड़ी में पढ़ेंगे आदिवासी बच्चे

शेख हसन खान ▶▶| मैनपुर

केन्द्र व राज्य सरकार विशेष पिछडी कमार जनजाति आदिवासियों के विकास और उत्थान के लिए दर्जनों योजनाए चला रही है। लेकिन क्या धरातल में सरकार की योजनाओं का लाभ कमार जनजाति के ग्रामीणों को मिल पा रहा है या नहीं, इसे देखने वाला कोई नहीं है। आज आजादी के 79 वर्षो बाद भी गरियाबंद जिले के मैनपुर विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत कुल्हाडीघाट के पहाडी गांव के ऊपर बसे कमार जनजाति आदिवासी के बच्चों को पढाई करने के लिए स्कूल भवन भी नसीब नहीं हो पा रहा है। दुरस्थ वनांचल और पहाड़ी गांव के हवाला देकर अफसर भी इन गांवों तक नहीं पहुंच पाते जिसके कारण पिछले 15 से 18 वर्षों से कई स्कूल भवन का निर्माण कार्य अधूरा पड़ा हुआ है और यहां के कमार बच्चे कहीं पेड़ के नीचे तो कहीं झोपड़ी में अपना भविष्य तलाश रहे हैं। कुल्हाड़ीघाट ▶▶|शेष पेज 6 पर

- 15 से 18 वर्षों बाद भी स्कूल भवन का निर्माण कार्य अधूरा
- पहाडी के ऊपर बसे होने के कारण विभाग के अफसर नहीं पहुचते गांव तक

क्या कहते हैं अधिकारी

सर्व शिक्षा अभियान राजीव गांधी शिक्षा मिशन के खंड स्त्रोत समन्वयक शिव कुमार नागे ने बताया पहाड़ी ऊपर बसे ताराझर, कुर्वापानी, भालुडिग्गी, मटाल में स्कूल भवन नहीं है। पूर्व मे राशि जारी किया गया था लेकिन स्कूल भवन का निर्माण नहीं किया गया है। अभी ग्राम पंचायत द्वारा ताराझर मे स्कूल भवन का निर्माण किया जा रहा है सभी जगह झोपड़ी या पेड़ के नीचे स्कूल संचालित हो रही है।

सरपंच ने बताया हाथियों ने तोड़ा स्कूल भवन

कुल्हाडीघाट के सरपंच बनसिंह सोरी ने बताया कि भालूडिग्गी मे एक भवन टिनशेड लगाकर बनाया गया था जिसे दो साल पहले जंगली हाथियो के दल ने तोड़ दिया। ताराझर मे स्कूल भवन का निर्माण किया जा रहा है, बाकी पहाड़ी गांव मे स्कूल भवन नहीं है।

बिरेतरा में बुजुर्ग पति-पत्नी की संदिग्ध मौत

शाम को साथ किया नाश्ता सुबह दंपति का मिला शव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुद

धमतरी जिले के कुरुद थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बिरेतरा से एक बेहद चौंकाने वाली और दर्दनाक खबर सामने आई है। यहां एक बुजुर्ग पति-पत्नी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। दोनों के शव घर के अलग-अलग कमरों में फांसी के फंदे पर झूलते पाए गए। इस दोहरी मौत की खबर फैलते ही पूरे गांव में सनसनी फैल गई है और मातम छा गया है। सूचना मिलते ही कुरुद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर मामले को विवेचना में ले लिया है। प्रथमदृष्टया यह मामला आत्महत्या ▶▶|शेष पेज 6 पर

सुबह काम वाली महिला पहुंची तो उड़ गए होश

दंपति का बेटा संजू साहू रविवार दोपहर को अपने परिवार के साथ ससुराल गया हुआ था, जिसके चलते दोनों बुजुर्ग घर पर अकेले थे। सोमवार की सुबह जब गांव की एक महिला किसी घरेलू काम से उनके घर पहुंची, तो वह अंदर का नजारा देखकर चीख पड़ी। बुजुर्ग नंदकुमार साहू का शव घर के मुख्य हॉल में पंखे से लटका हुआ था। उनकी पत्नी सुशीला बाई का शव अंदर बेडरूम में पंखे के हुक से फंदे पर झूल रहा था।

मौत की वजह सस्पेंस, जांच जारी

गांव वालों के मुताबिक नंदकुमार और सुशीलाबाई बेहद शांत स्वभाव के थे और सामान्य जीवन जी रहे थे। परिवार में किसी भी तरह के बड़े विवाद या बड़ी परेशानी की कोई बात कभी सामने नहीं आई थी। ऐसे में दोनों ने एक ही रात अलग-अलग कमरों में जाकर यह कदम क्यों उठाया, यह रहस्य बना हुआ है। थाना प्रभारी ने बताया कि परिजनों और पड़ोसियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। पुलिस हत्या और आत्महत्या दोनों एंगल्स को ध्यान में रखकर गहराई से तफ्तीश कर रही है, ताकि मौत की वास्तविक वजह साफ हो सके।

12 लाख का चेक जारी करने के एवज में मांगे थे 2 लाख

सरपंच के बेटे से रिश्वत लेते जपं सीईओ समेत 3 गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जांजगीर-चांपा

सक्ती जनपद पंचायत में एसीबी की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। जनपद सीईओ के साथ क्लर्क और भृत्य को रिश्वत लेते रंगे हांथो पकड़ा गया है। निर्माण कार्य के 12 लाख का चेक जारी करने के एवज में सरपंच के बेटे से 2 लाख रुपए की मांग की गई थी। एसीबी ने ट्रेप कर 1 लाख रुपए लेते हुए तीनों को पकड़ लिया। सक्ती जिला ▶▶|शेष पेज 6 पर

निखिल कश्यप, सीईओ | अविनाश ठाकुर बाबू | लच्छन भानु भृत्य

बाबू ने भृत्य को रिश्वत लाने भेजा

बाबू अविनाश ठाकुर द्वारा उसे भृत्य लच्छन भानु को लेने के लिए कहा गया। जिस पर रिश्वत राशि 1 लाख रुपए को भृत्य लच्छन भानु द्वारा लिए जाने पर एसीबी बिलासपुर की टीम द्वारा सीईओ निखिल कश्यप, बाबू अविनाश ठाकुर व भृत्य लच्छन भानु को पकड़ लिया गया।

ऐसा निलंबन कानूनन स्वतः ही समाप्त माना जाएगा

हाईकोर्ट ने कहा-निलंबित करने के 90 दिनों के भीतर चार्जशीट जरूरी

बिलासपुर। जस्टिस बीडी गुरु के सिंगल बेंच ने लोक निर्माण विभाग के एक निलंबित अधिकारी की याचिका को स्वीकार करते हुए निलंबन आदेश को निरस्त कर दिया है। कोर्ट ने कहा है कि यदि किसी शासकीय सेवक को निलंबित करने के 90 दिनों के ▶▶|शेष पेज 6 पर

याचिकाकर्ता की दलील

याचिकाकर्ता की ओर से पैरवी करते हुए अधिवक्ता ने कहा कि याचिकाकर्ता को निलंबित हुए 90 दिनों से अधिक का समय बीत चुका है। नियम के तहत 90 दिनों के भीतर चार्जशीट जरूरी है।

'कुमकुम भाग्य' से मिली पहचान, 'छावा' में भी आई थीं नजर

संचिता ने किया सुसाइड, 22 की उम्र में दी जान, सदमे में फैंस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

जानी मानी अभिनेत्री संचिता उगले ने 14 जून को मुंबई में सुसाइड कर लिया है। यह खबर जैसे ही सामने आई है, फैंस और सेलेब्स के होश उड़ गए हैं। 22 साल की संचिता ने आखिर ये कदम क्यों उठाया, इसे लेकर अभी कुछ सामने नहीं आया है। संचिता ने साजन घर, कुमकुम भाग्य, वागले की दुनिया और दिलवाली दूल्हा ले जाएगी जैसे शोज में काम किया था। संचिता ने शो कुमकुम भाग्य में दीया टंडन का रोल कर घर-घर में पहचान बनाई थी। सबसे ▶▶|शेष पेज 6 पर

समंदर और झीलों की सैर का बहुत शौक था

उनकी तस्वीरों में किसी भी रूप में फूलों और प्रकृति का नजारा देखने को मिलेगा। वे या तो फूलों को किसी ज्वैलरी की तरह पहना करती थीं, बालों में सजाती थीं। या फिर वे फूलों से सजी-संवरी जगह में तस्वीरें क्लिक कराती थीं।

सुशांत ने भी 14 जून को दी थी जान

संचिता की ही तरह बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत ने भी 14 जून 2020 को अपनी जान दी थी। उनकी मौत को 6 साल हो गए हैं। दोनों के डेथ डेट शेयर करने पर यूजर्स हैरान हैं। संचिता को खोकर उनका परिवार टूट गया है। किसी ने नहीं सोचा था अपने करियर के पीक पर संचिता दुनिया छोड़ देंगी।

'छावा' में निभाई थी ये भूमिका

टीवी शो के अलावा संचिता धीरे-धीरे बड़े परदे की तरफ अपने कदम बढ़ा रही थीं। उन्होंने साल 2025 में आई विक्की कौशल अभिनीत फिल्म 'छावा' में काम किया था। इस फिल्म में उन्हें ताराबाई की भूमिका में देखा गया था।

सोशल मीडिया पर थी अच्छी फैन फॉलोइंग

'दंगल टीवी' के शो 'साजन घर' में भी संचिता को देखा गया था। इसमें वे पूजा के किरदार में नजर आई थीं। संचिता की सोशल मीडिया पर भी अच्छी-खासी फैन फॉलोइंग थी। इंस्टाग्राम पर ही उन्हें करीब डेढ़ लाख लोग फॉलो कर रहे थे।

चिंतन

ट्रंप को दबाव में लेने में सफल रहा ईरान

आखिरकार 107 दिन से अधिक समय तक जारी संघर्ष के बाद अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता हो ही गया। अब उम्मीद है कि खाड़ी क्षेत्र में तनाव खत्म होगा और महंगाई से जूझ रही दुनिया को कुछ राहत मिलेगी। हालांकि समझौते की शर्तों को देखकर लगता है कि यह काफी पहले ही हो जाना चाहिए था, लेकिन दोनों देशों के अड़ियल रुख के कारण अटका हुआ था। अब ईरान आखिरकार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को दबाव में लेने में सफल रहा और दोनों देश शांति समझौते पर सहमत हुए हैं। यदि 19 जून को जेनेवा में प्रस्तावित समझौते पर हस्ताक्षर हो जाते हैं तो यह केवल दो देशों के बीच युद्धविराम नहीं होगा, बल्कि वैश्विक राजनीति में शक्ति संतुलन का एक महत्वपूर्ण संकेत भी होगा। दिलचस्प बात यह है कि जिस ईरान को अमेरिका लगातार आर्थिक प्रतिबंधों, सैन्य दबाव और कूटनीतिक अलगाव के जरिए झुकाने की कोशिश कर रहा था, वही ईरान आज अपनी प्रमुख शर्तें मनवाने में सफल रहा। ट्रंप ने समझौते की घोषणा करते हुए इसे अपनी बड़ी कूटनीतिक जीत बताया है। उन्होंने होर्मुज़ जलडमरूमध्य को वाणिज्यिक जहाजों के लिए खोलने और नौसैनिक नाकेबंदी हटाने की बात कही है, लेकिन सवाल यह है कि यदि अमेरिका को अंततः यही कदम उठाने थे तो फिर 107 दिनों की तबाही, क्षेत्रीय अस्थिरता और वैश्विक आर्थिक संकट की आशंका क्यों पैदा की गई? दरअसल यह समझौता बताता है कि केवल सैन्य शक्ति के दम पर किसी राष्ट्र को हमेशा झुकाया नहीं जा सकता। ईरान की सबसे बड़ी सफलता यह रही कि उसने दबाव झेलते हुए भी अपने मूल हितों से समझौता नहीं किया। तेहरान ने स्पष्ट कर दिया कि यदि अमेरिका को स्थायी शांति चाहिए तो उसे नौसैनिक नाकेबंदी हटानी होगी, सैन्य कार्रवाई रोकनी होगी और ईरान के जमे हुए फंड जारी करने होंगे। हालांकि इस समझौते को अंतिम सफलता मान लेना जल्दबाजी होगी। स्वयं ट्रंप ने कहा है कि परमाणु कार्यक्रम पर अमेरिका की संतुष्टि जरूरी होगी, अन्यथा सख्त कदम उठाए जा सकते हैं। इसका अर्थ है कि अविश्वास अभी भी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। दोनों देशों के बीच दशकों पुरानी दुश्मनी किसी एक दस्तावेज पर हस्ताक्षर से समाप्त नहीं होगी। इस पूरे घटनाक्रम में इजराइल का रुख भी महत्वपूर्ण है। समझौते की घोषणा से ठीक पहले लेबनान में की गई बमबारी और इजराइली नेताओं की तीखी प्रतिक्रिया इस बात का संकेत है कि क्षेत्रीय राजनीति अभी भी जटिल बनी हुई है। ऐसे में यदि अमेरिका और ईरान के बीच रिश्तों में नरमी आती है तो यह इजराइल की रणनीतिक चिंताओं को बढ़ा सकती है। यही वजह है कि शांति प्रक्रिया के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल वाशिंगटन और तेहरान नहीं, बल्कि पूरे पश्चिम एशिया की जटिल भू-राजनीति है। इस समझौते का सबसे बड़ा सकारात्मक प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। होर्मुज़ जलडमरूमध्य से दुनिया के तेल व्यापार का बड़ा हिस्सा गुजरता है। वहां तनाव बढ़ने पर तेल की कीमतों में उछाल और महंगाई का खतरा लगातार बना हुआ था। यदि समुद्री मार्ग सामान्य होते हैं और क्षेत्रीय स्थिरता लौटती है तो ऊर्जा बाजार को राहत मिलेगी। इसका लाभ उन देशों को भी मिलेगा जो पहले से महंगाई और आर्थिक सुस्ती से जूझ रहे हैं। फिलहाल इतना कहा जा सकता है कि इस दौर में कूटनीति ने हथियारों पर बढ़त बनाई है और ईरान ने यह साबित किया है कि दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति और रणनीतिक धैर्य के बल पर बड़ी से बड़ी महाशक्ति को भी बातचीत की मेज तक लाया जा सकता है।

राष्ट्रभक्ति
महेन्द्र तिवारी

वर्तमान समय में भारतीय सेना अपनी इस ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में एक युगांतरकारी और अत्यंत महत्वपूर्ण परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। सेना द्वारा अपनी वेशभूषा नीति, औपचारिक परंपराओं और सदियों पुराने रीति-रिवाजों में किए जा रहे बदलाव इस बात के जीवंत प्रमाण हैं कि अब देश अपनी औपनिवेशिक विरासत को पीछे छोड़ने के लिए मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार हो चुका है। इन महत्वपूर्ण और दूरगामी सुधारों का मुख्य उद्देश्य भारतीय सेना को विदेशी प्रभाव से मुक्त कराकर विशुद्ध रूप से भारतीय संस्कृति, सभ्यता और अपनी ऐतिहासिक जड़ों से गहराई से जोड़ना है। यह संपूर्ण प्रक्रिया भारत सरकार के उन 5 महासंकल्पों का एक अनिवार्य हिस्सा है, जिन्हें पंच प्रण के नाम से जाना जाता है।

सैन्य परंपरा-पोशाक में ऐतिहासिक बदलाव

भारतीय सेना का इतिहास पराक्रम, शौर्य और अप्रतिम बलिदान की गाथाओं से समृद्ध है। स्वतंत्रता के बाद से ही हमारी सेना ने देश की सीमाओं की रक्षा करने और राष्ट्रीय संप्रभुता को अक्षुण्ण बनाए रखने में अभूतपूर्व भूमिका निभाई है। हालांकि, स्वतंत्रता के कई दशकों बाद भी सेना की कुछ आंतरिक व्यवस्थाओं, नियमों, पोशाक और प्रतीकों में ब्रिटिश काल की स्पष्ट छाप दिखाई देती थी। वर्तमान समय में भारतीय सेना अपनी इस ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में एक युगांतरकारी और अत्यंत महत्वपूर्ण परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। सेना द्वारा अपनी वेशभूषा नीति, औपचारिक परंपराओं और सदियों पुराने रीति-रिवाजों में किए जा रहे बदलाव इस बात के जीवंत प्रमाण हैं कि अब देश अपनी औपनिवेशिक विरासत को पीछे छोड़ने के लिए मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार हो चुका है।

इन महत्वपूर्ण और दूरगामी सुधारों का मुख्य उद्देश्य भारतीय सेना को विदेशी प्रभाव से मुक्त कराकर विशुद्ध रूप से भारतीय संस्कृति, सभ्यता और अपनी ऐतिहासिक जड़ों से गहराई से जोड़ना है। यह संपूर्ण प्रक्रिया भारत सरकार के उन 5 महासंकल्पों का एक अनिवार्य हिस्सा है, जिन्हें पंच प्रण के नाम से जाना जाता है। इन संकल्पों में से एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रण गुलामी की हर सोच और उसके प्रत्येक प्रतीक से पूर्ण मुक्ति पाना है, जिसे भारतीय सेना अब धरातल पर पूरी निष्ठा के साथ उतार रही है। ब्रिटिश शासनकाल से ही यह व्यवस्था निरंतर चली आ रही थी कि जब भी कोई वरिष्ठ सैन्य अधिकारी किसी सैनिक कदमताल या विदाई समारोह की सलामी लेता था, तो वह समीक्षा अधिकारी के रूप में अपने साथ एक विशेष औपचारिक तलवार रखता था। यह तलवार ब्रिटिश काल में औपनिवेशिक शासकों द्वारा अपनी शक्ति, सर्वोच्च कमान और भारतीय सैनिकों पर अपने प्रभुत्व का प्रदर्शन करने का एक मुख्य माध्यम मानी जाती थी। स्वतंत्र भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था और संप्रभु राष्ट्र में इस तरह के सामंती प्रतीकों की कोई आवश्यकता नहीं रह गई थी।

इसी ऐतिहासिक तथ्य को ध्यान में रखते हुए अब समीक्षा अधिकारी द्वारा सैन्य मार्च के दौरान या किसी भी अन्य औपचारिक निरीक्षण में तलवार रखने की इस पुरानी प्रथा को पूरी तरह से समाप्त कर दिया गया है। इसके साथ ही, वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों द्वारा अपनी कमान और नेतृत्व के प्रतीक के रूप में ले जाई जाने वाली विशेष छड़ी के इस्तेमाल को अब बेहद सीमित कर दिया गया है। यह निर्णय स्पष्ट करता है कि भारतीय सेना में नेतृत्व और सम्मान का आधार कोई बाहरी वस्तु या औपनिवेशिक दिखावा नहीं, बल्कि अधिकारी की अपनी योग्यता, कर्तव्यपरायणता और अपने देश के प्रति अटूट निष्ठा है।

इस वैचारिक परिवर्तन का सीधा और गहरा असर सैन्य अधिकारियों के पहनावे और पोशाक से जुड़े नियमों पर भी दिखाई दे रहा है। एक लंबे समय से यह देखा जा रहा था कि सैन्य अधिकारियों के भोजनालयों और अन्य महत्वपूर्ण औपचारिक आयोजनों में पश्चिमी देशों के कोट, औपचारिक वस्त्रों और गले के बंध का ही प्रचलन अनिवार्य बना हुआ था। भारतीय जलवायु और यहां की गौरवशाली संस्कृति के सर्वथा विपरीत इस तरह के विदेशी पहनावे को ढोना भी एक प्रकार की मानसिक परतंत्रता का ही हिस्सा माना जा सकता है। इस पुरानी व्यवस्था को बदलते हुए अब अधिकारियों की औपचारिक

पोशाक में पहली बार 'बंदी' नाम के पारंपरिक भारतीय परिधान को आधिकारिक तौर पर स्थान दिया गया है। यह बिना आस्तीन का एक विशेष वस्त्र है, जिसे आम बोलचाल में पारंपरिक कुर्ता या भारतीय नेहरू वेशभूषा के रूप में भी जाना जाता है। अब सैन्य अधिकारी इसे अपनी कमीज और पतलून के साथ अत्यंत गर्व से धारण कर सकते हैं। यह कदम न केवल भारतीय वस्त्र उद्योग और स्थानीय शिल्पकला को नया सम्मान देता है, बल्कि सैन्य जीवनशैली में एक विशिष्ट भारतीय पहचान का समावेश भी करता है। इसके माध्यम से यह दृढ़ संदेश दिया गया है कि हमारे अपने पारंपरिक परिधान भी दुनिया के किसी भी उच्च स्तरीय आधिकारिक आयोजन के लिए पूरी तरह से गरिमापूर्ण और सर्वश्रेष्ठ हैं। इस प्रकार, सैन्य व्यवस्था और उसकी जीवनशैली में किए गए ये सभी बदलाव केवल ऊपरी या सतही परिवर्तन नहीं हैं, बल्कि यह भारतीय समाज और राष्ट्र की सोच में आ रहे एक व्यापक गुणात्मक सुधार को रेखांकित करते हैं। सेना के सभी संगीत दल अब विदेशी धुनों की बजाय भारतीय शास्त्रीय संगीत, लोक संगीत और देश की माटी से जुड़ी देशभक्ति की धुनों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहे हैं। यह युगांतरकारी बदलाव भविष्य की पीढ़ियों को भी अपनी अनूठी संस्कृति पर गर्व करने की निरंतर प्रेरणा देता रहेगा। परंपराओं के इस शुद्धिकरण के अंतर्गत केवल पहनावा ही नहीं बदला गया है, बल्कि अधिकारियों की विदाई के तौर-तरीकों में भी बड़े सुधार किए गए हैं। पूर्ववर्ती नियमों के अनुसार, जब भी सेना के शीर्ष पदों पर आसीन अधिकारी, जैसे थल सेनाध्यक्ष या सैन्य कमान प्रमुख अपनी लंबी सेवा के बाद सेवानिवृत्त होते थे, तो उन्हें विदाई देने के लिए घोड़ों से खिंचने वाली एक पुरानी पारंपरिक बग्घी का उपयोग किया जाता था। यह घोड़ों वाली बग्घी प्रथा पूरी तरह से ब्रिटिश राजसी ठाट-बाठ और आम जनता तथा साधारण सैनिकों से दूरी बनाए रखने की औपनिवेशिक मानसिकता से प्रेरित थी, जो एक लोकतान्त्रिक देश की सेना में उचित नहीं जान पड़ती थी। अब सेना ने इस सामंती विदाई प्रथा को भी हमेशा के लिए बंद करने का ऐतिहासिक फैसला किया है। अब अधिकारियों की विदाई बेहद सादगीपूर्ण, अनुशासित और भारतीय मूल्यों के अनुरूप की जाती है। यह बदलाव सैन्य अधिकारियों और उनके अधीन काम करने वाले जवानों के बीच की दूरी को कम करने तथा सेना के भीतर एक समतावादी और आत्मीय वातावरण स्थापित करने में बहुत सहायक सिद्ध हो रहा है।

सैन्य संस्कृति का एक और बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण हिस्सा उसका संगीत होता है, जो सैनिकों के भीतर अदम्य साहस का संचार करता है। युद्ध के मैदान से लेकर शांति काल के समारोहों तक, सैन्य संगीत दल हमेशा से जवानों में जोश और देशप्रेम की भावना भरते रहे हैं। लेकिन स्वतंत्रता के इतने वर्षों बाद भी हमारे विभिन्न सैन्य संगीत दल पुरानी अंग्रेजी और स्कॉटिश धुनों को बजाने के लिए विवश थे। गणतंत्र दिवस उत्सव के समापन समारोह के अवसर पर आयोजित होने वाले भव्य कार्यक्रम में वर्षों तक एक विदेशी प्रार्थना धुन बजाई जाती थी, जिसका भारतीय जनमानस से कोई भी भावनात्मक जुड़ाव नहीं था। अब इस व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन करते हुए उस पुरानी विदेशी धुन के स्थान पर 'ऐ मेरे वतन के लोगों' जैसी अमर, लोकप्रिय और हृदयस्पर्शी भारतीय देशभक्ति धुन को शामिल किया गया है। जब सैन्य वाद्यों से भारतीय राग और लोक धुनें निकलती हैं, तो वे न केवल सैनिकों का मनोबल बढ़ाती हैं बल्कि पूरे देश को एक सांस्कृतिक सूत्र में पिरोने का काम करती हैं। इन सुधारों के माध्यम से सेना ने यह साबित कर दिया है कि वह आधुनिकतम तकनीकों और घातक हथियारों से लैस होने के साथ-साथ वैचारिक रूप से पूरी तरह भारतीय मूल्यों, सिद्धांतों और राष्ट्रभक्ति के प्रति समर्पित है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

डिजिटल पंचायत
बलकार सिंह

ई-गवर्नेंस पुरस्कार से दिखी गांवों की बदलती तस्वीर

भारत के लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति उसकी पंचायतों में निहित है। संविधान के 73वें संशोधन ने जिस पंचायती राज व्यवस्था को संवैधानिक आधार प्रदान किया था, आज वही व्यवस्था डिजिटल तकनीक, डेटा आधारित निर्णय और नागरिक-केंद्रित सेवाओं के माध्यम से विकास की नई इबारत लिख रही है। राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 के परिणाम इस परिवर्तन के सशक्त प्रमाण हैं। इन पुरस्कारों ने न केवल पंचायतों की उपलब्धियों को राष्ट्रीय पहचान दी है, बल्कि यह भी सिद्ध किया है कि विकसित भारत 2047 का सपना गांवों की भागीदारी के बिना साकार नहीं हो सकता। पंचायती राज मंत्रालय की चार पहलों का राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 के लिए चयनित होना अपने आप में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह केवल तकनीक के उपयोग का सम्मान नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और प्रभावी बनाने के प्रयासों की स्वीकृति है। यह पहल देशभर की ग्राम पंचायतों के विकास प्रदर्शन का वैज्ञानिक और डेटा-आधारित मूल्यांकन करती है। स्थानीय सतत विकास लक्ष्यों के नौ विषयों पर आधारित यह सूचकांक पंचायतों को केवल योजनाओं के क्रियान्वयन तक सीमित नहीं रखता, बल्कि उन्हें परिणामोन्मुख शासन की ओर प्रेरित करता है। यह पहली बार है जब ग्राम पंचायतों के विकास को इतने व्यापक और तथ्यपरक तरीके से मापा जा रहा है। डेटा आधारित शासन की यह संस्कृति आने वाले समय में ग्रामीण प्रशासन की दिशा और दशा दोनों बदल सकती है। राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 में महाराष्ट्र के सांगली जिले की कादेपुर ग्राम पंचायत का स्वर्ण पुरस्कार जीतना विशेष रूप से प्रेरणादायक है। यह पंचायत आज डिजिटल भारत की वास्तविक तस्वीर प्रस्तुत करती है। यहां 4,300 से अधिक लाभार्थियों को 1,355 से अधिक सेवाएं पूर्णतः ऑनलाइन उपलब्ध कराई जा रही हैं। पूरी पंचायत कागज रहित ई-ऑफिस प्रणाली पर कार्य कर रही है। आठ एआई-संचालित प्रशासनिक अनुप्रयोग, ब्लॉकचेन आधारित रिकॉर्ड प्रबंधन और जीआईएस आधारित संपत्ति जियो-टैगिंग जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग यह दर्शाता है कि तकनीकी नवाचार केवल महानगरों तक सीमित नहीं है। कादेपुर देश की एकमात्र ग्राम पंचायत है जिसके पास कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ब्लॉकचेन, नैनो तकनीक, जैव प्रौद्योगिकी और रोबोटिक्स पर औपचारिक रूप से स्वीकृत नीतियां हैं। यह उपलब्धि बताती है कि यदि नेतृत्व दूरदर्शी हो तो गांव भी वैश्विक स्तर की तकनीकी प्रयोगशाला बन सकते हैं। इसी प्रकार त्रिपुरा की बिजॉय नगर ग्राम पंचायत ने रजत पुरस्कार प्राप्त कर यह सिद्ध किया है कि डिजिटल परिवर्तन केवल तकनीक का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक भागीदारी का भी विषय है। इस पंचायत ने सहभागी शासन, वित्तीय जवाबदेही और डिजिटल समावेशन का उत्कृष्ट मॉडल प्रस्तुत किया है। पंचायत उन्नति सूचकांक में इसका स्कोर 88.55 तक पहुंच गया है, जो पिछले संस्करण की तुलना में 38 प्रतिशत अधिक है। सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि महिलाओं में 100 प्रतिशत डिजिटल साक्षरता प्राप्त करना है। यह उदाहरण बताता है कि जब तकनीक समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचती है, तभी उसका वास्तविक उद्देश्य पूरा होता है। महाराष्ट्र के नंदुरबार जिला परिषद की 'ई-आरोग्य धामनी' पहल को मिला स्वर्ण पुरस्कार ई-गवर्नेंस की सामाजिक उपयोगिता को रेखांकित करता है। आदिवासी और दूरस्थ क्षेत्रों में डिजिटल माध्यमों से गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना आसान कार्य नहीं है। इस पहल ने सिद्ध किया है कि तकनीक का सर्वोत्तम उपयोग तभी है जब वह उन लोगों तक पहुंचे जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है। पंचायत उन्नति सूचकांक, कादेपुर, बिजॉय नगर और ई-आरोग्य धामनी जैसी पहलें दिखाती हैं कि गांवों में परिवर्तन की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। महात्मा गांधी ने ग्राम स्वराज का जो सपना देखा था, वह आत्मनिर्भरता, पारदर्शिता और जनभागीदारी पर आधारित था। आज डिजिटल तकनीक उस स्वप्न को आधुनिक स्वरूप प्रदान कर रही है। यदि देश की पंचायतें इसी प्रकार तकनीक को जनकल्याण का माध्यम बनाती रहीं, तो विकसित भारत 2047 केवल एक लक्ष्य नहीं, बल्कि एक साकार होती हुई वास्तविकता बन जाएगा। राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 ने यह साबित कर दिया है कि भारत की विकास यात्रा की सबसे मजबूत नींव गांवों में ही रखी जा रही है और डिजिटल पंचायतें ही भविष्य के भारत की नई पहचान बनने जा रही हैं।

(लेखक इग्नू में सहायक प्रोफेसर हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

भजन ही शरीर का प्राण

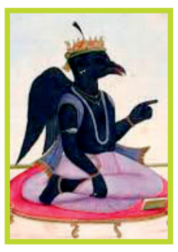

संकलित
दर्शन

काकभुशुंडि जी कहते हैं, मेरे इस भाव परिवर्तन से मेरे परमकृपालु सदाशिव विश्वनाथ मुझ पर और भी अधिक प्रसन्न हो गए। उन्हें लगा कि मेरे इस भक्त (काकभुशुंडि) का प्रवेश मेरे हृदय में हो गया है और इसने देख लिया कि मेरे इष्ट तो बालक राम हैं, जो अयोध्या में दशरथ के अजिर में मालपुआ लेकर घूमते रहते हैं। काकभुशुंडि जी हमें और आपको यह बताना चाहते हैं कि जब उन्होंने कौआ होकर भी भगवान को पा लिया तो हम लोगों के भाग्य के लिए तो शब्द ही नहीं हैं। प्रभु श्रीरामचंद्र जी ने स्वयं भी समस्त चराचर के कल्याण के लिए मनुष्य का ही शरीर धारण कर लिया है। वे कहते हैं कि इस शरीर को पाने का मात्र एक ही लाभ है कि व्यक्ति भगवान का भजन करे। भक्त काकभुशुंडि ने मनुष्य शरीर से भजन करने के प्रताप और फल को बताते हुए कहा कि ज्ञानी ऋषि लोमश ने मेरे अंदर भक्ति के प्रति पक्षपात देखकर भले ही मुझे अपनी दृष्टि से कौआ बनने का शाप दिया था, पर वह मेरे लिए वरदान हो गया। महत्व इसका नहीं है कि हम किस शरीर, किस देश, किस जाति और धर्म के हैं। काकभुशुंडि जी कहते हैं कि महत्वपूर्ण यह है कि हम भगवान की भक्ति और भजन कर रहे हैं या नहीं? भजन ही शरीर का प्राण है। गोस्वामी जी ने इस बात पर जोर दिया है कि जिसने इस धरा पर जन्म लेकर भगवान का भजन कर लिया, बस वही धन्य है। उसी की विजय होती है, वही संसार में सबके प्रति विनयी होता है, वही गुणों की खान होता है और सारे विश्व में उसी का यश त्रैलोक्य में उजागर होता है।

ईश्वर बहुत दयालु है

संकलित
प्रेरणा

एक राजा का एक विशाल फलों का बगीचा था, उसमें तरह-तरह के फल होते थे और उस बगीचा की सारी देखरेख एक किसान अपने परिवार के साथ करता था। वह किसान हर दिन बगीचे के ताज़े फल लेकर राजा के राजमहल में जाता था। एक दिन किसान ने पेड़ों पे देखा नारियल, अमरुद, बेर, और अंगूर पक कर तैयार हो रहे हैं, किसान सोचने लगा आज कौन सा फल महाराज को अर्पित करूँ। फिर उसे लगा अँगूर करने चाहिए, क्योंकि वो तैयार हैं। इसलिए उसने अंगूरों की टोकरी भर ली और राजा को देने चल पड़ा! किसान राजमहल में पहुंचा, राजा किसी दूसरे ख्याल में खोया हुआ था और नाराज भी लग रहा था। किसान रोज की तरह मीठे रसीले अंगूरों की टोकरी राजा के सामने रख दी और थोड़े दूर बैठ गया। अब राजा उसी ख्यालों-ख्यालों में टोकरी में से अंगूर उठाता एक खाता और एक खींच कर किसान के माथे पे निशाना साधकर फेंक देता। राजा का अंगूर जब भी किसान के माथे या शरीर पर लगता था तो किसान कहता था, ईश्वर बड़ा दयालु है। राजा फिर और जोर से अंगूर फेकता था, किसान फिर वही कहता था, ईश्वर बड़ा दयालु है। थोड़ी देर बाद राजा को एहसास हुआ कि वो क्या कर रहा है और प्रत्युत्तर क्या आ रहा है, वो सम्भल कर बैठा। उसने किसान से कहा, मै तुझे बार-बार अंगूर मार रहा हूँ और ये अंगूर तुम्हे लग भी रहे हैं, फिर भी तुम यह बार-बार क्यों कह रहे हो कि ईश्वर बड़ा दयालु है।

अंतर्मन

आज की पाती

बढ़ती असहिष्णुता

राजधानी रायपुर में मामूली विवाद से शुरू हुआ झगड़ा हत्या तक पहुंच रहा है। ऐसी घटनाएं समाज में बढ़ती असहिष्णुता, गुस्से और संवाद की कमी की गंभीर समस्या को उजागर करती है। आज देशभर में छोटी-छोटी बातों पर हिंसा, मारपीट और हत्याओं की घटनाएं बढ़ती दिखाई दे रही हैं। इसके पीछे घटता धैर्य, बढ़ता तनाव, नशे का दुरुपयोग, सोशल मीडिया पर भड़काऊ सामग्री और न्याय प्रक्रिया में देरी जैसे कई कारण जिम्मेदार माने जा सकते हैं। हालांकि कानून कमजोर नहीं है। भारतीय न्याय संहिता हत्या, दंगा और हिंसा के लिए कड़े दंड का प्रावधान करती है। चुनौती कानूनों की कमी नहीं, बल्कि उनके प्रति सम्मान और सामाजिक मूल्यों को मजबूत करने की है।

- सुधीर यादव, रायपुर

ट्रेंड

भारत-स्लोवाकिया दोस्ती

प्रधानमंत्री फिको के साथ बहुत अच्छी बैठक हुई। भारत-स्लोवाकिया दोस्ती के लिए यह एक बहुत खास पल है। ऑटोमोबाइल, रेलवे, एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग और ग्रीन टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा हुई।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

जीवन में ठोस सुधार

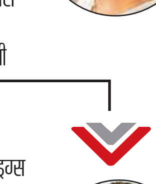

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में,पिछले 12 वर्षों में टैक्स में राहत, मेट्रो नेटवर्क के विस्तार, आधुनिक कनेक्टिविटी और 'ईज ऑफलिविंग' (जीवन को आसान बनाने) पर लगातार ध्यान दिए जाने से भारत के मध्यम वर्ग के जीवन में ठोस सुधार आए हैं।

- **रेखा गुप्ता,** सीएम, नई दिल्ली

ईडी पार्टी जिम्मेदार

ईडी पार्टी के अधिकारी खुद पंजाब में ड्रग्स बेचते हुए पकड़े गए। क्या उसके तार ड्रग्स से जुड़े हैं? आज पंजाब में 70% ड्रग्स गुजरात के रास्तों से आ रही है। पंजाब के युवाओं को बर्बाद करने के लिए ईडी पार्टी और 'चिट्टा पार्टी' ज़िम्मेदार हैं।

-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

मातृभूमि की नई कहानी

नफरत के कांटे बहुत बढ़ गए हैं, अब 'फूलों का मौसम' लाने का समय आ गया है। 'प्यार, करुणा और अपनापन' लेकर हमें हर गांव और गली तक पहुंचना है। मिलकर, हम सभी को अपनी मातृभूमि की एक नई कहानी लिखनी है।

-अखिलेश यादव, सांसद, सपा

करंट अफेयर

पिचाई के भाषण में छात्रों ने लहराए फलस्तीन झंडे

अमेरिका के स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में गूगल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुंदर पिचाई के संबोधन के दौरान फलस्तीन समर्थक कई छात्रों ने बहिर्गमन किया और झंडे लहराए। स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय से 'मैटीरियल साइंस एंड इंजीनियरिंग' में मास्टर ऑफ साइंस (एमएस) की डिग्री प्राप्त कर चुके पिचाई रविवार को वर्ष 2026 की कक्षा को संबोधित करने के लिए अपने पूर्व शिक्षण संस्थान लौटे थे। 'स्टैनफोर्ड रिपोर्ट' के अनुसार विश्वविद्यालय के 135वें दीक्षांत समारोह में 3,600 छात्रों सहित 20,000 से अधिक लोगों ने भाग लिया। 'एसएफगेट' की एक खबर में कहा गया है कि पिचाई द्वारा छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों और अन्य उपस्थित लोगों को संबोधित किए जाने के दौरान लगभग 200 छात्र समारोह स्थल से बाहर चले गए। खबर के अनुसार, दर्शक दीर्घा में मौजूद कुछ समूहों ने बैनर और फलस्तीनी झंडे लहराए तथा सीटी बजाई। बाद में वे भाषण के बीच में ही बाहर निकल गए। खबर में कहा गया कि फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों ने इजराइल सरकार के साथ गूगल के संबंधों, विशेष रूप से वर्ष 2021 में हुए 1.2 अरब अमेरिकी डॉलर के क्लाउड कंप्यूटिंग समझौते 'प्रोजेक्ट निम्बस' का विरोध किया।

ऑफ बीट

भोजन के साथ आपके संबंध कैसे हैं

क्या आप अपने शरीर के संकेतों को समझते हैं, जिसका अर्थ है कि आपको पता है कि आपको कब भूख लगी है, कब नहीं और कब पेट भरा हुआ महसूस हो रहा है? सभी खाद्य समूहों में नियमित अंतराल पर उचित मात्रा और विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थ खा रहे हैं ताकि आपकी पोषक तत्व, स्वास्थ्य और कल्याण संबंधी ज़रूरतें पूरी हों? दूसरों के साथ खाना और अकेले खाना भी आरामदायक है? क्या आप भोजन का आनंद लेने में सक्षम हैं, यदि आपको अधिक जवाब हां में नहीं मिले, तो आपको भोजन के साथ अपने रिश्ते को बेहतर बनाने पर काम करने की आवश्यकता हो सकती है। समस्या यह है कि यह मस्तिष्क के पुरस्कार केंद्र को ट्रिगर करता है, जिसका अर्थ है कि यद्यपि आप बेहतर महसूस करते हैं, यह व्यवहार प्रबल हो जाता है, इसलिए नकारात्मक भावनाओं के जवाब में आपके खाते रहने की संभावना अधिक होती है। भावनात्मक खान-पान और अनियंत्रित खान-पान की प्रवृत्ति खाने के विकार के लक्षणों और खराब गुणवत्ता वाले आहार से जुड़ी होने की अधिक संभावना है, जिसमें सब्जियों का कम सेवन और कम पोषक तत्वों वाले खाद्य पदार्थों का अधिक सेवन शामिल है।

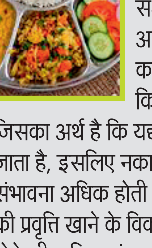

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

गंगरेल बांध तेजी से हो रहा खाली, एक साल में जलभराव में बड़ी गिरावट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में मानसून की सक्रियता बढ़ने तक बांधों के जल भंडारण में और कमी आने की संभावना बनी हुई है। ऐसे में आने वाले दिनों में होने वाली बारिश गंगरेल बांध के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होगी। जल संसाधन विभाग के आंकड़े बताते हैं कि राज्य के अन्य कई प्रमुख जलाशयों की तुलना में गंगरेल का भराव प्रतिशत अभी मध्यम स्तर पर है, लेकिन लगातार उपयोग के कारण जल भंडारण पर दबाव बना हुआ है। अब मानसूनी वर्षा और जलाशय में होने वाली नई आवक पर लोगों की निगाहें टिकी हुई हैं।

प्रदेश के सबसे महत्वपूर्ण जलाशयों में शामिल गंगरेल बांध में जल स्तर लगातार घट रहा है। जल संसाधन विभाग की ताजा रिपोर्ट के अनुसार 15 जून को बांध में 330.23 मिलियन घनमीटर (एमसीएम) पानी शेष है, जो इसकी कुल लाइव क्षमता का 48.97 प्रतिशत है। पिछले वर्ष इसी अवधि में गंगरेल बांध में 236.04 एमसीएम पानी उपलब्ध था, जबकि वर्ष 2024 में यह आंकड़ा मात्र 51.08 एमसीएम था। हालांकि पिछले दो वर्षों की तुलना में वर्तमान भंडारण अधिक है, लेकिन बांध की कुल क्षमता 767 एमसीएम के मुकाबले आधे से भी कम पानी बचा है। रिपोर्ट के अनुसार बांध का जलस्तर 343.16 मीटर दर्ज किया गया है, जबकि पूर्ण जलाशय स्तर 348.70 मीटर है। वर्तमान में बांध से पेयजल और सिंचाई जरूरतों के लिए पानी छोड़ा जा रहा है। रायपुर और धमतरी क्षेत्र की पेयजल आपूर्ति भी काफी हद तक इसी जलाशय पर निर्भर है।

आधे से अधिक जलभराव

छत्तीसगढ़ के प्रमुख और मध्यम जलाशयों में इस वर्ष मानसून की शुरुआत से पहले ही जल भंडारण की स्थिति पिछले दो वर्षों की तुलना में काफी बेहतर है। राज्य के 46 प्रमुख एवं मध्यम जलाशयों में कुल 3301 मिलियन घनमीटर (एमसीएम) पानी संग्रहित है, जो उनकी कुल लाइव क्षमता का 51.90 प्रतिशत है। विभागीय आंकड़ों के मुताबिक राज्य के 12 प्रमुख जलाशयों में 2908.70 एमसीएम पानी उपलब्ध है, जो उनकी कुल क्षमता का 54.31 प्रतिशत है। वहीं 34 मध्यम जलाशयों में 392.30 एमसीएम जल भंडारण दर्ज किया गया है, जो उनकी क्षमता का 39.05 प्रतिशत है।

मानसून की सक्रियता में देर से और कमी आने की संभावना

प्रमुख बांधों की स्थिति

प्रमुख जलाशयों में कांकेर जिले का दूधावा बांध 75.57 प्रतिशत, धमतरी का मुरूमसिल्ली जलाशय 85.42 प्रतिशत और मुंगेली का मनियारी जलाशय 75.16 प्रतिशत भराव के साथ बेहतर स्थिति में हैं। बिलासपुर का खारंग जलाशय 63.82 प्रतिशत तथा धमतरी का सोंदूर जलाशय 63.78 प्रतिशत क्षमता तक भरा हुआ है। राज्य के सबसे बड़े जलाशय मिनीमाता बांगो में इसकी कुल क्षमता का 55.92 प्रतिशत है। वहीं धमतरी स्थित गंगरेल बांध में 48.97 प्रतिशत भराव के बराबर है। हालांकि कुछ जलाशयों में जल स्तर अपेक्षाकृत कम बना हुआ है। महासमुंद का कोडार जलाशय 19.11 प्रतिशत, बिलासपुर का अरपा भैसाझार बैराज 20.05 प्रतिशत और रायगढ़ का केलो जलाशय 28.93 प्रतिशत क्षमता तक ही भरा हुआ है।

वीडियो वायरल होने के बाद जीआरपी ने शुरू की जांच

रेलवे स्टेशन पर महिला से मारपीट बाल खींचकर घसीटा, पेट पर मारी लातें

शनिवार रात की बताई जा रही घटना, मदद के बजाय देखते रहे लोग

महिला और युवकों के बीच विवाद की वजह अब तक स्पष्ट नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी के रेलवे स्टेशन परिसर में एक महिला के साथ कुछ युवकों द्वारा की गई बेदम पिटाई का वीडियो सोमवार से सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

वायरल वीडियो में असामाजिक तत्व महिला के बाल पकड़कर उसे सड़क पर घसीटते, पेट पर लात मारते और घूंसों से बुरी तरह पीटते हुए नजर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह घटना शनिवार रात की है। वीडियो सामने आने पर शासकीय रेलवे पुलिस ने मामले को संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है। हैरानी की बात यह है कि जब यह घटना हुई, उस दौरान सड़क पर कई अन्य लोग भी मौजूद थे, लेकिन किसी ने भी बीच-बचाव करने या महिला को बचाने की कोशिश नहीं की। वीडियो में साफ दिख रहा है कि महिला खुद को बचाने का प्रयास करते हुए चीखती-चिल्लाती रही और युवक उसे लगातार पीटते रहे, जबकि कुछ लोग मदद करने के बजाय सिर्फ वीडियो बनाते नजर आए।

मारपीट की वजह स्पष्ट नहीं, जीआरपी की जांच तेज

फिलहाल महिला और युवकों के बीच विवाद की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। दोनों के बीच किस बात को लेकर झगड़ा हुआ और बात इतनी मारपीट तक कैसे पहुंच गई, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। जीआरपी इस बात की भी गहनता से जांच कर रही है कि रात के समय महिला किस वजह से स्टेशन पहुंची थी और मारपीट करने वाले युवक कौन थे। बता दें कि स्टेशन परिसर में रात के समय असामाजिक तत्वों के सक्रिय रहने और इस तरह की घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं। हालांकि, इस बार बर्बरता का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस महकमा हरकत में आ गया है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

परिवहन अधिकारियों का तबादला

रायपुर। परिवहन विभाग ने दो परिवहन अधिकारियों को स्थानांतरित किया है। संयुक्त सचिव परिवहन विभाग के अनुसार मृत्युंजय पटेल क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी कार्यालय रायपुर को दुर्ग, एवं प्रतीक शुक्ला सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, क्षेत्रीय परिवहन आयुक्त कार्यालय से जिला परिवहन अधिकारी महासमुंद के पद पर पदस्थ किया गया है।

फर्जी आर्डर देकर 10 लाख की ठगी

रायपुर। खमतराई थाने में उरकुरा स्थित रूद्राक्ष इंजीनियरिंग एंड कंस्ट्रक्शन मनु इंडिया के डायरेक्टर ने अपने यहां काम करने वाले तीन लोगों के खिलाफ फर्जी आर्डर कर माल किसी दूसरी जगह बेचकर 10 लाख रुपए ठगी करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। अशोक मनु ने बिलासपुर निवासी रमन श्रीवास्तव, सुधीर कुमार गुप्ता, सुबोध कुमार श्रीवास्तव के खिलाफ ठगी करने की शिकायत दर्ज कराई है। तीनों उनकी कंपनी में काम करते थे। तीनों ने ओडिशा तथा मध्यप्रदेश के अलग-अलग पार्टियों का फर्जी आर्डर देकर विद्युत उपकरण के साथ विद्युत सामान खुले बाजार में बेचकर उनके साथ ठगी की है।

शुगर ट्रेडर्स यूनियन का सचिव बताकर रायगढ़ के ट्रांसपोर्टर ने आधा दर्जन कारोबारियों से दो करोड़ ठगे

रायपुर। रायगढ़ के एक ट्रांसपोर्टर तथा उसके बेटे के खिलाफ रायपुर तथा अंबिकापुर के पांच कारोबारियों ने खमतराई थाना में दो करोड़ एक लाख 36 हजार रुपए ठगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। कारोबारियों ने पुलिस को बताया है कि जालसाज ट्रांसपोर्टर ने खुद को शुगर ट्रेडर्स यूनियन का सचिव बताकर उन्हें अपने झांसे में लेकर ठगी का शिकार बनाया है। जालसाज ने कारोबारियों के साथ अप्रैल-मई के बीच ठगी की है। श्रीनगर रोड स्थित मेसर्स सिंघल प्रोविजन स्टोर के संचालक राजेश अग्रवाल ने रायगढ़ स्थित महावीर ट्रांसपोर्ट के प्रोप्राइटर राजेश कुमार अग्रवाल तथा उसके बेटे शैलेष कुमार अग्रवाल के खिलाफ ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। राजेश ने पुलिस को बताया है कि ट्रांसपोर्ट कारोबारी तथा उसके बेटे ने नियोजित योजना के तहत अपनी वास्तविक आर्थिक स्थिति एवं भुगतान क्षमता छिपाकर, झूठी व्यापारिक एवं सामाजिक साख प्रदर्शित कर, भुगतान का झूठा आश्वासन देकर कारोबारियों के साथ ठगी की है। ट्रांसपोर्टर बाप-बेटे के खिलाफ नितेश जैन, रूपक अग्रवाल, धीरज धुप्पड़, ममता जैन, मदन लाल अग्रवाल, अमित छाबडिया, प्रकाश अग्रवाल ने भी ठगी की शिकायत दर्ज कराई है।

झूठी शानो शौकत, सामाजिक रसूख का झांसा देकर कारोबारियों को जाल में फंसाया

ट्रांसपोर्टर के अलावा बताता था कोल्ड स्टोरेज का मालिक

कारोबारियों को झांसे में लेने के लिए ट्रांसपोर्टर राजेश अग्रवाल खुद को चंडीराम कोल्ड स्टोरेज का मालिक बताता था। साथ ही अपने आपको बड़े स्तर का शक्कर व्यापारी तथा आर्थिक रूप से संपन्न व्यक्ति बताता था। इसके अतिरिक्त वह छत्तीसगढ़, ओडिशा, मध्यप्रदेश शुगर व्यापारी यूनियन एवं शुगर ट्रेडर्स का सचिव बताता था।

कारोबारियों को विश्वास में लेने बनाया वाट्सएप ग्रुप

जालसाज ट्रांसपोर्टर ने कारोबारियों को झांसे में लेने के लिए ओड़िशा, मध्यप्रदेश तथा छत्तीसगढ़ थोक शक्कर कारोबारियों के नाम से एक वाट्सएप ग्रुप बनाया व अन्य माध्यमों से ट्रांसपोर्टर ने अपनी व्यावसायिक क्षमता, सामाजिक प्रतिष्ठा एवं आर्थिक सामर्थ्य का प्रचार-प्रसार कर विश्वसनीयता स्थापित करने का काम किया।

होटल में मीटिंग कर शक्कर का जल्द भुगतान करने झांसा दिया

कारोबारियों ने पुलिस को बताया कि झांसे में लेने के लिए रायगढ़ का ट्रांसपोर्टर उनके साथ होटल में मीटिंग कर शक्कर खरीदने आर्डर लेता था। साथ ही तीन से चार दिन में भुगतान करने तत्काल में टोकन मनी देकर शक्कर खरीदने का आर्डर देता था। जिन कारोबारियों ने जालसाज ट्रांसपोर्टर और उसके बेटे के साथ कारोबारी एग्रीमेंट कर शक्कर का आपूर्ति की, कारोबारी ने उन लोगों को पैसा देने के बजाय उनका मोबाइल ब्लाक कर अपने द्वारा बनाए गए वाट्सएप ग्रुप से रिमूव कर दिया। अपने साथ ठगी का एहसास होने पर कारोबारी, ट्रांसपोर्टर बाप-बेटे के खिलाफ थाने में ठगी की शिकायत दर्ज कराने पहुंचे।

10 YEAR WARRANTY | BAJAJ SECURE • AMC • ROAD SIDE ASSISTANCE | 72198 21111 | Flipkart | amazon.in

*नियम और शर्तें लागू. चुनिंदा मॉडलों पर 1 जून से 30 जून 2026 तक छूट उपलब्ध है. लागू ऑफर मॉडल/राज्यों के अनुसार भिन्न हो सकते हैं. ई-कॉमर्स ऑफर संबंधित ई-कॉमर्स पार्टनर की शर्तों के अधीन हैं. ई-कॉमर्स ऑफर पार्टनर के अनुसार भिन्न हो सकते हैं. उल्लिखित ESRP बेस वेरिएंट के हैं. ऑफर के बारे में अधिक जानकारी के लिए, कृपया अपने नजदीकी डीलरशिप पर जाएं. पल्सर 125 नियॉन पर ₹2 000/- की छूट.

Authorized Dealers for Bajaj Auto Ltd.: Bilaspur: Tifra Over bridge TRIPUR BAJAJ 9752133444, 9754033444 • Naya Sarkanda KHANDELWAL BAJAJ 9300998989, 9165555222 • Old Bus Stand TRIPUR BAJAJ 7999848912, • **Mungeli** : KHANDELWAL BAJAJ 9399021705, 07755299124 • **Lormi** : KHANDELWAL BAJAJ 9399021701 • **Ambikapur** LAXMI BAJAJ 9074816511, 9754830536 • **Janjgir** SHREE SALASAR BAJAJ 9179981000 • **Champa** 8319235702 • **Korba** TIRUPATI BAJAJ 6232103042, 7879313041 • **Dipka** TIRUPATI BAJAJ 9302444204, **Jamnipali** TIRUPATI BAJAJ 6232123757 • **Raigarh** JINDAL BAJAJ 9589905646,7067109202 • **Jashpur** JINDAL BAJAJ 8817775566, **Baikunthpur** KOREA BAJAJ 9752949291.

अब होर्मुज में फंसे 18,000 भारतीय नाविकों को निकालने का चैलेंज

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच एक राहत भरी खबर सामने आई है। अमेरिका और ईरान के बीच ऐतिहासिक शांति समझौता हुआ है, जिसके बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को खोलने की मंजूरी दे दी है। इस बीच, भारत सरकार स्ट्रेट ऑफ होर्मुज और उसके आसपास काम कर रहे भारतीय नाविकों व व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा पर लगातार नजर बनाए हुए है। एक इंटर-मिनिसट्रियल ब्रीफिंग के दौरान शिपिंग मिनिस्ट्री के ओपेश शर्मा द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, लगभग 18,000 भारतीय नाविक अभी भी खाड़ी क्षेत्र में तैनात हैं। ओपेश शर्मा ने बताया कि क्षेत्र में सुरक्षा संबंधी चिंताओं के बावजूद, अब तक भारतीय झंडे वाले 10 जहाजों और विदेशी झंडे वाले 5 जहाजों ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को पार किया है।

नाविकों व जहाजों की सुरक्षा पर नजर बनाए हुए है भारत सरकार

भारत दुनिया के सबसे रणनीतिक रूप से संवेदनशील शिपिंग कॉरिडोर में से एक में अपने समुद्री हितों, ऊर्जा आपूर्ति मार्गों और काम कर रहे हजारों भारतीय नाविकों की सुरक्षा के लिए प्रयास जारी रखे हुए है। अधिकारियों ने बताया कि 325 भारतीय नाविक स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के पश्चिम में जहाजों पर मौजूद हैं, जबकि 200 से अधिक ओमान की खाड़ी में फंसे हुए हैं। अधिकारी उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगातार संपर्क और निगरानी बनाए हुए हैं। शिपिंग मिनिस्ट्री ने कहा कि भारतीय चालक दल के सदस्यों और जहाज ऑपरेटरों को हर संभव सहायता दी जा रही है। यह भी बताया गया, भारतीय जहाज 'दिशा' 62,370 टन एलएनजी कार्गो लेकर होर्मुज को सुरक्षित रूप से पार कर चुका है और इसके 18 जून को भारत पहुंचने की उम्मीद है।

यहां फंसे हुए हैं भारतीय

शिपिंग मिनिस्ट्री की पुष्टि

शिपिंग मिनिस्ट्री ने उस विशेष रिपोर्ट की भी पुष्टि की, जिसमें हांगकांग के झंडे वाले तेल और रसायन टैंकर 'बोकेम मारेन्गो' का जिक्र था। इस जहाज पर 11-12 जून की रात स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरते समय एक यूएवी (अनमैन्ड एरियल व्हीकल) से हमला किया गया था। शिपिंग मिनिस्ट्री ने यह सुनिश्चित किया है कि क्षेत्र में फंसे नाविकों को जरूरी मदद और समर्थन दिया जा रहा है। साथ ही, यह भी बताया गया है कि जैसे ही स्थिति सामान्य होगी, क्षेत्र में फंसे सभी भारतीय जहाज और लोग भारत लौट सकेंगे।

भारतीय राजदूत ने बचाए गए चालक दल के लोगों से की मुलाकात

दुबई। ओमान में भारत के राजदूत प्रशांत पिसे ने एमटी जलवीर के बचाये गए भारतीय चालक दल के 20 सदस्यों से सोमवार को मस्कट में मुलाकात की। यह मुलाकात चालक दल के सदस्यों की भारत वापसी से पहले हुई। 11-12 जून की घटना के बाद, ओमानी प्राधिकारियों के सहयोग से गिनी-बिसाऊ ध्वज वाले जहाज एमटी जलवीर के चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित तरीके से तट पर पहुंचाया गया था। ओमान स्थित भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'भारत के राजदूत ने एमटी जलवीर के 20 भारतीय चालक दल सदस्यों से उनकी भारत वापसी से पहले मस्कट में मुलाकात की उनके सुरक्षित तरीके से घर लौटने शुभकामनाएं दीं।'

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (वि/यां.) संभाग बिलासपुर (छ.ग.)

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक-3010/NIT-04/2026-2027/ व.ले.लि. दिनांक : 12/06/2026
निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 22.06.2026 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 06.07.2026 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि :- 07.07.2026 पूर्वान्ह 11.30 बजे से
कार्य की अवधि :- 31.12.2026 वर्षा ऋतु सहित
निविदाकारों की श्रेणी :- ई पंजीयन के अंतर्गत श्रेणी "द" से "अ" तक

एनआईटी क्र./ निविदा क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)	निविदा प्रपत्र की कीमत (रू. में)	अमानत राशि (रू. में)
4 T0051	शासकीय अग्रसेन कॉलेज बिल्हा जिला बिलासपुर के अतिरिक्त कक्ष में विद्युतीकरण कार्य	8.21	A 750.00	6158.00
4 T0052	छत्तीसगढ़ भवन बिलासपुर में गार्डन लाइट, गेट लाइट और फाउंटेन केबल लगाने का विशेष मरम्मत कार्य	3.76	A 750.00	3760.00
4 T0053	सर्किट हाउस मुंगेली में सर्विस केबल, जनरेटर केबल, कण्ट्रोल स्विच गेयर और गार्डन लाइट केबल लगाने का विशेष मरम्मत कार्य	5.96	A 750.00	4463.00
4 T0054	कलेक्टोरेट कार्यालय बिलासपुर में सर्विस केबल, सब मेन केबल एवं कण्ट्रोल स्विच गियर लगाने का विशेष मरम्मत कार्य	5.83	A 750.00	4369.00
4 T0055	कलेक्टोरेट बंगला मुंगेली जिला मुंगेली में विद्युतीकरण का विशेष मरम्मत कार्य	7.14	A 750.00	5355.00
4 T0056	कलेक्टोरेट कार्यालय मुंगेली में सर्विस केबल, सब मेन केबल और कंट्रोल स्वीच गियर लगाने का कार्य	6.9	A 750.00	5175.00
4 T0057	जिला न्यायालय जांजगीर, जिला जांजगीर-चांपा में महिलाओं और पुरूषों के लिए शौचालय भवन में विद्युतीकरण का कार्य	1.13	A 300.00	2000.00
4 T0058	सिविल कोर्ट चाम्पा जांजगीर जिला जांजगीर चाम्पा के महिला एवं पुरूष शौचालय भवन में विद्युतीकरण कार्य	1.08	A 300.00	2000.00
4 T0059	कुटुंब न्यायालय जॉजगीर में महिला एवं पुरूष प्रशाधन कक्ष में विद्युतीकरण कार्य	1.09	A 300.00	2000.00
4 T0060	शासकीय कन्या छात्रावास भवन एमएमआर कॉलेज कैंपस चाम्पा में विद्युतीकरण का रेनोवेशन कार्य	2.4	A 750.00	2400.00
4 T0061	शासकीय टी सी एल पीजी महाविद्यालय जांजगीर के सेमिनार हॉल में विद्युतीकरण कार्य	1.3	A 300.00	2000.00
4 T0062	लाईवलीहुड कालेज परिसर जांजगीर स्थित 500 सीटर ऑडीटोरियम भवन में विद्युतीकरण का रेनोवेशन कार्य	8.09	A 750.00	6068.00
4 T0063	जिला न्यायालय जांजगीर के शासकीय आवास में विशेष मरम्मत का विद्युतीकरण कार्य	3.24	A 750.00	3240.00
4 T0064	कलेक्टोरेट बंगला जांजगीर जिला जांजगीर चाम्पा में विशेष मरम्मत विद्युतीकरण का कार्य	4.05	A 750.00	4050.00
4 T0065	नवीन सर्किट हाउस पेंड्रा जिला गौरेला पेंड्रा मरवाही के गार्ड रूम में विद्युतीकरण कार्य	0.26	A 300.00	520.00

नोट :-1. निविदा आमंत्रण में दर्शाये गये कार्य अनुसार पृथक-पृथक कार्य हेतु अमानत राशि पृथक प्रस्तुत करना होगा। 2. निविदा फार्म का लिफाफा 2 एवं अमानत राशि हेतु लिफाफा-3 को एक बडे लिफाफा-1 के अंदर निविदा सूचना क्रमांक एवं ग्रुप क्रमांक डाल कर पंजीकृत डाक से प्रस्तुत करना होगा। अलग अलग कार्य हेतु अलग अलग लिफाफा प्रस्तुत करना होगा, अन्यथा निविदा खोली नहीं जावेगी। 3. निविदा फार्म के साथ अमानत राशि (टी.डी.आर. / एफ.डी.आर) के लिफाफा के अंदर 100/- का शपथ पत्र डालना अनिवार्य है। 4. आवेदन के जीएसटी नंबर संलग्न करना अनिवार्य है। 5. वित्तीय वर्ष 2025-26 का जीएसटी रिटर्न की छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य है। 6. विगत 03 वर्षो का आयकर रिर्टन की छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य है। 7. ईपीएफ नंबर की छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य है।

निविदा संबंधी शर्ते विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र मे उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (वि./ यां.)
संभाग बिलासपुर (छ.ग.)
जी. 262701436/2

ममता समर्थक धड़ा भी मिला बिरला से, बागियों की पहल को बताया 'अवैध'

बागी सांसदों ने टीएमसी के सिंबल पर ठोका दावा, अब कोर्ट जाने की तैयारी

तृणमूल के बागी सांसदों का 'नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी' में 'विलय' करने का प्लान सिर्फ एक अस्थायी उपाय है। उनका मकसद पार्टी के नाम और चुनाव चिह्न पर कब्जा करना है, ठीक वैसे ही जैसे शिवसेना या नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के मामले में हुआ था। पार्टी प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के कभी करीबी रहे सुदीप बंदोपाध्याय, बागी सांसद अरूप चक्रवर्ती ने सोमवार को यह बात साफ की। वहीं, ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी ने इस कदम को संविधान की 10वीं अनुसूची (दल-बदल विरोधी कानून) के तहत अवैध बताया है।

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

टीएमसी के 20 बागी सांसदों ने 14 जून को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की थी और घोषणा की थी कि वे त्रिपुरा स्थित पंजीकृत लेकिन गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल 'नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया' (एनसीपीआई) में विलय कर रहे हैं। सुदीप बंदोपाध्याय ने यह बताते हुए कि इस गुट के पास पार्टी के 28 में से दो-तिहाई सांसद हैं, कहा कि ऐसी स्थितियों में यही तरीका अपनाया जाता है। उन्होंने कहा कि हालांकि दलबदल विरोधी कानून के तहत कार्रवाई से बचने के लिए संख्या बल की ज़रूरत होती है, लेकिन इसके आधार पर तुरंत पार्टी का नाम नहीं मांगा जा सकता। जब आप पार्टी के दो-तिहाई सदस्यों के साथ अलग होते हैं, तो आप पहले ही दिन उस पार्टी का नाम नहीं मांग सकते... जुलाई में हम तृणमूल (नाम) हमें सौंपने की मांग करेंगे क्योंकि हमारे पास तृणमूल का दो-तिहाई बहुमत है।

बागी गुट के पास हैं पार्टी के 28 में से दो-तिहाई यानी 20 सांसद

डरी हुई हैं ममता : चक्रवर्ती

बागी सांसद चक्रवर्ती ने सोमवार को कहा कि अलग हुआ गुट पार्टी छोड़कर नहीं गया है, बल्कि वह पार्टी को सुधारने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि उनका गुट टीएमसी के चुनाव चिन्ह पर भी दावा करेगा। हमारे पास 20 सांसद हैं, तो हम चुनाव चिन्ह के लिए लड़ाई क्यों नहीं लड़ सकते?' उन्होंने कहा, 'एक नया खेल शुरू हो गया है।.. खेला होबे.' चक्रवर्ती ने दावा किया कि उनके कदम से पश्चिम बंगाल में विकास और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, 'वह डरी हुई हैं। पार्टी की बैठक तक नहीं बुला पा रही हैं। चुनाव से पहले वह अपने निर्वाचन क्षेत्र में भी बैठक नहीं कर सकीं।'

असली तृणमूल कांग्रेस के दावे की ठोस वजह

तृणमूल के बागी विधायकों ने काफी पहले ही दावा किया था कि वे ही असली तृणमूल हैं। एकनाथ शिंदे के उलट- जिन्होंने शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे की वैचारिक विरासत को आगे बढ़ाने का दावा किया था। इन बागियों ने इसके लिए कोई ठोस वजह नहीं बताई थी। बीजेपी सूत्रों का दावा है कि बागी गुट कई तरह के तर्क देते हुए खुद को असली तृणमूल बताने का दावा करेगा।

अमरनाथ यात्रा : होटल-टैक्सी सेवाओं पर 65% छूट

श्रीनगर। पहलगाम आतंकी हमले के बाद कश्मीर में पर्यटन और अमरनाथ यात्रा को फिर से रफ्तार देने के लिए होटल, ट्रैवल और टैक्सी उद्योग ने बड़ा कदम उठाया है। कश्मीर के मुख्य पर्यटन संगठनों ने अमरनाथ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को 50 से 65 प्रतिशत तक की विशेष छूट देने का ऐलान किया है। इस पहल का मकसद श्रद्धालुओं का भरोसा मजबूत करना, यात्रा को ज्यादा किफायती बनाना और घाटी में पर्यटन को फिर से बढ़ावा देना है। होटल व्यवसायियों, ट्रैवल एजेंसियों और टैक्सी ऑपरेटरों ने मिलकर ये राहत योजना शुरू की है, जो अमरनाथ यात्रा खत्म होने तक लागू रहेगी।

रैली में सीजेपी फाउंडर दीपके को मारा थप्पड़

एजेंसी ▶▶| जयपुर

कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके को जयपुर में एक शख्स ने थप्पड़ मार दिया। अभिजीत जैसे ही जयपुर के शहीद स्मारक कार्यक्रम स्थल तक आए अचानक यह शख्स आगे बढ़ा और अभिजीत को थप्पड़ जड़ दिया। इस घटना के बाद अभिजीत के कार्यक्रम में आए लोगों ने थप्पड़ मारने वाले शख्स की जमकर कुटाई भी की। फिर पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और आरोपी को हिरासत में ले लिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अभिजीत दीपके युवाओं से जुड़े मुद्दों, बेरोजगारी और परीक्षा अनियमितताओं को लेकर जयपुर में एक प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे थे।

इसी दौरान प्रदर्शनकारियों और भीड़ का फायदा उठाकर एक युवक उनके बेहद करीब पहुंच गया। इससे पहले कि वहां मौजूद समर्थक या सुरक्षाकर्मी कुछ समझ पाते, युवक ने दीपके के गाल पर एक जोरदार तमाचा मार दिया।

चर्चा में है 'कॉकरोच जनता पार्टी'

बता दें, अभिजीत दीपके और उनकी 'कॉकरोच जनता पार्टी' पिछले कुछ समय से इंटरनेट पर एक बड़ा डिजिटल मूवमेंट बन चुकी है। युवाओं के रोजगार, पेपर लीक (जैसे नीट और अन्य परीक्षाएं) और प्रशासनिक कमियों पर मीम्स और व्यंग्य के जरिए तंज कसने वाले इस ग्रुप ने हाल ही में दिल्ली के जंतर-मंतर पर भी एक बड़ा छात्र प्रदर्शन आयोजित किया था।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी परिषद् विकास भवन, तृतीय तल, सेक्टर-19, नार्थ ब्लॉक नवा रायपुर अटल नगर, छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ शासन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के तहत संचालित महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत राज्य स्तर पर त्रि-सदस्यीय अपीलीय प्राधिकरण के 02 सदस्यों की नियुक्ति हेतु कार्यालयीन पत्र क्रमांक 2541, दिनांक 09/10/2024 एवं जिला स्तर पर 16 जिलों में लोकपाल की नियुक्ति हेतु कार्यालयीन पत्र क्रमांक 2461, दिनांक 08/10/2024 द्वारा जारी विज्ञापन को अपरिहार्य कारणों से तत्काल प्रभाव से निरस्त (रद्द) किया जाता है, अतः उक्त विज्ञापन के संबंध में की जा रही समस्त भर्ती प्रक्रिया को निरस्त माना जाए।

(नितेश कुमार उपाध्याय)
उपायुक्त
महात्मा गांधी नरेगा
नवा रायपुर अटल नगर
सं.48163

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था
कांकेर, जिला-उ.ब. कांकेर (छत्तीसगढ़)
Ph.:-07868-296467 Email :- witiknkr@rediffmail.com,

भर्ती सूचना

प्राचार्य/नोडल महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, कांकेर अंतर्गत संचालित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था कांकेर में व्यवसाय-विद्युतकार में सत्र 2026-27 में प्रशिक्षण कार्य संपन्न कराने हेतु स्वीकृत प्रशिक्षण अधिकारी के रिक्त पद के विरूद्ध मेहमान प्रवक्ता (गेस्ट लेक्चरर) के लिये आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप में दिनांक 22.06.2026 को सायं 5:00 बजे तक कार्यालय प्राचार्य, महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, कांकेर जिला-उत्तर बस्तर कांकेर, छत्तीसगढ़ पिन- 494334 के नाम स्पीड पोस्ट/रजिस्टर डाक/सामान्य डाक के माध्यम से अथवा स्वयं उपस्थित होकर आवेदन कर सकते हैं। इच्छुक आवेदक एन.आई.सी. (NIC) कांकेर के वेबसाईट www.kanker.gov.in पर जाकर विज्ञापन की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

प्राचार्य,
महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, कांकेर,
जिला उत्तर बस्तर कांकेर छ.ग.
जी-262701442/2

Public Works Department
Sector-19, North Block, Naya Raipur (C.G.)

E-Procurement Tender Notice
E-mail: tenders-pwd.cg@gov.in

NIT No. 408/TC/EinC/PWD/2026-27 Dated- 08.06.2026

The Engineer-in-Chief, Public Works Department on behalf of Governor of Chhattisgarh invites percentage rate bids on electronic tendering system under RCPLWE RRP-II in the district of Sukma for construction of 01 Road with estimated cost amounting Rs 145.57 Lacs including their maintenance for five years from the contractors registered with unified registration system (e-registration) in Chhattisgarh. Non registered bidders may submit bid; however the successful bidder must get registered in appropriate class under ₹Unified Registration System (e-Registration) of Chhattisgarh before signing the agreement.

The bid document shall be available to bidders online free of cost and should be submitted online e-procurement system of government of Chhattisgarh in https://eproc.cgstate.gov.in. Bids form will be available on the website from 10.06.2026 and may be submitted up to 17:00 Hrs. on 22.06.2026

For participating in bidding process, bidders are required to register in the above web-site with nominal fee of Rs 500/- to be paid onine to service provider. For submission of the bids, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from authorized certifying authorities.

The bidders are required to submit (a) original bid security in approved form and (b) original affidavit duly verified and notarized as per clause 4.4 B (a) (ii) and 4.4 B (c) to Chief Engineer, Tender Cell, First Floor, Nirman Bhawan, PWD, North Block, Sector-19, Naya Raipur Atal Nagar (C.G.) 492-002 as per provisions of bid document through Speed/ Registered post, failing which the bids shall be declared non-responsive.

Detailed schedule of important dates may be seen on notice board of offices and also available on website of Public Works Departmenthttp://pwd.cg.nic.in

Chief Engineer
(Central Tender Cell)
Office of Engineer-In-Chief
P.W.D. Nava Raipur Atal Nagar (C.G.)
G-262701421/5

राशिफल

मेष — मानसिक शान्ति रहेगी, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

वृष — परिवार का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। किसी मित्र के सहयोग से आय में वृद्धि हो सकती है। यात्रा पर जाना हो सकता है।

मिथुन — आत्मविश्वास से लबरेज रहेगें। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। कार्यभार में वृद्धि होगी। वाहन सुख में वृद्धि भी हो सकती है। व्यर्थ की चिंता बढ़ सकती हैं।

कर्क — क्रोध के अतिरेक से बचें। शैक्षिक कार्यों कार्यों में सफलता मिलेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। संयत रहें।

सिंह — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। मन प्रसन्न भी रहेगा, परन्तु सन्तान के स्वास्थ्य से मन परेशान भी हो सकता है। किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं।

कन्या — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। स्वास्थ्य का ध्यान भी रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी। खर्चों की अधिकता रहेगी।

तुला — किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार पर ध्यान रखें। कारोबारी कार्यों में कठिनाइयां आ सकती है।

धनु — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। संयत रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यर्थ की परेशानी बढ़ सकती हैं।

मकर — क्रोध के अतिरेक से बचें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। शैक्षिक कार्यों में मनचाही सफलता मिलेगी।

कुंभ — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। मानसिक शान्ति के लिए प्रयास करें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

मीन — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। पठन-पाठन में रुचि रहेगी, परन्तु शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों की अधिकता रहेगी।

शब्द पहेली - 6258

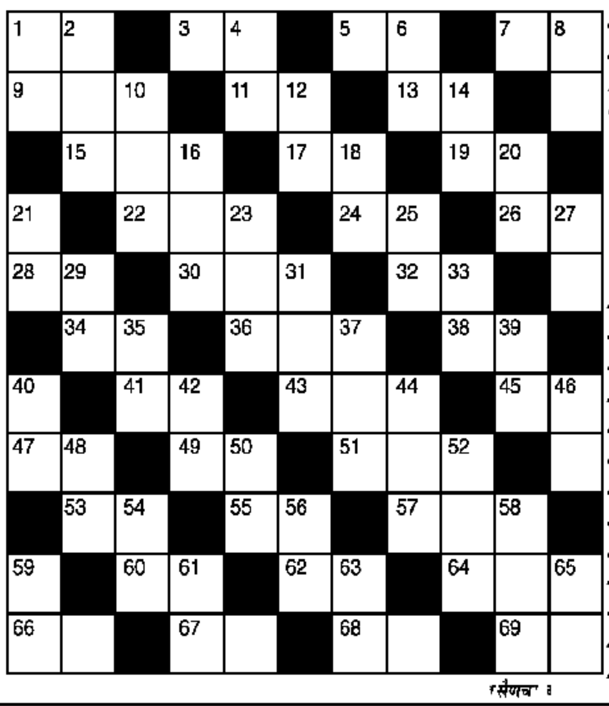

बाएँ से दाए
1. बलगम-2
3. जाप, मंत्र पाठ-2
5. काया, बदन-2
7. ठाठ-बाट-2
9. गिरावट, अवनति-3
11. बुरी आदत-2
13. सद, अच्छा-2
15. बंदर-3
17. अपशिष्ट पदार्थ-2
19. थोड़ा-2
22. दबाना, कुचलना-3
24. शारीरिक ऊंचाई-2
26. आम जनता-2
28. पिता के पिता-2
30. पक्षाघात, फालिज-3
32. मनमौजी, अलमस्त-2
34. नवीन-2
36. लोच-3
38. गाड़ी, घोड़ागाड़ी-2
41. बीता हुआ दिन-2
43. लेखनी, पेन-3
45. अधर-2
47. रांझा की प्रेमिका-2
49. अप्सरा, परी-2
51. गर्भ, कोख-3
53. दंड, शिक्षा-2
55. पाश, फंदा-2
57. परखना-3
60. वोट, अभिप्राय-2
62. हत्या-2
64. तिरस्कृत-3
66. शराब-2
67. उद्देश्य-2
68. टूंटी, नलका-2
69. आनंद-2

ऊपर से नीचे
1. प्याला-2
2. धर्म आदेश-3
4. क्षण, लमहा-2
6. गगन, आकाश-2
8. सरूर, खुमार-2
10. पति की बहन-3
12. अंधकार-2
14. शर्म, लज्जा-2
16. पासों से भविष्य जानने की विद्या-3
18. भाग्य (अंग्रेजी-2)
20. रहस्य-2
21. कुर्बान-2
23. अनुकृति-3
25. जोर, बल-2
27. नाखून-2
29. दक्षिणा-2
31. पढ़ने वाला-3
33. परत-2
35. भैंस जैसा एक प्राणी-2
37. झगड़ा-3
39. भूमि, धरा-2
40. राहगीर-2
42. रक्त-2
44. मां का प्रेम-3
46. दम-2
48. आनंद-2
50. छुट्टी-2
52. झगड़ना-3
54. प्याला-2
56. प्यार-2
58. असफल-3
59. यमराज-2
61. पैंदा-2
63. संपत्ति-2
65. सम्राट-2

शब्द पहेली - 6257 का हल

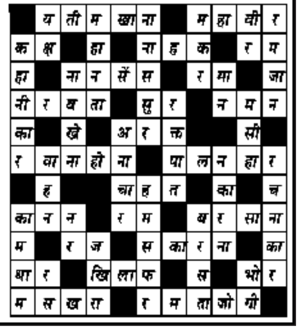

सूडोकु नवताल - 6268

मध्यम

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6267 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

कीमतों में बदलाव का अधिक सटीक आकलन संभव होगा

पहली बार उत्पादक मूल्य सूचकांक के आंकड़े जारी अगले पांच साल में लेगा डब्ल्यूपीआई की जगह

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

सरकार ने सोमवार को पहली बार वस्तुओं एवं सेवाओं दोनों के लिए 'उत्पादक मूल्य सूचकांक' (पीपीआई) के आंकड़े जारी किए। इससे कीमतों में बदलाव का अधिक सटीक आकलन संभव होगा और अगले पांच वर्षों में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) को चरणबद्ध ढंग से हटाने की राह तैयार होगी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने कहा कि यह कदम उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के व्यवहार और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की सिफारिशों के अनुरूप है, जिसमें भारत को डब्ल्यूपीआई की जगह पीपीआई को अपनाने की जरूरत पर बल दिया गया था।

कीमतों में बदलाव को बेहतर तरीकों से समझा जा सकेगा

मंत्रालय के मुताबिक, आउटपुट और इनपुट दोनों प्रकार के पीपीआई उपलब्ध होने से उद्योगों में उपयोग होने वाले कच्चे माल (इनपुट) और तैयार उत्पाद (आउटपुट) की कीमतों में बदलाव को बेहतर तरीके से समझा जा सकेगा। इससे यह भी स्पष्ट होगा कि उत्पादकों पर इनपुट लागत में बढ़ोतरी का अंतिम उत्पाद की कीमतों पर किस तरह असर पड़ता है।

अगले पांच वर्षों में डब्ल्यूपीआई हटाने की राह तैयार होगी

बदलाव नीति आयोग की सिफारिश के बाद किया गया

यह बदलाव नीति आयोग के पूर्व सदस्य रमेश चंद की अध्यक्षता वाले कार्य समूह की सिफारिशों के बाद किया गया है। इस समूह का गठन 30 दिसंबर, 2024 को किया गया था। चंद ने अपनी रिपोर्ट में कहा था, "थोक मूल्य सूचकांक के उलट, पीपीआई उत्पादकों के दृष्टिकोण से कीमतों में बदलाव को अधिक सटीक रूप से दर्शाता है और इस तरह यह राष्ट्रीय आय/ सकल घरेलू उत्पाद के आकलन में अधिक उपयोगी है।"

- कदम उन्नत अर्थव्यवस्थाओं व आईएमएफ की सिफारिशों के अनुरूप
- डब्ल्यूपीआई की जगह पीपीआई को अपनाने पर जोर दिया जा रहा

पीपीआई मुद्रास्फीति भी बढ़कर आई : मई में थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति दर अप्रैल के 8.26 प्रतिशत से बढ़कर 9.68 प्रतिशत हो गई। इसी के अनुरूप आउटपुट पीपीआई मुद्रास्फीति भी अप्रैल के 8.1 प्रतिशत से बढ़कर मई में 9.4 प्रतिशत हो गई है। सरकार ने डब्ल्यूपीआई और पीपीआई दोनों के लिए आधार वर्ष को संशोधित कर 2022-23 कर दिया है। इसमें कुल 957 वस्तुओं को शामिल किया गया है।

विनिर्मित उत्पादों का भारांश सबसे अधिक : आउटपुट पीपीआई (वस्तुएं) में विनिर्मित उत्पादों का भारांश सबसे अधिक 69.93 प्रतिशत है जबकि कृषि, वानिकी एवं मत्स्य का 22.16 प्रतिशत, बिजली का 4.49 प्रतिशत और खनन का भारांश 3.42 प्रतिशत है। पीपीआई के पहले चरण में सात सेवाओं- बैंकिंग, प्रतिभूति लेनदेन, बीमा, पेंशन फंड प्रबंधन, रेलवे, हवाई यात्री सेवा एवं दूरसंचार को शामिल किया गया है।

पीपीआई 109.6 दर्ज किया गया

मई, 2026 के लिए अखिल भारतीय आउटपुट पीपीआई (सभी वस्तुएं) 109.6 दर्ज किया गया, जो अप्रैल में 108.6 था। वहीं, विनिर्माण क्षेत्र के लिए परीक्षण आधार पर जारी इनपुट पीपीआई मई में 104.9 रहा। मंत्रालय ने बताया कि इनपुट पीपीआई को फिलहाल प्रायोगिक आधार पर जारी किया जा रहा है ताकि आंकड़ों की गुणवत्ता का आकलन किया जा सके और हितधारकों से सुझाव प्राप्त किए जा सकें।

थोक मुद्रास्फीति मई में बढ़कर 9.68 प्रतिशत पर

देश में थोक मुद्रास्फीति मई में बढ़कर 9.68 प्रतिशत हो गई, जो अप्रैल में 8.26 प्रतिशत थी। ईंधन व बिजली, विनिर्मित उत्पादों और खाद्य वस्तुओं की कीमतों में तेज वृद्धि इसकी मुख्य वजह रही। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति का मई का यह आंकड़ा 2022-23 आधार वर्ष वाली वर्तमान श्रृंखला में अब तक का सबसे अधिक स्तर है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने आधार वर्ष को 2011-12 से संशोधित कर 2022-23 करने के बाद थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े सोमवार को जारी किए।

चीन ने मस्क को दिया तगड़ा झटका पहला कमर्शियल ब्रेन-चिप किया लांच

एजेंसी ▸▸| बीजिंग

ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस टेक्नोलॉजी को व्यावसायिक बनाने की दौड़ में चीन ने दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क को झटका दिया है। चीन मस्क की 'जीसस-लेवल टेक्नोलॉजी' अपनाने वाली न्यूरालिंक से आगे निकल गया है।

- कंपनी फिलहाल इस चिप का 11 लोगों पर इसका टेस्ट कर रही

चीनी विशेषज्ञों ने सफल क्लिनिकल ट्रायल के बाद दुनिया की पहली व्यावसायिक उपलब्ध ब्रेन चिप को मंजूरी दे दी है। नियो नाम का सिक्के के आकार का इम्प्लांट, कमर्शियल इस्तेमाल के लिए क्लिनिकल टेस्टिंग पास करने वाला पहला सर्जिकली इम्प्लांट ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस (बीसीआई) डिवाइस बना है। फिलहाल 11 लोगों पर इसका टेस्ट चल रहा है।

मस्क की कंपनी को मंजूरी नहीं

रिसर्चर, टेक्नोलॉजी कंपनियां और इन्वेस्टर ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस को इंसानों के मशीनों के साथ बातचीत करने के तरीके में बहुत बड़े बदलाव की शुरुआत के तौर पर देख रहे हैं। यह डेवलपमेंट ऐसे समय हुआ है, जब मस्क की न्यूरालिंक अमेरिका में ह्यूमन ट्रायल कर रही है लेकिन उसे अभी तक कमर्शियल इस्तेमाल के लिए रेगुलेटरी मंजूरी नहीं मिली है।

पहला सर्जिकली इम्प्लांट ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस डिवाइस बनाई

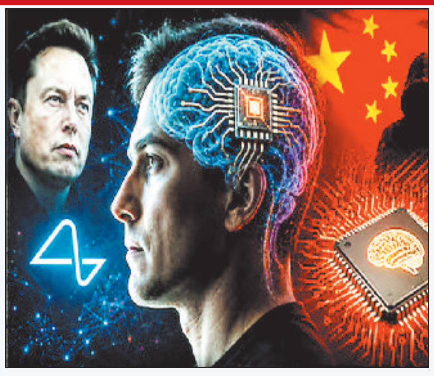

मेडिकल जोखिमों को कम करने में मदद मिलेगी

यह इम्प्लांट दिमाग के सिग्नल को पकड़ता पास के कंप्यूटर पर भेजता है, जहां उन्हें डिजिटल कमांड में बदला जाता है। चीन ने 36 मरीजों पर इस डिवाइस का टेस्ट किया है और अच्छे नतीजे मिले हैं। रिसर्चर्स का मानना है कि कम-इनवेसिव (शरीर में कम छेड़छाड़ वाला) तरीका ब्रेन इम्प्लांट से जुड़े पारंपरिक मेडिकल जोखिमों को कम करने में मदद कर सकता है। न्यूरोलॉजिकल बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को खासतौर से उन लोगों को इसका फायदा होगा, जिन्हें चलने-फिरने और बोलने में दिक्कत होती है। इसका इस्तेमाल लकवा और रीढ़ की हड्डी की चोटों से आगे पार्किंसंस रोग, मिर्गी, स्ट्रोक और डिप्रेशन जैसी स्थितियों में भी हो सकता है।

नर्वस सिस्टम पर कंट्रोल पाने में मदद मिलेगी

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, बीजिंग की सिंघुआ यूनिवर्सिटी और शंघाई की न्यूरालक टेक्नोलॉजी के रिसर्चर्स ने ये (एनईओ) डिवाइस बनाई है। एनईओ का पहला वर्जन स्पाइनल कॉर्ड की चोट और पैरालिसिस से जूझ रहे मरीजों को उनके नर्वस सिस्टम के हिस्सों पर फिर से कंट्रोल पाने में मदद करने के लिए बनाया गया है।

विचारों का इस्तेमाल कर डिवाइस चला सकेंगे

ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस दिमाग से निकलने वाले सिग्नल को डिजिटल कमांड में बदलते हैं, जिनसे कंप्यूटर, डिवाइस या प्रोस्थेटिक्स को कंट्रोल किया जा सकता है। मस्क ने बार-बार इस टेक्नोलॉजी की जिंदगी बदलने की क्षमता पर बात की है।

खाड़ी में शांति की उम्मीद से बाजार दूसरे दिन भी झूमा

मुंबई। अमेरिका-ईरान शांति समझौते पर सहमति बनने से कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट आने और वैश्विक बाजारों में तेजी के बीच घरेलू शेयर बाजार सोमवार को लगातार दूसरे सत्र में बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 736 अंक चढ़ गया जबकि निफ्टी में 231 अंक की तेजी रही। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 736.38 अंक चढ़कर 76,264.33 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,293.12 अंक चढ़कर 76,821.07 अंक तक पहुंच गया था। इसी तरह निफ्टी 231 अंक बढ़कर 23,853.90 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 388.5 अंक चढ़कर 24,011.40 अंक तक चला गया था।

क्रूड आयल पांच प्रतिशत लुढ़का :

इस समझौते के तहत होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने पर सहमति बनी है, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है।

गुमशुदा इंसान की सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे ससुर श्री गोपीराम लहरे पिता स्व. विशालराम लहरे, उम्र 73 वर्ष, सा.ग्राम कचान्दूर (बाजार चौक, वार्ड नं.13) थाना पुलगाँव जिला दुर्ग (छ.ग.) जो मानसिक रोगी है, जिनका हुलिया चेहरा लम्बा, रंग-सांवला, बाल सफेद, कद-5 फिट 7 इंच, शरीर दुबला-पतला, पेन्ट शर्ट पहना हुआ है जो भाषा हिन्दी एवं छत्तीसगढ़ी बोलते है। दिनांक 01.04.2026 से कहीं लापता हो गए है, जिसकी गुमशुदगी रिपोर्ट चौकी जेवरा सिरसा, थाना पुलगाँव जिला दुर्ग (छ.ग.) मे दर्ज कराई गई है। जिस किसी भी व्यक्ति को इस गुमशुदा इंसान की कोई जानकारी मिले तो कृपया थाना पुलगाँव जिला दुर्ग (छ.ग.) अथवा प्रार्थी कौशल्या लहरे सा. ग्राम कचान्दूर (बाजार पारा) जिला दुर्ग (छ.ग.) को मो. 92000-55501 पर सूचित करने का कष्ट करें।

आवेदिका
कौशल्या लहरे, पत्नी नन्द कुमार लहरे
ग्राम कचान्दूर, (बाजार चौक,
वार्ड नं. 13)जिला दुर्ग (छ.ग.)
मो. 92000-55501

रुपया 47 पैसे चढ़कर 94.71 प्रति डॉलर पर

मुंबई। रुपया सोमवार को 47 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.71 (अस्थायी) पर रहा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता होने की घोषणा करने के बाद वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, घरेलू शेयर बाजारों में मजबूत शुरुआत और अमेरिकी डॉलर की कमजोरी ने भी रुपये को समर्थन दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.70 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान डॉलर के मुकाबले 94.45 से 94.77 के दायरे में कारोबार करता रहा।

वैगन आर का फ्लेक्स फ्यूल लांच, ई85 ईंधन पर चलेगी कार

- कार की शुरुआती कीमत 7 .24 लाख रुपए रखी गई
- पेट्रोल कार से 86 हजार रुपए महंगी होगी

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

मारुति सुजुकी ने सोमवार को भारत में पहली फ्लेक्स-फ्यूल कार वैगन-आर बायोफ्लेक्स लांच कर दी है। यह ई85 फ्यूल (85प्रतिशत एथेनॉल मिक्स पेट्रोल) से चलेगी। कार की शुरुआती कीमत 7.24 लाख रुपए रखी गई है और यह दो वैरिएंट में मिलेगी।

ई85 वैगन-आर स्टैंडर्ड मॉडल से 86 हजार रुपए महंगी है। वहीं, कॉमर्शियल सेगमेंट में मिलने वाली टूर एच3 के मुकाबले इसकी कीमत 1.35 लाख रुपए से 2.25 लाख रुपए तक ज्यादा है। वैगन-आर टूर एच3 की कीमत 4.99 लाख से 5.89 लाख रुपए के बीच है। फिलहाल इसे टैक्सी और फ्लीट जैसे कमर्शियल सेक्टर के लोग ही खरीद सकेंगे।

नए ईंधन के लिए कई पार्ट्स में बदलाव हुआ

कार का बाहरी डिजाइन रेगुलर वैगन-आर की तरह ही है, लेकिन ई85 फ्यूल पर चलाने के लिए इसके इंजन और पार्ट्स में तकनीकी बदलाव किए गए हैं। कंपनी ने इसमें अपग्रेडेड फ्यूल इंजेक्टर्स, नया फ्यूल पंप, नई फ्यूल लाइन्स, री-कैलिब्रेटेड ईसीयू और एक स्पेशल एथेनॉल सेंसर लगाया है।

बेरोजगारी दर मई में मामूली रूप से घटकर 5.5 प्रतिशत रही

नई दिल्ली। देश में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों के बीच बेरोजगारी की दर मई, 2026 में मामूली रूप से घटकर 5.5 प्रतिशत रह गई, जो एक साल पहले 5.6 प्रतिशत थी। सोमवार को जारी आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण से यह जानकारी मिली। बेरोजगारी दर सालाना आधार पर भले ही कम हुई है लेकिन अप्रैल, 2026 के 5.2 प्रतिशत के मुकाबले इसमें कुछ बढ़ोतरी हुई है। सर्वेक्षण के मुताबिक, ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी दर मई में बढ़कर 5.1 प्रतिशत हो गई, जो अप्रैल में 4.6 प्रतिशत थी।

पीएनबी, उज्जीवन ने बढ़ाईं एफसीएनआर जमा दरें

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के पीएनबी ने प्रवासी भारतीयों ग्राहकों के लिए विदेशी मुद्रा प्रवासी बैंक (एफसीएनआर-बी) अमेरिकी डॉलर जमा पर ब्याज दरें बढ़ा दी हैं। इस कदम का उद्देश्य प्रवासी भारतीयों को विदेशी मुद्रा में अपनी आय बढ़ाने का अवसर देना तथा विनिमय दर में उतार-चढ़ाव के जोखिम से सुरक्षा प्रदान करना है।

कार्यालय जिला विपणन अधिकारी, छ.ग. राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित कांकेर
G-Mail- dmokanker0@gmail.com, E-Mail - mf_dmo_kanker@nic.in

क्रमांक/विपणन/निविदा/ 440/2026 — **निविदा** — कांकेर, दिनांक 12.06.2026

खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 एवं 2027-28 में धान संग्रहण केन्द्रों में कुशल / अर्धकुशल एवं अकुशल श्रमिक नियोजन हेतु ऑनलाईन ई-निविदा सूचना

छ.ग. राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित जिला कांकेर द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 एवं 2027-28 में धान संग्रहण केन्द्रों में कुशल / अर्धकुशल एवं अकुशल श्रमिक नियोजन हेतु ऑनलाईन ई-निविदा आमंत्रित किया जाता है। निविदा सूचना जेम पोर्टल की वेबसाईट में जाकर इच्छुक निविदाकारों के द्वारा भरा जा सकता है। निविदा बिड संख्या / Bid Number : GEM/2026/B/7635881 निविदा दिनांक 12.06.2026 से 08.07.2026 समय 6:00 बजे तक ऑनलाईन भरी जा सकती है। बी.जी./डी.डी. की मूल निविदा की अंतिम तिथि एवं समय से पूर्व जिला विपणन कार्यालय कांकेर में जमा करना अनिवार्य है।

निविदा प्रारूप तथा शर्तों का अवलोकन जेम पोर्टल की वेबसाईट WWW.GEM.GOV.IN पर निविदाकर्ता के अध्ययन हेतु गाईडलाईन के रूप में उपलब्ध है।

जिला विपणन अधिकारी
उत्तर बस्तर कांकेर

कार्यालय जिला विपणन अधिकारी छ.ग. राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित कांकेर
G-Mail- dmokanker0@gmail.com, E-Mail- mf_dmo_kanker@nic.in

क्रमांक/विपणन/निविदा/441/2026 — **निविदा** — कांकेर, दिनांक 12.06.2026

खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 एवं 2027-28 में बारदाना परिवहन (गोदाम से समिति) कार्य हेतु ऑनलाईन ई-निविदा सूचना।

छ.ग. राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित जिला कांकेर द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 एवं 2027-28 में बारदाना परिवहन (गोदाम से समिति) कार्य हेतु ऑनलाईन ई-निविदा आमंत्रित किया जाता है। निविदा सूचना जेम पोर्टल की वेबसाईट में जाकर इच्छुक निविदाकारों के द्वारा भरा जा सकता है। निविदा बिड संख्या / Bid Number : GEM/2026/B/7634876 निविदा दिनांक 12.06.2026 से 13.07.2026 समय 5:00 बजे तक ऑनलाईन भरी जा सकती है। बी.जी./डी.डी. की मूल प्रति निविदा की अंतिम तिथि एवं समय से पूर्व जिला विपणन कार्यालय कांकेर में जमा करना अनिवार्य है।

निविदा प्रारूप तथा शर्तों का अवलोकन जेम पोर्टल की वेबसाईट WWW.GEM.GOV.IN पर निविदाकर्ता के अध्ययन हेतु गाईडलाईन के रूप में उपलब्ध है।

जिला विपणन अधिकारी
उत्तर बस्तर कांकेर

कार्यालय, नगरपालिका परिषद महासमुन्द जिला - महासमुन्द (छ.ग.)
Tele Phone No-07723-224985, Email ID- nppmahasamund@gmail.com

क्र./ 644 / न.पा./जल.वि./2026-27 — महासमुन्द दिनांक 15/06/2026

जेम पोर्टल बिड आमंत्रण सूचना

नगरपालिका परिषद् महासमुन्द के अधीन शासन के जेम पोर्टल के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु प्लेसमेन्ट (ठेका पद्धिति) के माध्यम से नगर पालिका परिषद महासमुन्द हेतु उच्च कुशल, कुशल, अकुशल एवं अर्द्धकुशल श्रमिको को उपलब्ध कराये जाने हेतु आनलाईन बिड आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्नानुसार हैः-

क्र	बिड संख्या	कार्य विवरण	अनु. लागत राशि	अमानत राशि	बिड की अंतिम तिथि
1	GEM/ 2026/ B /766/ 7665393 Date 15.06.2026	Manpower Outsourcing services Minimum wage- Unskilled: Not Required: othrs, Manpower Outsourcing services - Minimum wage - Semi-skilled: Not required others Manpower outsourcing Services - Minimum wage - Skillex High School others Manpower outsourcing Services Minimum wage Highly Skilled graduate Admin Manpower Outsourcing services Minimum wage - Highly skilled High school others.	28861020.00	144305.00	06.07.2026

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें एवं जानकारी कार्यालयीन अवधि मे कार्यालय से एवं शासन के अधिकृत जेम पोर्टल के वेब साईट पर देखी जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद महासमुंद

पी.एम.श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय पेंटा, सुकमा-1, जिला- सुकमा, छ.ग.(नवोदय विद्यालय समिति का एक इकाई) शिक्षा मंत्रालय, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग
ग्राम : पेंटा, जिला : सुकमा, राज्य : छत्तीसगढ़, पिन - 494122
ईमेल - jnvkontasukma1@gmail.com
CBSE Affil No. 3340024, School No. 19261, UDISE No. 22213410709

F. No.03-15/TENDER/JNVP/2026-27/ — Date :15/06/2026

:: निविदा सूचना ::

सत्र 2026-27 के दौरान पी.एम. श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय पेंटा, सुकमा-1 हेतु विभिन्न भण्डार सामग्री की आपूर्ति जैसे बिस्तर, फर्नीचर, किराना सामग्री, नॉन वेज आइटम, स्टेशनरी, खेलकूद सामग्री, प्रयोगशाला सामग्री, स्काउट एंड गाइड यूनिफॉर्म आदि तथा कार्य जैसे हेयर कटिंग, धुलाई प्रेस इत्यादि संलग्न करने के लिए अधिकृत पंजीकृत डीलर/ निर्माता/ आपूर्तिकर्ता/ कंपनियों से मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र/ दस्तावेज रू.200/- प्रति सेट के हिसाब से विद्यालय के कार्यालय से 16.06.2026 से 27.06.2026 पूर्वाह्न 11:00 बजे तक विद्यालय के नियत तिथि के भीतर कार्यालयीन दिवस में खरीदा जा सकता है। इसके अलावा संबंधित विद्यालय की आधिकारिक ईमेलः jnvkontasukma1@gmail.com पर आग्रह करके भी प्राप्त किया जा सकता है। निविदा प्रपत्र जमा करते समय निविदा प्रपत्र की लागत के रूप में निर्धारित राशि विद्यालय के खाता संख्याः 37243300720, IFSC Code: SBIN0018650 पर रू.200/- प्रति निविदा फॉर्म की राशि जमा करनी होगी। पूर्ण रूप से सीलबंद निविदाएं एवं अर्नेस्ट मनी का डिमांड ड्राफ्ट (प्राचार्य, ज.न.वि. पेंटा, सुकमा -1, छत्तीसगढ़ के पक्ष में) प्राचार्य ज.न.वि. पेंटा, सुकमा -1 के कार्यालय में जमा करने की अंतिम तिथि 27.06.2026 अपराह्न 05:00 बजे तक होगी। सीलबंद निविदाएं भौतिक रूप से या पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट द्वारा भी भेजी जा सकती हैं। निर्धारित तिथि/समय के बाद प्राप्त निविदाओं पर विचार नहीं किया जाएगा। निविदाएं विद्यालय द्वारा दिनांक 29.06.2026 को प्रातः 11:00 बजे क्रय सलाहकार समिति द्वारा प्राचार्य पी.एम. श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय पेंटा, सुकमा -1 के कार्यालय कक्ष में खोली जाएंगी।

प्राचार्य
पी.एम.श्री. स्कूल
जवाहर नवोदय विद्यालय पेंटा, सुकमा -1, छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक
CHHATTISGARH GRAMIN BANK (Scheduled Bank Owned by Government)
क्षेत्रीय कार्यालय- अम्बिकापुर, कुसुमतारा कॉम्प्लेक्स, द्वितीय तल, हनुमान गली, न्यू महामाया रोड, अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.)
Telephone : 6232032901 , 6232033100, Email – adv.ro.amb@cgbank.in

अचल सम्पत्ति ई-नीलामी सूचना : "जहाँ है जैसा है एवं जो कुछ भी है" (नीलामी तिथि 18/07/2026)

अधोहस्ताक्षरकर्ता **छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक** का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13 (2) एवं धारा 13(4) प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम के साथ प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्न दर्शित ऋणी के स्वामित्व वाली सम्पत्ति जिसका अधिग्रहण **छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक** के द्वारा कर लिया गया है, ऋणी से देय राशि वसूली हेतु सम्पत्ति ई-नीलामी, सीलबंद निविदा के रूप में आमंत्रित करता है एवं ऋण ग्रहिताओं को विशिष्टतः और सर्वसाधारण को सामान्यतः एतद द्वारा निम्न वर्णित सम्पत्ति के साथ कोई व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है। सम्पत्तियों के साथ कोई व्यवहार निम्न खाते के सामने वर्णित राशि एवं उस पर ब्याज के लिये **छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक** के प्रभार के अधीन होगा।

ऋणी एवं शाखा की जानकारी	संपत्ति स्वामी का नाम/ संपत्ति का विवरण	मांग सूचना तिथि	कब्जा तिथि/ कब्जा का प्रकार	बकाया राशि	आरक्षित मूल्य	धरोहर राशि/ बोली वृद्धि राशि
शाखाः अंबिकापुर कर्जदार- मेसर्स ऑप्टिमस फ्यूचर केयर (साझेदारी फर्म) अपने भागीदारों के माध्यम से 1. श्री संदीप कुमार गुप्ता पुत्र ईश्वरी प्रसाद गुप्ता 2. श्री रवीन्द्र पाल सिंह छाबड़ा पुत्र संतोष सिंह छाबड़ा	संपत्ति 1. श्री संदीप कुमार गुप्ता पुत्र श्री ईश्वरी प्रसाद गुप्ता के स्वामित्व में प्लॉट नं./खसरा नं. 160/35, प.ह.नं. 21, रा.नि.मं. अंबिकापुर, ग्राम- गंगापुर खुर्द, , तहसील- अंबिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.), क्षेत्रफल- 0.017 हेक्टेयर में स्थित संपत्ति भूमि एवं भवन के समस्त भाग तथा अंश। चौहद्दीः (दिनांक 03.12.2022 के नजरी नक्शे के अनुसार): खसरा नं. 160/35, उत्तर में- सीसी रोड की भूमि, दक्षिण में- प्रभा बाड़ा की भूमि, पूर्व में- मंगलेश्वर की भूमि, पश्चिम में- जान्हवी मोटवानी का मकान।	29/01/2026	18/04/2026 सांकेतिक	₹ 52,24,071.00 (दिनांक 29.01.2026 तक) तथा उक्त तिथि से आगे का ब्याज एवं अन्य प्रभार देय होगा।	संपत्ति क्र.1. ₹ 47,79,405/-	₹ 4,77,941/- ₹ 25,000/-
संपत्ति 2. सरदार रविंद्र पाल सिंह छाबड़ा पुत्र श्री संतोष सिंह छाबड़ा के स्वामित्व में प्लॉट नं./खसरा नं. 1837/5, शीट नं. 04, पताः मोहल्ला- बौरीपारा, अंबिकापुर, तहसील - अंबिकापुर, जिला - सरगुजा (छ.ग.)। प्लॉट क्षेत्रफल 361 वर्ग मीटर में स्थित संपत्ति भूमि एवं भवन के समस्त भाग तथा अंश। चौहद्दीः (दिनांक 26.10.2022 के नजरी नक्शे के अनुसार): खसरा नं. 1837/5, उत्तर में- नजूल भूमि एवं सड़क, दक्षिण में- मीरा जायसवाल की भूमि, पूर्व में- सरदार इंदरपाल सिंह की भूमि, पश्चिम में- सोमराज अग्रवाल की भूमि।					संपत्ति क्र.2. ₹ 1,32,57,864/-	₹ 13,25,786/- ₹ 1,00,000/-
शाखाः गुतूरमा ऋणी- श्री अवधेश कुमार गुप्ता पिता रामदास गुप्ता जमानतदार- 1) श्री चंद्र देव दास पति इंदर दस 2) श्री निरंजन प्रसाद गुप्ता पिता रामदास गुप्ता	मौजा- ख. नं. 65/1 , प.ह.नं. 19 , ग्राम- सलाईनगर, आरआई सर्किल- राजापुर , तहसील- मैनपाट, जिला - सुरगुजा (छ.ग.) कुल क्षेत्रफल : 0.162 हे. (भूमि + भवन) चौहददीः उत्तर- नंदलाल वगैरह की भूमि, दक्षिण- राजापुर गाँव की सीमा रेखा, पूर्व- सीतापुर-कापू रोड, पश्चिम- नंदलाल वगैरह की भूमि।	31/01/2023	07/09/2024 सांकेतिक	₹ 6,65,542.00 (दिनांक 31.01.2023 तक) तथा उक्त तिथि से आगे का ब्याज एवं अन्य प्रभार देय होगा।	₹ 16,29,000/-	₹ 1,62,900/- ₹ 10,000/-
शाखाः पेटला ऋणी- 1) श्री शिव कुमार अग्रवाल पिता श्री श्रीचंद अग्रवाल. संपत्ति स्वामी एवं जमानतदार (1) श्री मोहन अग्रवाल, (2) श्री विनोद अग्रवाल, (3) श्री मनोज कुमार अग्रवाल पिता श्री श्रीचंद अग्रवाल, (4) श्रीमती केशर देवी पति श्री श्रीचंद अग्रवाल, जमानतदार-(5) श्री नारायण नगदेव पिता अमर साय , (6) श्री विद्याधर पैंकरा पिता अभिनाथ पैंकरा .	मौजाः ख. नं.707/2, प.ह.नं. 07, ग्राम- सरगा, आरआई सर्किल- सीतापुर, तहसील- सीतापुर, जिला - सुरगुजा (छ.ग.) कुल क्षेत्रफलः 0.085 हे. (भूमि+भवन) चौहददीः उत्तर- डामर रोड, दक्षिण- जनार्दन पैंकरा की भूमि, पूर्व- कच्ची रोड, पश्चिम- गौकरण पैंकरा की भूमि।	24/05/2024	07/09/2024 सांकेतिक	₹ 5,65,666.00 (दिनांक 24.05.2024 तक) तथा उक्त तिथि से आगे का ब्याज एवं अन्य प्रभार देय होगा।	₹ 19,35,000/-	₹ 1,93,500/- ₹ 10,000/-
शाखाः पेटला ऋणी- 2) श्रीमती बुलबुल अग्रवाल पति श्री नवीन कुमार अग्रवाल संपत्ति स्वामी एवं जमानतदार (1) श्री शिव कुमार अग्रवाल (2) श्री मोहन अग्रवाल, (3) श्री विनोद अग्रवाल, (4) श्री मनोज कुमार अग्रवाल पिता श्री श्रीचंद अग्रवाल, (5) श्रीमती केशर देवी पति श्री श्रीचंद अग्रवाल,		01/05/2024	07/09/2024 सांकेतिक	₹ 6,25,812.00 (दिनांक 01.05.2024 तक) तथा उक्त तिथि से आगे का ब्याज एवं अन्य प्रभार देय होगा।		

ई-नीलामी की शर्तेंः- (1) ई-नीलामी **"जहां है जैसा है एवं जो कुछ भी है"** के आधार पर भार सहित (अगर कोई हो) की जायेगी। बैंक की जानकारी एवं सूचना के अनुसार संपत्ति पर कोई भार नहीं है। भार के विवरण हेतु अधोहस्तारकर्ता से धरोहर राशि जमा करने के पूर्व सम्पर्क करें। नीलामी बैंक द्वारा अधिकृत सेवा प्रदाता की वेबसाइट **www.baanknet.com** के माध्यम से आन लाईन ई-नीलामी की जावेगी। **(2)** आरक्षित मूल्य कम की निविदा/आफर स्वीकार नहीं किये जाएंगे। **(3) संपत्ति निरीक्षण दिनांक 20/06/2026 से 17/07/2026, सुबह** 11.00 से सायं 4.00 बजे तक संबंधित शाखा प्रबंधक की पूर्व अनुमति से किया जा सकता है। **(4)** इच्छुक निविदाकर्ता धरोहर राशि **(EMD)** आरक्षित मूल्य का **10** प्रतिशत का भुगतान डिमाण्ड ड्राफ्ट के माध्यम से, जो कि प्राधिकृत अधिकारी **छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक** के उपरोक्त संबंधित शाखा के पक्ष में देय हो, जो दिनांक **17/07/2026** को सुबह **10.00** बजे से **17/07/2026** सायं बजे **4.00** तक जमा करें अथवा आनलाईन भुगतान आरटीजीएस/एनईएफटी/फण्ड ट्रांसफर के माध्यम से उपरोक्त वर्णित खातों में किया जा सकता है। **(5)** सफल खरीददार के पक्ष में विक्रय की पुष्टि सिक्योर्ड क्रेडिटर की पुष्टि के अधीन होगी। **(6)** ऑन लाईन नीलामी में भाग लेने हेतु इच्छुक बोलीकर्ताओं के पास डिजिटल हस्ताक्षर होना आवश्यक है। डिजिटल हस्ताक्षर प्राप्त करने हेतु सर्विस प्रदाता **M/s PSB Alliance (baanknet), Contact No:: 8291220220, Help Line E-mail ID ::- support.baanknet@psballiance.com, Website: https://baanknet.com** पर जिस दिन धरोहर राशि जमा की हो उसी दिन डिजिटल सिग्नेचर प्राप्त करने हेतु सर्विस प्रदाता से संपर्क करें। इच्छुक निविदाकर्ता से अनुरोध किया जाता है कि वे स्वयं को वेब पोर्टल **www.baanknet.com** में नाम पंजीकृत करवाए और लॉग इन आईडी और पासवर्ड प्राप्त करें। **(7)** ईएमडी जमा करने के पश्चात इच्छुक खरीददार को **दिनांक 17/07/2026** को सायं **5.00** बजे तक या उससे पहले निम्नांकित दस्तावेज अनिवार्य रुप से जमा करना होगा। **अ.** ईएमडी राशि का डिमांड ड्राफ्ट/पे आर्डर या यूटीआर नं. अगर भुगतान आरटीजीएस/एनईएफटी के माध्यम से किया गया हो तो। **ब.** पेन कार्ड की फोटोकापी/पहचान पत्र एवं पते का प्रमाण पत्र। **स.** इच्छुक खरीददार का नाम, सम्पर्क सूत्र एवं ई-मेल आईडी। **द.** इच्छुक खरीददार के बैंक खाते का पूरा ब्यौरा (नीलामी प्रकिया में असफल होने पर टोकन रकम की वापसी)। **(8)** बिक्री की पुष्टि होने पर सफल खरीददार बिक्री मूल्य का **25** प्रतिशत जिसमें ईएमडी के लिए पहले भुगतान की गई रकम भी शामिल है तुरंत जमा करेंगे एवं शेष **75** प्रतिशत राशि का **15** दिन के अंदर भुगतान करेंगे। निर्धारित समयावधि में शेष राशि जमा न करने की स्थिति में बोलीकर्ता द्वारा जमा राशि बिना किसी सूचना के जप्त कर ली जावेगी। **(9)** सफल बोलीकर्ता को स्टाम्प ड्यूटी से संबंधित सभी खर्च/फीस पंजीयन शुल्क ट्रांसफर शुल्क एवं अन्य तात्कालिक खर्चें इत्यादि वहन करने होंगे। **(10)** यहां संपत्ति की विक्रय राशि रु. **50** लाख या उससे ऊपर हो उस परिस्थिति में नीलामी खरीददार को विक्रय राशि का **1** प्रतिशत टी.डी.एस. का भुगतान करना होगा तथा टीडीएस सर्टिफिकेट की मूल प्रति बैंक में जमा करनी होगी। **(11)** अधिक जानकारी हेतु उपरोक्त संबंधित शाखा से सम्पर्क करें या ईमेल करें **eauction@ccsl.co.in** अथवा सर्विस प्रदाता **M/s PSB Alliance (baanknet), Contact No:: 8291220220, Help Line E-mail ID ::- support.baanknet@psballiance.com, Website: https://baanknet.com** पर संपर्क करें।

सूचना- अंतिम मिनिट एवं सेकेण्ड में बिड करने से बचे। छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक एवं सेवा प्रदाता किसी बंद/त्रुटि इंटरनेट बंद/लाईट जाने आदि के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे। इन स्थितियों से बचने हेतु एवं आपातकालीन परिस्थितियों हेतु निविदाकर्ता से निवेदन है कि वे सभी आवश्यक प्रबंध/विकल्प अपने पास रखें। जैसे कि बैकअप पावर सप्लाई आदि जिससे वे ई-नीलामी में सफलता पूर्वक भाग ले सकें। (नोटः नीलामी की प्रक्रिया डीआईसी के नियम एवं शर्तों के तहत होगी।)

उधारकर्ता/गारंटर/बंधककर्ता (यों) का ध्यान सुरक्षित परिसंपत्तियों को छुड़ाने के लिये उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (4) के प्रावधानों के लिये आमंत्रित किया गया है।

दिनांकः 15.06.2026 — प्राधिकृत अधिकारी, छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय- अंबिकापुर

प्रथम पृष्ठ का शेष

नक्सल आतंक का...

गांव तक पहुंचाने में कोई दिक्कत नहीं आएगी और कोई ताकत इसे रोक नहीं सकती। बीजापुर जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने सोमवार को शारदा सिनेमा हॉल में आयोजित जिला संवाद में यह बात कही। उन्होंने कहा कि बीजापुर जिले में नक्सलवाद समेत कई बड़ी चुनौतियां थीं। सबसे बड़ा रोड़ा नक्सलवाद का खात्मा होने से जिले के सभी क्षेत्रों में विकास की गंगा बहेगी। विष्णुदेव साय की सरकार किसी भी क्षेत्र के साथ भेदभाव नहीं करती। यहां के विधायक कांग्रेस के हैं बावजूद विकास के हरेक काम जिले के सभी क्षेत्रों में होंगे।

प्रधान संपादक डॉ हिमांशु द्विवेदी के प्रत्येक सवालों को उन्होंने पूरे आत्मविश्वास के साथ जवाब देते हुए कहा कि इस जिले के युवा उत्साही और उर्जावान हैं जिसका परिणाम इस साल के बोर्ड परीक्षा के परिणाम से दिख रहा है। 10वीं में 96 और 12वीं में 95 प्रतिशत परिणाम रहा। युवाओं को उनकी प्रतिभा के अनुसार उच्च शिक्षा के लिए अवसर देने का काम हमारी सरकार कर रही है। यही कारण है कि बड़े पदों में इस अंचल के गरीब आदिवासी बच्चे पहुंच रहे हैं। विष्णुदेव सरकार ने यह संकल्प दोहराया है कि कोई भी गरीब बच्चा पैसे के अभाव में डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस और अन्य बड़े पदों में जाने से वंचित नहीं रह सकता। यही सोचकर गरीब बच्चों की पढ़ाई का पूरा खर्च और कोचिंग आदि की व्यवस्था की जा रही है।

वनमंत्री केदार कश्यप ने बीजापुर जिले के तेंदूपत्ता को पूरे बस्तर संभाग की तुलना में उच्च क्वालिटी का बताया। नक्सलमुक्त क्षेत्र होने से बीजापुर जिले में 55 प्रतिशत तेंदूपत्ता की तोड़ाई हो सकी। जबकि पिछले सालों में ग्रामीण अंदरूनी क्षेत्रों में जाकर तेंदूपत्ता का संग्रहण नहीं कर पाते थे। बीजापुर जिला भी वनाच्छादित है इसलिए यहां के ग्रामीणों की आजीविका का प्रमुख साधन वनोपज है। सरकार कुटीर उद्योग लगाकर वन उत्पाद को अच्छे क्वालिटी का बनाकर उससे होने वाला लाभ आदिवासियों को देकर उन्हें आर्थिक रूप से सक्षम करने का काम कर रही है। उन्होंने कहा बीजापुर जिले में भी पर्यटन की अपार संभावनाएं है। यहां जंगल सफारी जैसे प्रोजेक्ट शुरू कर फारेस्ट की स्थिति बेहतर करेंगे।

बोधघाट परियोजना पर गंभीर-

वन मंत्री ने कहा कि 1980 में यदि बोधघाट परियोजना शुरू हो जाती तो पूरा बस्तर सिंचाई के मामले में अव्वल रहता। कांग्रेस और अन्य दलों के विरोध को उन्होंने बस्तर विकास विरोधी बताया। साथ ही कहा कि बस्तर में खनिज और वन संसाधन की कोई कमी नहीं है। ऐसे में यदि उद्योग और बड़ी परियोजना नहीं लगेगी तो बस्तर के युवा रोजगार और अन्य अवसरों से वंचित हो जाएंगे। केंद्र और राज्य में हमारी सरकार होने से विकास कार्य तेजी से हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है बस्तर संभाग आदिवासी क्षेत्र के रूप में सर्वाधिक विकसित बनेगा। इसी संकल्प और सोच को राज्य सरकार गंभीरता से लागू कर पूरे राज्य का सर्वांगीण विकास में लगी है।

कोई बाहरी जमीन...

लेकर आरोप लगा रही है। असल में कांग्रेस भाजपा से सीधे लड़ाई लड़ नहीं सकती इसलिए उद्योगपतियों का नाम लेकर सरकार पर कीचड़ उछालने का काम कर रही है जिसे जनता भली भांति समझ रही है।

घर की बिजली...

यूनिट तक की खपत पर 7.30 रुपए को बढ़ाकर 7.60 रुपए किया गया है। 401 अधिक यूनिट पर 8.70 रुपए को 9.10 रुपए किया गया है। कृषि वर्ग के उपभोक्ताओं की बिजली 5.80 रुपए से बढ़ाकर 6.20 रुपए कर दी गई है। कृषि संबंधी अन्य कार्यों की बिजली को 25 एचपी तक 5.80 रुपए से बढ़ाकर 6.10 रुपए कर दिया गया है। इसी के साथ 25 से 150 एचपी तक के कनेक्शनों के लिए 6.35 रुपए की दर को 6.65 रुपए कर दिया गया है।

उद्योगों को भी झटका -

निम्न दाब के उद्योगों को 25 एचपी तक के कनेक्शनों के लिए 5.05 रुपए को 5.35 रुपए, 25 एचपी से अधिक की दर 6.80 रुपए से बढ़ाकर 7.10 रुपए कर दी गई है। सरगुजा और बस्तर विकास प्राधिकरण में आने वाले उद्योगों की दरों में भी 30 पैसों का इजाफा किया गया है। एचटी वर्ग के उद्योगों की दरों में भी इजाफा किया गया है। रेलवे की दर को 5.55 रुपए से बढ़ाकर 5.90 रुपए किया गया है। 220 केवी के उपभोक्ताओं के लिए 6.95 रुपए से बढ़कर दर 7.25 रुपए हो गई है। 132 के उद्योगों के लिए अब 7.10 रुपए के स्थान पर 7.40 रुपए, 33 केवी के उपभोक्ताओं के लिए 7.50 रुपए के स्थान पर 7.80 रुपए लगेंगे।

400 यूनिट की खपत पर 140 रुपए का ज्यादा -

आम उपभोक्ताओं की हर माह की खपत को चार सौ यूनिट तक माना जाता है। ऐसे में वर्तमान टैरिफ में 400 यूनिट की खपत पर टैरिफ में 1950 रुपए लगते हैं। अब इसमें 140 रुपए का इजाफा हो जाएगा और 2090 रुपए लगेंगे। इसमें अन्य प्रभार अलग से लगेंगे। जैसे प्रति किलो वाट के 20 रुपए हर माह लगते हैं। जितने किलो वाट का कनेक्शन रहता है, उतना पैसा लगता है। इसके अलावा प्रति यूनिट पर दस पैसे शेष लगता है। 11 प्रतिशत शुल्क विधुत प्रभार का लगता है। एफपीपीएएस शुल्क भी हर माह लगता है जो हर माह बदल जाता है।

लागत में वृद्धि...

से 600 यूनिट तक खपत करने वालों के लिए 40 पैसे प्रति यूनिट तथा 600 यूनिट से अधिक खपत पर 50 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि निर्धारित की गई है। राज्य के लाखों परिवारों पर बढ़े हुए टैरिफ का वास्तविक प्रभाव केवल 15 से 20 पैसे प्रति यूनिट के आसपास होगा। टैरिफ वृद्धि करते समय आयोग ने आम जनता और निम्न आय वर्ग के हितों का ध्यान रखा है। सरकार की मुख्यमंत्री ऊर्जा राहत योजना के तहत 400 यूनिट तक बिजली उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं को 200 यूनिट तक की खपत पर आधा बिजली बिल देने की सुविधा मिल रही है। ऐसे में बड़ी संख्या में निम्न एवं मध्यम आय वर्ग के परिवारों पर वास्तविक अतिरिक्त भार अपेक्षाकृत कम रहेगा। अनुमान है कि इन उपभोक्ताओं के बिल पर प्रभाव औसतन केवल 15 से 20 पैसे प्रति यूनिट के बराबर होगा।

इसी प्रकार 201 से 600 यूनिट तक बिजली उपयोग करने वाले कई उपभोक्ता पीएम सूर्यघर योजना के तहत रूफटॉप सोलर संयंत्र लगाकर अपनी ग्रिड आधारित खपत 400 यूनिट के भीतर कर रहे हैं। ऐसे उपभोक्ताओं पर भी बढ़ोतरी का प्रभाव बहुत ही कम होने की संभावना है।

गैर-घरेलू श्रेणी के उपभोक्ताओं की बिजली दरों में औसतन 20 से 40 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि की गई है। वहीं कृषि पंपों के लिए दरों में 40 पैसे प्रति यूनिट की बढ़ोतरी घोषित की गई है। हालांकि कृषि उपभोक्ताओं को राज्य सरकार द्वारा दी जा रही सब्सिडी के कारण इस वृद्धि का सीधा प्रभाव किसानों पर नहीं होगा।

उच्च दाब (एचटी) श्रेणी के औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए भी बिजली शुल्क में संशोधन किया गया है। 220 केवी और 132 केवी श्रेणी में ऊर्जा प्रभार में 30 पैसे प्रति यूनिट तथा डिमांड चार्ज में 25 रुपये प्रति केवीए की वृद्धि की गई है। 33 केवी श्रेणी में 40 पैसे प्रति यूनिट और 11 केवी श्रेणी में 30 पैसे प्रति यूनिट की बढ़ोतरी लागू होगी।

स्कूल चलें हम...

बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। इस अभियान का उद्देश्य प्रत्येक बालक-बालिका का विद्यालय में प्रवेश तथा नियमित अध्ययन सुनिश्चित करना है। वहीं, शासकीय विद्यालयों में प्रवेशोत्सव की तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। जन प्रतिनिधियों के साथ-साथ पालकों को भी आमंत्रित किया जा रहा है ताकि बच्चों की शिक्षा को लेकर जागरुकता विकसित हो सके।

इस सत्र से 150...

पाठ्यपुस्तकें, गणवेश तथा बालिकाओं के लिए सरस्वती साइकिल जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, ताकि कोई भी बच्चा आर्थिक कारणों से शिक्षा से वंचित न रहे।

विधानसभा का मानसून...

करेगी। विपक्ष कई मुद्दों पर सरकार को सदन में घेरेगा। विधानसभा सचिव दिनेश शर्मा की ओर से जारी आदेश के अनुसार, मानसून सत्र 13 जुलाई से शुरू होकर 17 जुलाई तक चलेगा। सत्र के दौरान प्रश्नोत्तर काल के साथ विभिन्न शासकीय कार्यों पर चर्चा और निर्णय होंगे।

पक्ष और विपक्ष...

दाम सहित बिजली के दामों में वृद्धि, राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति सहित कई मुद्दे सदन में उठाएगा।

हवाई यात्रियों पर...

यात्रियों को सफर के दौरान 15 किलो तक लगेज फ्री ले जाने की सुविधा होती है और उससे ज्यादा वजन पर शुल्क देना होता है। हवाई यात्रा करने वालों के फेयर में उतार-चढ़ाव होना तो आम बात है, मगर इसके अलावा लिए जाने वाला शुल्क अतिरिक्त बोझ के रूप में सामने आता है। सर्वाधिक घरेलू विमान सेवा का संचालन करने वाली इंडिगो ने अपने लगेज शुल्क में बढ़ोतरी की है। यानी यात्रा के दौरान तय क्षमता से ज्यादा सामान ले जाना यात्रियों की जेब पर सीधे असर डाल सकता है। व्यास ट्रैवल्स के संचालक कीर्ति व्यास ने बताया कि 15 किलो के बाद अतिरिक्त तीन किलो लगेज के लिए 975 रुपए शुल्क देना पड़ता था। अब इसके लिए 1650 रुपए चुकाने होंगे। इसी तरह बैग का वजन बढ़ने के साथ उसके शुल्क की दरों में भी बदलाव होता जाता है। घरेलू विमानों के साथ इंटरनेशल फ्लाइट में भी यात्रा करने वालों पर भी लगेज शुल्क का भार छह महीने बाद बढ़ा है। रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट से इंटरनेशनल फ्लाइट संचालित नहीं होती, मगर घरेलू उड़ानों की संख्या 30 से अधिक है।

स्कूलों में झरिया...

है। जिले में कहीं भवन जर्जर हैं, कहीं बिजली नहीं है, कहीं शौचालय नहीं हैं तो कहीं कक्षाएं आंगनबाड़ी सामुदायिक भवन अथवा ग्रामीणों के घरों में संचालित हो रही हैं। 16 जून से जिले के 1417 स्कूलों के 90 हजार से अधिक विद्यार्थी इन्हीं हालात के बीच पढ़ाई शुरू करेंगे।

विशेष पिछड़ी जनजाति कमार और भुंजिया समुदाय की बड़ी आबादी वाले गरियाबंद जिले के वनांचल और दूरस्थ क्षेत्रों के विकासखंडों में बुनियादी सुविधाओं का गंभीर संकट बना हुआ है। मैनपुर विकासखंड के 283 स्कूलों में 22 हजार 977 बच्चे अध्ययनरत हैं। इनमें 36 स्कूल अत्यंत जर्जर स्थिति में हैं। प्राथमिक शाला पथर्री, टुहामेटा, नागेश और छोटे गोबरा में आज भी खपरैल युक्त भवनों में कक्षाएं संचालित हो रही हैं। प्राथमिक शाला ताराझार, कुरुवापानी, भालूडिग्गी और मटाल में बच्चों के लिए पेयजल की कोई व्यवस्था नहीं है। इन स्कूलों में झरिया का पानी लाकर मध्यान्ह भोजन बनाया जाता है और बच्चे भी उसी पानी से प्यास बुझाते हैं।

गरियाबंद विकासखंड के 310 स्कूलों में 16 हजार 908 बच्चे अध्ययनरत हैं। यहां 62 स्कूलों के शौचालय जर्जर हैं तथा 22 स्कूलों की बिजली व्यवस्था बंद पड़ी है। भौदी, कुकराल, ओढ़, आमामोरा, जौबपारा, नगरार, अमलोर और हथौड़ाडीह के स्कूलों तक अब तक बिजली नहीं पहुंची है। वहीं चार स्कूलों में गांव में बिजली होने के बावजूद कनेक्शन नहीं लग पाया है। प्राथमिक शाला नगरार, कुकरार, पंडरीपानी, रामपुर और गोडलबाय में स्कूल भवन नहीं होने के कारण कक्षाएं ग्रामीणों के घरों अथवा सामुदायिक भवनों में संचालित की जा रही हैं।

अमेरिका-ईरान में...

पोस्ट में ट्रंप ने स्पष्ट किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य शुक्रवार को समझौते पर आधिकारिक हस्ताक्षर होने के बाद ही खोला जाएगा। यह समझौता ऐसे दिन हुआ जब ट्रंप अपना 80वां जन्मदिन मना रहे थे। इस शांति समझौते को अंतिम रूप दिये जाने के साथ ही युद्ध और कूटनीति से भरे एक उथल-पुथल भरे हफ़्ते का समापन हुआ; इस दौरान अमेरिका ने ईरान पर हमले किए और अमेरिकी राष्ट्रपति ने आखिरी समय पर इस्लामी गणराज्य के तेल निर्यात केंद्र, खार्ग द्वीप पर कब्जा करने की अपनी धमकी वापस ले ली। ट्रंप ने कहा, यह समझौता पूरे क्षेत्र में शांति और सुरक्षा लाएगा। मुझसे पहले कई राष्ट्रपतियों ने ईरान के साथ शांति स्थापित करने की कोशिश की, लेकिन सभी विफल रहे। उन्होंने कहा, क्षेत्र के नेताओं को पहली बार ऐसा राष्ट्रपति मिला है, जो उन्हें वास्तविक शांति दिलाने में मदद कर सकता है। शुक्रवार को हुए समझौते के बाद जलडमरूमध्य के खुलने और बारूदी सुरंगें हटाने का काम शुरू होने से, इस क्षेत्र और दुनिया के लिए फिर से तेल की आपूर्ति शुरू हो जाएगी। इस बीच, इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने कहा कि इजराइली सेना दक्षिणी लेबनान में बनी रहेगी। स्थानीय मीडिया की खबर के अनुसार, उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अगर ईरान हमला करता है, तो इजराइल ईरान पर "जबर्दस्त ताकत" से हमला करेगा। सरकारी समाचार एजेंसी 'इरना' की खबर के अनुसार, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि समझौते को लागू करने और लेबनान पर इजराइली हमलों को पूरी तरह रोकने के लिए अमेरिका जिम्मेदार है। ईरान के उप-विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने पुष्टि की कि हस्ताक्षर समारोह शुक्रवार को होना है, जिसके बाद धीरे-धीरे इस समझौते को लागू करने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। उन्होंने कहा कि समझौते के तहत ईरान की प्रतिबद्धताएं पूरी तरह से शर्तों और आपसी लेन-देन पर आधारित हैं। उन्होंने आगे कहा कि ईरान के कदम दूसरे पक्ष द्वारा दिखाए गए अनुपालन के स्तर के अनुरूप ही होंगे। गरीबाबादी ने कहा कि समझौते पर हस्ताक्षर के बाद 60 दिनों तक बातचीत चलेगी, जिसमें मुख्य रूप से परमाणु मुद्दे और प्रतिबंध हटाने पर ध्यान दिया जाएगा; इन प्रतिबंधों में एकतरफा, द्वितीयक और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध शामिल होंगे। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने कहा, गहन बातचीत के बाद, हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता हो गया है। अमेरिका और ईरान के बीच समझौते के लिये हो रही बातचीत में पाकिस्तान प्रमुख मध्यस्थ बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने लेबनान समेत सभी मोर्चों पर सैन्य अभियानों को तुरंत और स्थायी रूप से खत्म करने की घोषणा की है। शरीफ ने संघर्ष का कूटनीतिक समाधान खोजने की प्रतिबद्धता के लिए अमेरिका और ईरान का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कतर, तुर्किये और सऊदी अरब की भी उनके समर्थन के लिये सराहना की। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, अब जबकि समझौता हो चुका है, मध्यस्थ इस सप्ताह कई बैठकों का आयोजन करेंगे। कार्यान्वयन-पूर्व ये चर्चाएं तकनीकी वार्ताओं और आधिकारिक हस्ताक्षर समारोह का आधार तैयार करेंगी। बाद में पाकिस्तानी संसद के निचले सदन नेशनल असेंबली को जानकारी देते हुए शहबाज ने अमेरिका-ईरान समझौते को शांति की दिशा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर बताया। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने समझौते का स्वागत करते हुए इसे संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस, अमेरिकी सांसदों और कई पाकिस्तानी नेताओं ने इस समझौते की घोषणा का स्वागत किया। रविवार को 'फॉक्स न्यूज' पर वेंस ने ईरान के साथ हुए समझौते को अमेरिका के लिए एक बड़ा पल बताया, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि अभी और काम करने की जरूरत है। भारतीय-अमेरिकी सांसद रो खन्ना ने भी इस खबर का स्वागत किया और कहा कि इसमें अमेरिका और ईरान की संप्रभुता के आपसी सम्मान का प्रावधान शामिल है। इस घोषणा का स्वागत करते हुए, पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने इसे बहुपक्षवाद को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

कहीं खुले आसमान...

ग्राम पंचायत के पहाड़ी के ऊपर बसे आश्रित ग्राम ताराझर, कुर्वापानी, मटाल, भालूडिग्गी में 15 से 20 वर्ष पहले प्राथमिक स्कूल तो खोला गया है लेकिन भवन का निर्माण आज तक नहीं किया गया है, जिसके कारण खुले आसमान के नीचे या फिर झोपडी में पढ़ने को विवश हैं।

ताराझर प्राथमिक शाला लगती है झोपडी में-

कुल्हाडीघाट ग्राम पंचायत से लगभग 20 किलोमीटर दूर ताराझर पहाड़ी के ऊपर बसा है। यहां प्राथमिक शाला में कुल 21 बच्चे पिछले सत्र में अध्यनरत थे और स्कूल भवन निर्माण कार्य पिछले 15 से 18 वर्षों से अधूरा पडा हुआ है, स्कूल भवन निर्माण कार्य लेंटर लेवल तक करने के बाद अधूरा छोड दिया गया है। ऐसा क्यों हुआ, यह न तो स्थानीय शिक्षा विभाग के अधिकारी कुछ बता पा रहे हैं और न ही सबंधित निर्माण एजेंसी।

कुर्वापानी और भालूडिग्गी में रसोइया के घर के आंगन में स्कूल-

कुल्हाडीघाट पंचायत का ही आश्रित ग्राम कुर्वापानी और भालूडिग्गी प्राथमिक शाला भवन आज तक नहीं बना। स्कूल भवन के लिए राशि जारी होने के बाद भी बच्चों को स्कूल भवन नहीं बना तो मध्यान्ह भोजन बनाने वाले रसोइया के घर के आंगन में स्कूल की कक्षाएं संचालित हो रही है।

शाम को साथ...

का लग रहा है, लेकिन असल सच पोस्टमार्टम रिपोर्ट और गहन जांच के बाद ही बाहर आएगा। दिल को झकझोर देने वाली इस घटना के शिकार बुजुर्ग दंपति की पहचान नंदकुमार साहू (70 वर्ष) और उनकी पत्नी सुशीला बाई साहू (65 वर्ष) के रूप में हुई है। ग्रामीणों से मिली जानकारी के मुताबिक रविवार की शाम करीब 7 बजे दोनों बुजुर्गों ने घर पर सामान्य रूप से भजिया का नाश्ता किया था और वे पूरी तरह ठीक लग रहे थे। आशंका जताई जा रही है कि देर रात किसी वक्त दोनों ने यह आत्मघाती कदम उठाया होगा। मामले की सूचना मिलते ही कुरुद थाना प्रभारी अवधराम साहू अपनी पूरी टीम के साथ बिरेतरा पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल को सील कर बारीकी से निरीक्षण किया और आवश्यक साक्ष्य जुटाए। इसके बाद दोनों शव को फंदे से नीचे उतारकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी की गई और पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया।

सरपंच के बेटे...

के ग्राम पंचायत लिमतरा में प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के तहत निर्मला घाट व नाली निर्माण के लिए 20 लाख रुपए स्वीकृत हुआ है। इस राशि में से 8 लाख का चेक जनपद पंचायत सक्ती से जारी हो चुका है। शेष 12 लाख रुपये का चेक जारी कराने के लिए सरपंच का बेटा अरुण भारद्वाज कई बार जनपद कार्यालय पहुंचा, लेकिन उसे घुमाया जाता रहा। बाद में सीईओ जनपद पंचायत सक्ती निखिल कश्यप और बाबू अविनाश ठाकुर ने चेक जारी करने के एवज में 2 लाख रुपये कमीशन की बात बोलकर रिश्वत की मांग की। अरुण भारद्वाज ने रिश्वत देने की बजाए एसीबी में शिकायत कर दी। शिकायत प्राप्त होने पर एसीबी ने उसका सत्यापन कराया। सत्यापन के दौरान 1 लाख रुपये क्लर्क अविनाश ठाकुर द्वारा अपने कार्यालय के भृत्य लच्छन के माध्यम से पूर्व में ही ले लिया गया था। शेष बची राशि 1 लाख रुपये को देने के लिए एसीबी ने जाल बिछाकर अरुण भारद्वाज को जनपद कार्यालय सक्ती भेजा। सीईओ निखिल कश्यप द्वारा रिश्वत राशि 1 लाख रुपए को बाबू अविनाश ठाकुर को लेने के लिए कहा गया।

हाईकोर्ट ने कहा-...

भीतर उसे आरोप पत्र नहीं सौंपा जाता है या उसके निलंबन की अवधि को कानूनी रूप से आगे नहीं बढ़ाया जाता, तो ऐसा निलंबन कानूनन स्वतः ही समाप्त माना जाएगा। छत्तीसगढ़ उत्तर बस्तर कांकेर के आरईएस कॉलोनी निवासी एमके. खरे को लोक निर्माण विभाग में पदस्थापना के दौरान राज्य शासन ने 9 जनवरी 2026 को एक आदेश जारी कर निलंबित कर दिया था। निलंबन की कार्रवाई के बाद तय समय-सीमा बीत जाने के बाद भी विभाग द्वारा उन्हें चार्जशीट नहीं दी गई और ना ही निलंबन बढ़ाने का कोई आदेश जारी किया गया। एमके खरे ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की और निलंबन समाप्त करने की मांग की। याचिका की सुनवाई जस्टिस बीडी गुरु के सिंगल बेंच में हुई।

संचिता ने किया...

शॉकिंग बात ये है कि 2020 में इसी तारीख को सुशांत सिंह राजपूत की भी मौत हुई थी। संचिता टीवी और फिल्मों, दोनों में अपने किरदारों के लिए जानी जाती थीं। उन्होंने विक्की कौशल की फिल्म 'छावा' में काम किया था. वो ताराबाई के रोल में नजर आई थीं। सबसे चौंकाने वाली बात है संचिता का आखिरी इंस्टा पोस्ट। मौत से 19 घंटों पहले एक्ट्रेस ने इंस्टा पर एक रील वीडियो पोस्ट किया था। इसमें वो हंसती और चहकती हुई दिखी थीं। ये वीडियो देखकर अंदाजा लगा पाना मुश्किल है कि एक्ट्रेस कभी सुसाइड जैसा कदम उठा सकती थी। वीडियो में संचिता कैमरा हाथ में पकड़े हुए दिखती हैं। उनके चेहरे की मुस्कुराहट के पीछे किस बात का दर्द छिपा था, ये जानने की कोशिश पुलिस कर रही है। कैप्शन में संचिता ने लिखा- मैं नाचूं तू नाचा। इंस्टा पर संचिता के 139के फॉलोअर्स थे। उनके इंस्टा अकाउंट को देखकर समझ आता है कि वो जिंदादिल, हंसने मुस्कुराने और बिंदास रहने वाली थीं। सोशल मीडिया पर फैंस और सेलेब्स एक्ट्रेस को नम आंखों से विदाई दे रहे हैं।

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं
• लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग
• हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी
• कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग
• बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड
• बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744225

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

घमंडी - दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा
सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों और सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्कुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिबाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है।

गैस आउट सिरप
गैस, अरुचि, कब्ज़, अफरा, अपचन में तुरंत असरकारक नैचुरल आयुर्वेदिक है
सुगर के मरीज भी ले सकते हैं...
HMS देखकर खरीदें
एक बार उपयोग कर देखें
94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है-तृप्ति रेस्टोरेंट मंगला चौक बिलासपुर मे काम करने हेतु इंडियन कुक, हेल्पर, सप्लायर एवं बाई की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 83195 29383 (41150)

आवश्यकता है-घर में खाना बनाने हेतु महिला की आवश्यकता है। समय-सुबह 8.30 बजे स्थान- प्रियदर्शनी नगर बिलासपुर सम्पर्क करें- 9425899221 (41145)

आवश्यकता है-होटल में वेटर (सप्लायर) चाइनीज कुक, किचन हेल्पर, कैप्टन, युवक, युवतियां अनुभवी/ फ्रेशर दोनों को प्राथमिकता आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें-93402 29293 (41149)

आवश्यकता है-बिलासपुर जिले के सभी ब्लाक मे गृह उद्योग संचालिका चाहिये 30000 से 45000 रूपये महीना आय। खुद के घर में खाली 1 हाल हो और जो लागत राशि सिक्यूरिटी (अमानत) तौर पर जमा कर सके वह ही सम्पर्क करें- राधाकृष्ण सेवा संस्थान बिलासपुर/ रायपुर 81091 00493 (41151)

आवश्यकता है-सेनेटरी शोरूम में अनुभवी हेल्पर, सेल्समेन, एकाउण्टेंट, मार्केटिंग कार्य हेतु युवको की। आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- श्रीबजाज ट्रेडर्स सीएलसी प्लाजा के सामने मंगला चौक रिंग रोड नं.-2 बिलासपुर 7000727385 (41142)

आवश्यकता हैं
घर में खाना बनाने एवं अन्य घरेलू कार्य (ऊपरी काम) के लिए 2 महिला/लड़की की आवश्यकता है।
कार्य समय
पहली शिफ्ट- सुबह 8बजे से शाम 5बजे तक
दूसरी शिफ्ट- शाम 5बजे से रात 9बजे तक
कार्य विवरण
घर का भोजन तैयार करना,रसोई एवं घर के सामान्य घरेलू कार्यों में सहयोग, साफ सफाई एवं व्यवस्था का ध्यान रखना।
इच्छुक महिला/ लड़की शीघ्र सम्पर्क करें
नर्मदा नगर, मंगला चौक के पास बिलासपुर
मो.-9827166239

आवश्यकता है-दवाई दुकान में ड्राइवर कि आवश्यकता है जो ऑटोमैटिक Desire और WagonR चला सके सम्पर्क करें- 9893285943 9229858916 (41146)

आवश्यकता है-होटल नटराज में कार्य हेतु अनुभवी हाउस कीपिंग स्टाफ की आवयश्कता है इ्यूटी टाइम 1बजे से 10बजे तक वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- अग्रसेन चौक लिंक रोड बिलासपुर 99778 61508 (41147)

आवश्यकता है-दुकान में काम करने हेतु लड़को आवश्यकता है वेतन योग्यता आनुसार सम्पर्क करें- ओम एजेन्सी बाल्मीकि चौक शनिचरी बाजार बिलासपुर (41148)

आवश्यकता है-टू व्हीलर शोरूम में आवश्यकता है एकाउटेंट, सेल्स मैनेजर, सेल्स आफिसर्स, सर्विस टेक्नीशन, पार्टस मैनेजर, वाशिंग बॉय सम्पर्क करें- बिलासपुर 9669015575, 8878073373 (41135)

आवश्यकता है-Ocean Company में ऑफिस हेतु 10वीं से ग्रेजुएट लड़के, लड़कियां चाहिए उम्र 18 से 28, आय 10500-18000+ रहना, खाना सम्पर्क करें- न्यू बस स्टैण्ड तिफरा बिलासपुर 8818877406, 9644433021, 07752-337082 (41143)

आवश्यकता है-परसदा (भरनी) में बिल्डर के नेतृत्व में मकान बनाने (सिविल कार्य) हेतु ठेकेदार की आवश्यकता है जिसके पास स्वयं की सेंट्रिंग हो, लेआउट डालना आता हो सम्पर्क करें- 9827404638, 90391 04638 (41140)

आवश्यकता है-सरकण्डा, बंगालीपारा, बिलासपुर में सुबह एवं शाम को घर में खाना बनाने (कुकिंग) कार्य हेतु एक महिला की आवश्यकता है मासिक सैलरी योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- 6263878816 (41118)

आवश्यकता है- अनुभवी कार ड्राइवर की जरूरत है जो सभी कार चलाने में सक्षम हो, (मैन्युअल, ऑटोमेटिक) शाकाहारी को प्राथमिकता मासिक पेमेन्ट योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- बिलासपुर 9301922223 (41139)

आवश्यकता है- होटल के लिए एक सुपरवाइजर, एक चौकीदार, ऑफिस में कार्य करने हेतु दो लड़कों एवं दो ड्राइवर की आवश्यकता है, सम्पर्क करें- राजेश गुप्ता मंगला चौक, बिलासपुर 7697041000, 94060 41000 (41137)

आवश्यकता है-एजाक्स ऑपरेटर की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 95890 00659 (41144)

आवश्यकता है- रिसेप्शनिस्ट (लड़की) एवं सुरक्षा गार्ड की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- एक्समैन सिक्यूरिटी सर्विस वैशाली टावर हेमू नगर बिलासपुर 9827152819, 97547 13125 (41138)

आवश्यकता है-होल सेल मेडिकल दुकान में कार्य करने हेतु लड़कियों एवं लड़के की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- सरस्वती मेडिकल एजेन्सी, 52 मेडिकल काम्पलेक्स, अजीत होटल के पीछे, तेलीपारा, बिलासपुर 98271 77377 (41123)

आवश्यकता है-अनुभवी दो ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार, ड्राइविंग लाइसेन्स के साथ सम्पर्क करें- जुनेजा आई हॉस्पिटल तृतीय तल अपोलो सिटी सेन्टर के ऊपर सीएमडी चौक बिलासपुर 7389159805, 73895 04106 (41130)

आवश्यकता है- ऑटोमैटिक गाड़ी चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर, घरेलू कार्य हेतु लड़की/ महिला चाहिए। रहने, खाने की सुविधा। सम्पर्क करें- रेणुका डायग्नोस्टिक सेन्टर, महाराणा प्रताप चौक, रिंग रोड नं-2, बिलासपुर 62605 93057, 7000549541 (41122)

आवश्यकता है-होलसेल मेडिकल में बाहर लाइन पर जाकर आर्डर बुकिंग, पेमेन्ट कलेक्शन हेतु अनुभवी सेल्समैन स्वयं की बाइक अनिवार्य, वेतन 12000-15000+ एक्सपेंस। मिलें- नितिन मेडिकल एजेन्सी- 34, मेडिकल काम्पलेक्स, तेलीपारा, बिलासपुर 98274 97711 (41093)

आवश्यकता है-भर्ती सेल्समैन (स्पेयर पार्ट्स) हमें टूव्हीलर स्पेयर पार्ट्स बैकग्राउंड वाले सेल्समैन की आवश्यकता है ऑटोमोबाइल स्पेयर पार्ट्स के अनुभवी उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी। कार्य क्षेत्र- बिलासपुर, रायगढ़, कोरबा, अम्बिकापुर एवं आसपास के क्षेत्र। इच्छुक उम्मीदवार सम्पर्क करें- 9755585791, 98931 03893 (41124)

आवश्यकता है-रायगढ़ एवं रायपुर की फैक्ट्रियों हेतु सिक्योरिटी गार्ड, सिक्योरिटी सुपरवाइजर एवं फील्ड ऑफिसर की आवश्यकता है। वेतन- 15000 से 18000 प्रतिमाह, PF, ESIC रहने-खाने की व्यवस्था उपलब्ध सम्पर्क करें- 9201958117, 8109080600 (855)

आवश्यकता है-जिला स्तरीय कंपनी में भर्ती परमानेंट बेसेस पर पद- फॉरेस्ट गार्ड, क्लर्क, वन पाल, चपरासी, हेतु आवेदन करें 10वी, 12वी पास लड़के लड़कियां, उम्र सीमा 18 से 42) सैलरी- 26500 से 45500 आवेदन हेतु मार्क शीट, आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो, व्हाट्सएप/ कॉल करे-9129993295 (081)

Wanted- Pareeksha Academy Hiring 3 Telecallers (Salary 8000 to 12000 Per Month) 3 Marketing Executives (Salary 10000 to 14000 Per Month) Add- Lath Towers, Near KIMS Hospital, Magar para Road, Bilaspur 7773899997 (41131)

बेचना

बेचना है-आदिवासी प्लॉट बेचना है नेचर सिटी उसलापुर मुंगेली रोड में प्लॉट साईज 1300 एवं 3000 वर्गफुट टीएनसी एप्रूव्ड विजिट सुबह 8बजे से दोपहर 3बजे तक। सम्पर्क करें- 7067627828 (41120)

बेचना है-बिलासपुर से 8 किलोमीटर के दूरी पर कोनी के आगे निरतु में घुटकु के पहले रोड के ऊपर 900 फिट फ्रंट के साथ 9 एकड़ की भूमि एक चक में है जिसको तत्काल बेचना है एक चक एवं टुकड़ो में जमीन उपलब्ध है जमीन पूरी तरह से निर्विवाद है इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें- 8770753891, 9644880000, 9399 348327 (41128)

किराया

किराया-सिरगिट्टी में बन्नाक चौक के पास 11000 वर्गफीट का जिसमें 4000 वर्गफुट में गोडाउन, आफिस, स्टाफ रूम उपलब्ध है फैक्ट्री या गोडाउन हेतु। किराया 45000 एडवांस 3लाख सम्पर्क करें- 7067627828 (41121)

फाइनेन्स

फाइनेन्स-बंधना फाइनेन्स द्वारा दुकानदार, होलसेल, कृषि लोन, ग्रुप लोन, बिजनेस लोन 2% ब्याज में। 25000 से 30 लाख तक लोन वीकली या मंथली आसान किश्तों में। सम्पर्क करें-9770833099 (4560)

फाइनेन्स-कुबेर फाइनेन्स मुद्रा योजना अंतर्गत पूरे छत्तीसगढ़ मे लोन सिर्फ आधार कार्ड पर 50000 से 15लाख तक, 1% ब्याज वार्षिक प्रॉपर्टी, पर्सनल, ग्रुप लोन, सिविल खराब लोन पाए सम्पर्क करें- 88826 27857 (4347)

शैक्षणिक

प्रवेश प्रारंभ-फेल विद्यार्थी समय बचाए पत्राचार, ओपन प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी पास करे-B.A, B.Com, B.Sc, BCA, MCA, BBA, M.A M.Com, M.Sc, MBA, MSW, B.Lib, M.Lib, DCA, PGDCA Polytechnic B.Tech, अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करे सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा सम्पर्क करें- Bharti Education Academy Sector-6 Bhilai 9826196515, 9826896515 (4154)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Medicare Specialists
छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।
18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230

शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:-	मो. 9993567380, 8770837744
एड प्रयास:-	मो. 9826701269, 9926003943
श्यामनानी एडवरटाईजर्स:-	मो. 9827168452, 9300625174
रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:-	मो. 9826129386, 8319503386
जे.जे. एडवरटाइजर्स:-	मो. 9300659628
रौनक पब्लिसिटी:-	मो. 9300328290, 9981658490
भार्गव एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827167997
श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:-	मो. 9826705603
एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827180896, 9131155033
श्री श्याम पब्लिसिटी:-	मो. 9425540759
अमित पब्लिकेशन:-	मो. 9826304304, 9827124304
विप्रा विज्ञापन सेवा:-	मो. 9302462506
माधवास & कम्पनी:-	मो. 9977185123, 9893115084
बालाजी एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827466133, 9907047586

ग्रुप ईः हार के बाद भी क्यूरासाओ ने रचा इतिहास, जर्मनी ने दर्ज की बड़ी जीत

एजेंसी ▸▸| ह्यूस्टन

काई हावट्र्ज के दो गोल की मदद से चार बार के चैंपियन जर्मनी ने विश्व कप फुटबॉल के ग्रुप ई के मैच में इतिहास रचने वाले क्यूरासाओ को 7-1 से हराकर कड़ा सबक सिखाया। क्यूरासाओ को भले ही करारी हार का सामना करना पड़ा लेकिन वह विश्व कप में भाग लेने वाला सबसे छोटा देश बन गया। यही नहीं उसने एक गोल भी किया, जो उसके लिए बड़ी उपलब्धि है। फेलिक्स नेमेचा ने छठे मिनट में गोल करके जर्मनी को बढ़त दिलाई। क्यूरासाओ के लिवानो कोमेनेंसिया ने 21वें मिनट में बॉक्स के केंद्र से बाएं पैर से जोरदार शॉट लगाकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इससे इस छोटे से कैरेबियाई देश के प्रशंसक खुशी से झूम उठे। इसके बाद पूरे मैच में जर्मनी का दबदबा रहा। उसने 38वें मिनट में नथानिएल ब्राउन के कॉर्नर किक पर निको श्लॉटरबेक के हेडर से किए गए गोल से फिर से बढ़त हासिल कर ली। जर्मनी की जीत का अंतर विश्व कप के 9 गोल के रिकॉर्ड से काफी कम है। ऐसा तीन बार हो चुका है। आखिरी बार ऐसा तब हुआ था जब हंगरी ने 1982 में अल साल्वाडोर को 10-1 से हराया था। क्यूरासाओ के भी कुछ दर्शक पहुंचे हुए थे, जिन्होंने अपनी टीम का हौसला बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जर्मनी का अगला मैच शनिवार को टोरंटो में आइवरी कोस्ट से होगा, जबकि क्यूरासाओ शनिवार को कैनसस सिटी में इक्वाडोर से भिड़ेगा।

गोलरहित ड्रॉ की ओर बढ़ रहे मैच में डियालो ने पलटा पूरा खेल

फिलाडेल्फिया। अमाद डियालो ने 90वें मिनट में गोल करके पिछले 12 वर्ष में पहली बार विश्व कप फुटबॉल में भाग ले रहे आइवरी कोस्ट को इक्वाडोर पर 1-0 से जीत दिलाई। दोनों टीमों ने मिलकर तीन बार क्रॉसबार पर गेंद मारी, लेकिन गोल करने में नाकाम रही। ऐसे में जब मैच गोलरहित ड्रॉ की तरफ बढ़ रहा था तब मैनचेस्टर यूनाइटेड की तरफ से खेलने वाले स्थानापन्न विंगर डियालो (56वें मिनट में मैदान पर उतरे) ने पेनल्टी क्षेत्र के ठीक अंदर गोता लगाते हुए बाएं पैर से जोरदार शॉट लगाकर गोलकीपर हर्नान गैलिंडेज़ को चकमा देकर गोल कर दिया। विल्फ्रेड सिंगो ने दाहिनी ओर से शानदार दौड़ लगाते हुए इस गोल की नींव रखी थी। इस तरह से विश्व कप में चौथी बार और 2014 के बाद पहली बार हिस्सा ले रहे आइवरी कोस्ट ने नॉकआउट चरण में पहुंचने की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाया।

68,274 दर्शकों से भरे स्टेडियम में रोमांच

पांचवीं बार विश्व कप में भाग ले रहा इक्वाडोर के लिए लिंकन फाइनेंशियल फील्ड का माहौल घरेलू मैदान जैसा था क्योंकि 68,274 दर्शकों में से अधिकांश ने ला ट्राई (इक्वाडोर की टीम) की पीली जर्सी पहनी हुई थी। डियालो के गोल से पहले इक्वाडोर की टीम मजबूत नजर आ रही थी। उसे हाफ टाइम के बाद सबसे अच्छा मौका 68वें मिनट में मिला जब गोंज़ालो प्लाटा ने लगभग 25 गज की दूरी से जोरदार शॉट लगाया, जिसे गोलकीपर याहिया फोफाना ने रोक दिया।

स्वीडन की शानदार शुरुआत, ट्यूनीशिया को दी करारी शिकस्त

मॉन्टेरी। यासीन अयारी के दो गोल की मदद से स्वीडन ने ट्यूनीशिया को 5-1 से करारी शिकस्त देकर विश्व कप फुटबॉल में अपने अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए ग्रुप एफ में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। अयारी ने एस्टाडियो बीबीवीए स्टेडियम में स्वीडन के लिए सातवें मिनट और दूसरे हाफ के स्टॉपेज टाइम में लंबी दूरी से गोल दागकर स्कोर की शुरुआत और अंत किया। उन्होंने संयमित तरीके से जश्न मनाया और अपने पिता के जन्मस्थान के प्रति सम्मान दिखाते हुए अपने हाथ ऊपर उठाए। अलेक्जेंडर इसाक (30वें मिनट) और विक्टर ग्योकेरेस (59वें) ने एक-एक गोल करने के साथ एक दूसरे के गोल में मदद की। स्वीडन की तरफ से मैटियस स्वानबर्ग (84वें) ने भी गोल किया। स्वीडन विश्व रैंकिंग में 39वें स्थान पर है और आठ साल पहले रूस में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने के बाद 2022 के विश्व कप में जगह बनाने से चूक गया था।

कामाडा ने 88वें मिनट में दागा गोल समुराई ब्लू के फैंस खुशी से झूमे

ग्रुप एफ : जापान ने नीदरलैंड को बराबरी पर रोका

आर्लिंगटन। दाइची कामाडा ने अंतिम सीटी बजने से कुछ मिनट पहले गोल किया, जिससे जापान ने विश्व कप फुटबॉल के ग्रुप एफ के मैच में नीदरलैंड को 2-2 से बराबरी पर रोक दिया। जब जापान की हार सुनिश्चित लग रही थी तब कामाडा ने यह महत्वपूर्ण गोल किया, जिसे उनका देश वर्षों तक याद रखेगा। कोकी ओगावा के कॉर्नर किक पर कामाडा ने 88वें मिनट में हेडर से गोल किया, जिससे समुराई ब्लू (जापानी टीम) के प्रशंसक खुशी से झूम उठे। इससे जापान ने अपने से अधिक रैंकिंग वाले नीदरलैंड की जीत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। नीदरलैंड की टीम को भले ही अंक बांटने पड़े लेकिन इस ड्रॉ से उसने विश्व कप के ग्रुप चरण में अपने अजेय अभियान को 17 मैच तक पहुंचा दिया है। कामाडा के गोल से नारंगी रंग की जर्सी पहने नीदरलैंड के प्रशंसक सन्न रह गए। दोनों टीम हाफ टाइम तक गोल नहीं कर पाई थी। दूसरे हाफ की शुरुआत में वर्जिल वैन डाइक (50वें मिनट) और क्रिसेंसियो समरविले (64वें) ने नीदरलैंड के लिए एक-एक गोल दागा, जबकि कीटो नाकामुरा (57वें) ने जापान की तरफ से गोल किया। यह तीनों गोल 14 मिनट के अंदर किए गए।

अमेरिका युद्ध के कारण विश्व कप का अनुभव सुखद नहीं : ईरानी कप्तान

इंगलवुड। ईरान के कप्तान मेहदी तारेमी ने कहा कि विश्व कप फुटबॉल के सह-मेजबान अमेरिका के साथ चल रहे उनके देश के युद्ध के कारण उन्हें अभी तक कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है और उनके लिए अभी तक का अनुभव सुखद नहीं रहा है। ईरान की टीम मैक्सिको के तिजुआना स्थित अपने अभ्यास स्थल से लॉस एंजिलिस पहुंची। तिजुआना अमेरिकी सीमा के ठीक पार है और उस स्टेडियम से लगभग 140 मील (225 किलोमीटर) दूर है, जहां वह न्यूजीलैंड के खिलाफ ग्रुप चरण का अपना पहला मैच खेलेगा। जंग के कारण ईरान के अभ्यास स्थल को अमेरिका से स्थानांतरित कर दिया गया था। तारेमी ने कहा, 'विश्व कप के लिए यहां पहुंचते ही मुझे तनाव महसूस होने लगा था। किसी भी टूर्नामेंट में जब तनाव होता है, तो हमें वह सुखद अनुभव नहीं मिलता, जिसके बारे में हम हमेशा शांति और खुशी से बात करते हैं।' उन्होंने कहा, 'मैं जानता हूं कि ऐसा सिर्फ हमारे साथ ही नहीं हुआ। मुझे पता है कि कई अन्य देशों को भी वीजा संबंधी समस्याओं और अभ्यास शिविरों में बदलाव का सामना करना पड़ा।

खबर संक्षेप

गोवा में 21 से एशिया कप ब्रिज चैंपियनशिप

पणजी। एशिया ओशिनिया क्षेत्र के 16 देशों के लगभग 350 खिलाड़ी 21 से 27 जून तक यहां होने वाली पांचवीं एशिया कप ब्रिज चैंपियनशिप में भाग लेंगे। भारतीय ब्रिज महासंघ (बीएफआई) के अध्यक्ष प्रसाद केनी ने कहा कि गोवा प्रत्येक चार साल में होने वाले इस टूर्नामेंट की दूसरी बार मेजबानी करेगा। इससे पहले 2018 में यह चैंपियनशिप गोवा में आयोजित की गई थी। बीएफआई के सचिव देबासिस रे ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया, चीन, इंडोनेशिया, बांग्लादेश, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कुवैत, हांगकांग, जापान, चीनी ताइपे, फिलीपींस, मलेशिया, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, थाईलैंड और मेजबान भारत इस चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा पाकिस्तान ने भी प्रतियोगिता में भाग लेने में दिलचस्पी दिखाई थी लेकिन उसने अपना आवेदन जमा नहीं किया।

इंटरवेटेन ओपनः संयुक्त 17वें स्थान पर तलवार

ओबरहास। शीर्ष 10 में जगह बनाने की ओर बढ़ रहे भारत के सप्तक तलवार अंततः अंतिम दौर में दो अंडर 67 के स्कोर से इंटरवेटेन ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से 17वें स्थान पर रहे।

तलवार का कुल स्कोर 10 अंडर रहा। इससे पहले वीर अहलावत कट हासिल करने में नाकाम रहे थे। तलवार ने अच्छी शुरुआत करते हुए शुरुआती नौ होल में चार बर्डी की। उन्होंने अंतिम 9 होल में भी 12वें होल में बर्डी की लेकिन इसके बाद 13वें होल में ट्रिपल बोगी कर गए। उन्होंने 16वें होल में एक और बोगी की लेकिन 18वें होल में बर्डी के साथ दो अंडर के स्कोर से संयुक्त रूप से 17वां स्थान हासिल किया।

सुपर ओवर में टीम इंडिया की हार, वैभव और सूर्यांश से 17 रन नहीं हुए चेज

एजेंसी ▸▸| कोलंबो

इंडिया ए को ट्राई सीरीज में श्रीलंका ए के हाथों सुपर ओवर में हार का सामना करना पड़ा। निर्धारित ओवर्स में दोनों टीमें 265 रन ही बना सकी और मुकाबला टाई रहा। इससे सुपर ओवर की जरूरत पड़ी। इसमें इंडिया ए को जीत के लिए 17 रन का लक्ष्य मिला लेकिन केवल 10 ही रन बने।

यह श्रीलंका ए की लगातार दूसरी जीत रही तो इंडिया ए की लगातार दूसरी हार। इंडिया ए ने पहले बैटिंग करते हुए सूर्यांश शेडगे (72) और विप्रज निगम (51) के अर्धशतकों से 265 का स्कोर बनाया। जवाब में मेजबान टीम सदीरा समरविक्रमा के 93 रन के बूते 9 विकेट पर 265 रन तक पहुंच गई। मगर जीत के लिए आखिरी ओवर में पांच रन नहीं बने। सुपर ओवर में श्रीलंका की ओर से साहन अराच्चिगे और अविष्का फर्नान्डो बैटिंग के लिए उतरे। इन दोनों ने मिलकर 16 रन बनाए। जवाब में भारत की ओर से सूर्यवंशी और शेडगे बैटिंग के लिए आए लेकिन दोनों 10 रन ही बना सके।

भारतीय टीम के ओपनर्स रहे नाकाम

पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर भारतीय टीम के ओपनर्स एक बार फिर से नाकाम रहे। प्रभसिमरन सिंह 13 गेंद में 11 रन बना सके तो वैभव सूर्यवंशी तूफानी आगाज के बाद भी 21 रन बनाकर आउट हो गए। उन्होंने 14 गेंद खेली और तीन चौके व एक छक्का लगाया। ऋतुराज गायकवाड़ (37) और कप्तान तिलक वर्मा (23) ने तीसरे विकेट के लिए 52 रन की पार्टनरशिप करते हुए टीम को संभालने की कोशिश की। लेकिन दोनों ही लंबी पारी नहीं खेल रहे। निशांत सिंधू (6), आयुष बडोनी (15) और अनुकूल रॉय (8) सस्ते में निपट गए। सूर्यांश और विप्रज ने मिलकर पारी को संभाला।

श्रीलंका के टॉप ऑर्डर की शानदार बैटिंग

लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका ने ठोस शुरुआत की। निरोशन डिकवेला (37) और अविष्का फर्नान्डो (22) ने पहले विकेट के लिए 4.6 ओवर में ही 56 रन बटोर लिए। सिंधु ने इस जोड़ी को तोड़ा। फर्नान्डो 14 गेंद में 22 रन बनाकर आउट हुए। विशेन हालम्बागे 17 रन बना सके और आयुष बडोनी की गेंद पर आउट हुए। डिकवेला ने 33 गेंद में 37 रन की पारी खेली और वे विप्रज की गेंद पर वापस गए। मिडिल ऑर्डर में कप्तान साहन अराच्चिगे (8) और अहान विक्रमसिंघे (6) ज्यादा कुछ नहीं कर पाए।

'दोहा में मिलते हैं', नीरज चोपड़ा ने किया वापसी का ऐलान

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

फिट हो चुके भारत के भालाफेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने घोषणा की कि वह 19 जून को होने वाली दोहा डायमंड लीग के जरिए प्रतिस्पर्धा में वापसी करेंगे। 28 वर्ष के चोपड़ा ने 2025 विश्व चैंपियनशिप में निराशाजनक आठवें स्थान पर रहने के बाद प्रतिस्पर्धा में हिस्सा नहीं लिया है। दोहा डायमंड लीग में भाला फेंक की प्रविष्टियों में चोपड़ा का नाम शामिल है जबकि 12 जून को जारी सूची में उनका नाम नहीं था। उन्होंने पिछले साल इसी टूर्नामेंट में 90 मीटर का आंकड़ा पारी किया था। चोपड़ा ने इंस्टाग्राम पर लिखा ,' दोहा में मिलते हैं।'

स्विटजरलैंड में अभ्यास शिविर में हिस्सा ले रहे चोपड़ा

चोपड़ा इस समय स्विटजरलैंड के बियेने में अपने फिजियो ईशान मारवाहा और कोच जय चौधरी के साथ 47 दिन के आफ सीजन अभ्यास शिविर में भाग ले रहे हैं। आगामी राष्ट्रमंडल खेलों के लिए घोषित भारतीय एथलेटिक्स टीम में भी चोपड़ा का नाम सशर्त शामिल किया गया है। उन्हें इसके लिए भारतीय एथलेटिक्स महासंघ का 82.61 मीटर का क्वालीफिकेशन मार्क हासिल करना होगा।

आज से उस्ती नाद ग्रां प्री, भारतीय मुक्केबाज लेंगे हिस्सा

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन सहित राष्ट्रमंडल खेलों की टीम में शामिल भारतीय मुक्केबाज बुधवार से चेक गणराज्य में शुरू हो रही आमंत्रण ग्रां प्री उस्ती नाद लाबेम में हिस्सा लेंगे। लवलीना (75 किग्रा) के अलावा एशियाई चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता प्रीति पवार (54 किग्रा), प्रिया घंघास (60 किग्रा), साक्षी (51 किग्रा) और परवीन हुड्डा (65 किग्रा) महिला टीम की सदस्य हैं। दुनिया की नंबर एक मुक्केबाज जैस्मिन लंबोरिया (57 किग्रा) और अरुंधति चौधरी (70 किग्रा) टीम के साथ यात्रा नहीं करेंगी क्योंकि वे चोट से उबर रही हैं।

दीपिका के दो गोल, भारत ने अमेरिका के खिलाफ पलटा मैच

एजेंसी ▸▸| ऑकलैंड

दीपिका के दो गोल की मदद से भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच नेशंस कप के पूल ए के अपने पहले मैच में शुरू में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए अमेरिका पर 3-2 से जीत हासिल की। भारत की तरफ से दीपिका के दो गोल के अलावा नवनीत कौर ने भी एक गोल किया। अमेरिका की ओर से एशले सेसा और मैडलीन ज़िमर ने गोल किए।

नेशंस कप की विजेता टीम अगले सत्र में प्रो लीग में खेलेगी। भारत पिछले सत्र में इससे बाहर हो गया था। जीत के साथ भारत ने 3 महत्वपूर्ण अंक हासिल किए। भारत 3 अंकों के साथ पूल ए में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। शीर्ष पर काबिज जापान के भी तीन अंक हैं लेकिन उसका गोल अंतर भारत से बेहतर है।

भारत को पेनल्टी कॉर्नर में मिली बढ़त

भारत को आक्रामक अंदाज में खेलने का फायदा दूसरे क्वार्टर के शुरू में मिला जब ड्रैग-फ्लिक विशेषज्ञ दीपिका (17वें) ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अंतर को कम किया। भारतीय टीम ने अपना दबदबा बनाए रखा और उसने दूसरे क्वार्टर में फिर से एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। दीपिका (24वें) एक बार फिर आगे बढ़ीं और उन्होंने फिर से पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। भारत ने दबाव बनाए रखा और हाफ टाइम से पहले एक और गोल करके मैच का रुख पूरी तरह से पलट दिया।

दोनों टीमों को मिले छह-छह पेनल्टी कॉर्नर

नवनीत (28वें) ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत को मैच में पहली बार बढ़त दिलाई। इस तरह से भारत ने हाफ टाइम तक 3-2 से आगे था। दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने गोल करने के अच्छे प्रयास किए। मैच में दोनों टीमों ने छह-छह पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए, लेकिन आखिरी दो क्वार्टर में गोल करने में नाकाम रही।

अमेरिका ने की शानदार शुरुआत

अमेरिका ने शानदार शुरुआत की और एशले ने चौथे मिनट में ही मैदानी गोल करके अपनी टीम को बढ़त दिला दी। इसके महज तीन मिनट बाद अमेरिका ने अपनी बढ़त दोगुनी कर दी जब मैडलीन जिमर (सातवें) ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत पर शुरुआती दबाव बना दिया।

न्यायालय अतिरिक्त कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी, बिलासपुर (छ.ग.)

विवाह सूचना का प्रकाशन

क्रमांक क/274/ वाचक/अति-कले/2026, बिलासपुर, दिनांक 10 .06 .2026

आवेदक श्री विक्रांत करसायल आत्मज स्व. लखन सिंह उम्र 37 वर्ष निवासी पहाड बछाली थाना कोटा तहसील कोटा जिला बिलासपुर (छ.ग.) एवं आवेदिका कुमारी सचिता साहू आत्मजा श्री केशव प्रसाद साहू उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम खोरसी थाना पामगढ़ तहसील पामगढ जिला जांजगीर-चांपा (छ.ग.)

द्वारा विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा-5 के तहत सूचना पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः प्राप्त सूचना का प्रकाशन सर्व साधारण के लिए दैनिक समाचार पत्र में किया जाता है। इस विवाह के संबंध में यदि कोई आपत्ति या दावा हो तो अपनी आपत्ति/दावा इस कार्यालय में दिनॉक 16.07.2026 को प्रातः 11:00 बजे प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि पश्चात प्राप्त आपत्ति / दावा पर कोई विचार करना संभव नहीं होगा।

विक्रांत करसायल

कु. सचिता साहू

अतिरिक्त कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी, बिलासपुर (छ.ग.)

SBI भारतीय स्टेट बैंक तनावग्रस्त आस्ति वसूली शाखा
ब्लॉक बी-1, पुजारी चेंबर, पचपेड़ी नाका, रायपुर, फोन- 8878888925, 9407685755

नियम 8(1) कब्जा संबंधी नोटिस (अचल संपत्ति हेतु)

जबकि, अधोहस्ताक्षरी, जो कि **भारतीय स्टेट बैंक** के प्राधिकृत अधिकारी हैं, ने वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन और प्रतिभूति हित का (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उधारकर्ताओं को डिमांड नोटिस की तिथि एवं राशि नीचे दर्शायी गयी है , उक्त नोटिस की प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर अदा करने जारी किया गया। उधारकर्ताओं द्वारा उक्त राशि चुकाने में असफल होने के कारण, एतदद्वारा उधारकर्ताओं/जमानतदारों को एवं जनसामान्य को सामान्य रूप से नोटिस दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 (4) के अंतर्गत उन्हें प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए यहां नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा निम्नांकित दिनांक को ले लिया है। विशेष रूप से उधारकर्ताओं/जमानतदारों और जनसामान्य को एतद् द्वारा चेतावनी दी जाती है कि इस संपत्ति से संबधित कोई लेन देन नहीं करें। निम्नलिखित संपत्ति से संबधित किसी भी प्रकार का लेन देन इस पर वर्णित बकाया राशि के लिये भारतीय स्टेट बैंक की संबधित शाखा के निर्मित प्रभार के अध्यधीन होगा (मांग नोटिस दिनांक के बाद जमा की गई राशि, यदि कोई हो, को समायोजित करके)। ***उधारकर्ताओं का ध्यान प्रतिभूत परिसंपत्तियों के मोचन (redeem) कराने के संबंध में उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा 8 के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है।***

क्र.	उधारकर्ताओं का नाम	मांग सूचना / कब्जे की तिथि	बकाया राशि	अचल संपत्ति का विवरण
1.	**उधारकर्ता- श्रीमती सोमा घोष** पति श्री ओथेलो घोष एवं **श्री ओथेलो घोष** पिता श्री अमलेंदु घोष	20.03.2026 / 11.06.2026	रू. 51,07,238.00 दि. 18.03.26 को + ब्याज एवं अन्य शुल्क दि. 19.03.26 से प्रभावी	संपत्ति की स्वामित्व: श्रीमती सोमा घोष पति श्री ओथेलो घोष। संपत्ति/अपार्टमेंट का समस्त भू-भाग स्थित फ्लैट नंबर 303, तीसरी मंजिल, राधा परिसर खसरा नंबर 745/8, 748, 749/1, 749/4, मौजा मोपका, प.ह नंबर 19/29, आरएनएम बिलासपुर, ब्लॉक बिल्हा, ग्राम पंचायत मोपका, तहसील एवं जिला - बिलासपुर (छ.ग), क्षेत्रफल- 976 वर्गफुट (90.706 वर्ग मीटर)। सेल डीड दिनांक 26.09.2018, पुस्तक क्रमांक 1, खंड क्रमांक 29738, दस्तावेज़ क्रमांक 1520, पृष्ठ नंबर 148 से 174, उप-रजिस्ट्रार कार्यालय, बिलासपुर (छ.ग) के अंतर्गत पंजीकृत। सीमाएँ (सेल डीड के अनुसार) :- पूर्व : फ्लैट नंबर 302, पश्चिम: खुला आसमान, उत्तर: रास्ता, दक्षिण : खुला आसमान।
2.	**उधारकर्ता - श्री सेवा सिंह श्याम** पिता श्री देव सिंह श्याम	19.02.2026 / 10.06.2026	रू. 25,73,679.00 दि. 19.02.26 को + ब्याज एवं अन्य शुल्क दि. 20.02.26 से प्रभावी	संपत्ति का स्वामित्व : श्री सेवा सिंह श्याम पिता श्री देव सिंह श्याम। संपत्ति का समस्त भू-भाग परिवर्तित भूमि एवं मकान स्थित प्लॉट नंबर 46, खसरा नंबर 620/1 का भाग, प.ह नंबर 1, मौज़ा एवं आरएनएम पेंड्रा, जवाहरलाल नेहरू वार्ड नंबर 14, तहसील- पेंड्रा, ज़िला- गौरेला-पेंड्रा-मरवाही (छ.ग), क्षेत्रफल- 25x52 फ़ीट (कुल क्षेत्रफल- 1300 वर्ग फ़ीट). सेल डीड दिनांक 21.05.2020, पुस्तक क्रमांक 01, ग्रंथ क्रमांक 1980, क्रमांक संख्या 35, पृष्ठ क्रमांक 267 से 289, उप-रजिस्ट्रार कार्यालय, पेंड्रा रोड एसआर के अंतर्गत पंजीकृत. सीमाएँ (सेल डीड दिनांक 21.05.2020 के अनुसार) :- उत्तर : प्लॉट नंबर 47, दक्षिण : प्लॉट नंबर 45, पूर्व : प्लॉट नंबर 77, पश्चिम : विक्रेता द्वारा छोड़ी गई सड़क.
3.	**उधारकर्ता- मेसर्स दिवाकर ट्रेडर्स (प्रोप.: श्रीमती डेज़ी रानी दिवाकर)**	30.06.2025 / 11.06.2026	रू. 39,87,919.00 दि. 18.06.25 को + ब्याज एवं अन्य शुल्क दि. 19.06.25 से प्रभावी	**संपत्ति क्रमांक 1)** संपत्ति का समस्त भू-भाग भूमि स्थित खसरा नंबर 7/10, प्लॉट नंबर 11, मौजा तखतपुर, प.ह नंबर 28, आरएनएम एवं तहसील - तखतपुर, बिलासपुर (छ.ग)- 495660, क्षेत्रफल- 1491 वर्ग फुट, मालिकाना हक - श्रीमती डेज़ी रानी दिवाकर पति श्री अरुण कुमार दिवाकर। टाइटल डीड दिनांक 28.09.2022, पुस्तक क्रमांक 1, ग्रंथ क्रमांक 2593, पृष्ठ क्रमांक 50 से 70, दस्तावेज़ क्रमांक 1335, उप-रजिस्ट्रार कार्यालय तखतपुर, छत्तीसगढ़ के अंतर्गत पंजीकृत। सीमाएँ (गिफ्ट डीड दिनांक 28.09.2022 के अनुसार):-उत्तर: संतराम की भूमि, दक्षिण: श्रीमती कांति देवी दिवाकर की भूमि. पूर्व : सड़क, पश्चिम: श्रीमती कांति देवी दिवाकर की भूमि। **संपत्ति क्रमांक 2)** संपत्ति का समस्त भू-भाग भूमि स्थित खसरा नंबर 7/11, प्लॉट नंबर 11, मौजा तखतपुर, प.ह नंबर 28, आरएनएम एवं तहसील - तखतपुर, बिलासपुर (छ.ग)- 495660, क्षेत्रफल- 4859 वर्ग फुट, मालिकाना हक - श्रीमती डेज़ी रानी दिवाकर पति श्री अरुण कुमार दिवाकर। टाइटल डीड दिनांक 28.09.2022, पुस्तक क्रमांक 1, ग्रंथ क्रमांक 2593, पृष्ठ क्रमांक 29 से 49, दस्तावेज़ क्रमांक 1334, उप-रजिस्ट्रार कार्यालय तखतपुर, छत्तीसगढ़ के अंतर्गत पंजीकृत। सीमाएँ (गिफ्ट डीड दिनांक 28.09.2022 के अनुसार):-उत्तर: संतराम एवं श्रीमती कांति देवी दिवाकर की भूमि, दक्षिण: रमासर की भूमि, पूर्व: सड़क की भूमि, पश्चिम: श्रीमती कांति देवी दिवाकर की भूमि।

यह सूचना अंग्रेजी भाषा में भी प्रकाशित की जा रही है। व्याख्या के किसी भी मामले में अंग्रेजी संस्करण अंतिम होगा।

दिनांकः 10.06.2026 / 11.06.2026, स्थान- बिलासपुर — प्राधिकृत अधिकारी, भारतीय स्टेट बैंक, सार्ब, रायपुर

आरोपी की दूसरी जमानत याचिका खारिज

नशीली दवाओं की अवैध तस्करी और उसे वित्तीय सहायता समाज के लिए घातक-हाईकोर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

नशीली दवाओं की अवैध तस्करी और उसे वित्तीय सहायता प्रदान करने के मामले में हाईकोर्ट ने आरोपी की दूसरी जमानत याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा है कि प्रतिबंधित दवाओं की 'कमर्शियल क्वांटिटी' से जुड़े मामलों में सह-आरोपी के खाते में यूपीआई के जरिए किया गया संदिग्ध वित्तीय लेनदेन आरोपी की संलिप्तता को दर्शाता है, ऐसे में एनडीपीएस एक्ट की धारा 37 के कड़े प्रावधानों के तहत राहत नहीं दी जा सकती। कोर्ट ने कहा है कि पूर्व में पहली जमानत याचिका खारिज होने और एनडीपीएस एक्ट की विधिक कठोरता को देखते हुए, यह कोर्ट दूसरी जमानत अर्जी स्वीकार करने का कोई आधार नहीं पाता है। हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट को यह छूट दी है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए इस मुकदमे की सुनवाई में तेजी लाए और इसे जल्द से जल्द अंतिम फैसले पहुंचाए।

याचिका के मुताबिक थाना अंबिकापुर में मामला दर्ज है। इसमें पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कोडीन फॉस्फेट युक्त 'WNGS RX' कफ सिरप की 100-100 एमएल की 108 बोतलें और बुप्रेनॉर्फिन के 2-2 एमएल के 100 नग इंजेक्शन जब्त किया था। जांच के दौरान खुलासा हुआ कि आरोपी आवेदक जगदीश उर्फ विराट ने अपने मोबाइल से यूपीआई के जरिए 25 हजार रुपए की राशि एक सह-आरोपी के बैंक खाते में ट्रांसफर की थी। पुलिस ने इस वित्तीय लेनदेन को नशीली दवाओं के अवैध कारोबार की फंडिंग और आपराधिक साजिश का हिस्सा मानते हुए जगदीश को 21 मई 2025 को गिरफ्तार कर

लिया था। हाईकोर्ट ने 1 सितंबर 2025 को पहली जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

नशीले नेटवर्क को वित्तीय ऑक्सीजन

इसके बाद दूसरी जमानत याचिका दायर की गई। याचिका में कहा गया कि सीधेतौर पर किसी भी प्रकार का नशीला पदार्थ या प्रतिबंधित सामग्री बरामद नहीं हुई है। सह-आरोपी अनिल गुप्ता उर्फ बाबू गुप्ता की चिकन की दुकान, याचिकाकर्ता की दुकान के बगल में ही है। 17 फरवरी 2025 को अनिल ने यूपीआई काम न करने की बात कहकर मदद मांगी थी, जिस पर आवेदक ने मानवता के नाते 25 हजार रुपए ट्रांसफर किया था। शासन ने इसका विरोध किया और कहा कि यूपीआई लेन-देन यह साबित करने के लिए पर्याप्त है कि याचिकाकर्ता इस नेटवर्क को वित्तीय ऑक्सीजन दे रहा था। जमानत याचिका की सुनवाई चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा के सिंगल बेंच में हुई। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है, यह मामला नशीली दवाओं के अवैध व्यापार के एक संगठित नेटवर्क और उसकी वित्तीय सहायता से संबंधित है इसलिए याचिका खारिज की जाती है।

रविशंकर महाराज बनाम सीबीआई, फोन टैपिंग मामले में 24 घंटे में दें हलफनामा

हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने सीबीआई के खिलाफ दायर एक अत्यंत संवेदनशील और तकनीकी मामले में सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने 'रविशंकर महाराज' बनाम 'सीबीआई' मामले में फोन इंटरसेप्शन (फोन टैपिंग) के कानूनी पहलुओं को लेकर दोनों पक्षों से शपथ पत्र तलब किया है। मामले में नए दूरसंचार नियमों (2024) के तहत फोन टैपिंग से जुटाए गए सबूतों की कानूनी वैधता को चुनौती दी गई है। हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता को 24 घंटे के भीतर और सीबीआई को 24 जून 2026 तक सक्षम अधिकारी के माध्यम से कोर्ट में जवाब दाखिल करने का कड़ा निर्देश दिया है।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से देश के प्रतिष्ठित और वरिष्ठ अधिवक्ता मनु शर्मा के साथ अधिवक्ता पंकज पांडेय, राहुल अंबस्ट, गिरीश त्रिपाठी और कार्तिक खन्न ने पैरवी की। उन्होंने 'दूरसंचार (संदेशों के वैध अवरोधन के लिए प्रक्रियाएं और सुरक्षा उपाय) नियम, 2024' के नियम 3 (3) (बी) का हवाला देते हुए एक बड़ा कानूनी मुद्दा उठाया। उन्होंने दलील दी कि सक्षम प्राधिकारी द्वारा 28 जून 2025 को जारी फोन इंटरसेप्शन आदेश को नियमानुसार 7 कार्य दिवसों के भीतर समीक्षा समिति के समक्ष पुष्टि के लिए रखा जाना अनिवार्य था। अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि यदि समीक्षा समिति निर्धारित समय में इसकी पुष्टि नहीं करती है, तो वह आदेश स्वतः ही प्रभावहीन हो जाता है। ऐसी स्थिति में, उस निर्धारित अवधि के बाद सीबीआई द्वारा फोन टैपिंग से जुटाए गए किसी भी साक्ष्य को ट्रायल कोर्ट (निचली अदालत) द्वारा विचार में नहीं लिया जा सकता है। इंटरसेप्शन आदेश को मूल याचिका में सीधे चुनौती नहीं- चीफ जस्टिस की बेंच ने सुनवाई के दौरान पाया कि याचिकाकर्ता ने 28 जून 2025 के इंटरसेप्शन आदेश को मूल याचिका में सीधे चुनौती नहीं दी थी। यह मुद्दा बाद में एक अंतरिम आवेदन के जरिए उठाया गया था। कोर्ट ने कहा कि नए कानूनी आधार और मद्रास हाईकोर्ट के फैसले का उल्लेख स्पष्ट रूप से रिकॉर्ड पर नहीं है। इसलिए याचिकाकर्ता को निर्देश दिया गया कि वह 24 घंटे के भीतर सभी दलीलों को शामिल करते हुए नया शपथ पत्र दाखिल करे और उसकी प्रति सीबीआई के अधिवक्ता वैभव ए. गोवर्धन को उपलब्ध कराए। सुनवाई के दौरान सीबीआई के वकील ने कोर्ट को अवगत कराया कि इसी एफआईआर से जुड़े एक अन्य सह-आरोपी की याचिका भी हाईकोर्ट में विचाराधीन है। जिसे कोर्ट ने पहले ही 24 जून को सूचीबद्ध करने का आदेश दिया था। अब इस मामले की अगली संयुक्त सुनवाई भी 24 जून को ही होगी।

6 साल पुराने एफआईआर और निचली अदालत में पेश चार्जशीट रद्द किया

हाईकोर्ट ने एक महिला पत्रकार के खिलाफ बिलासपुर के महिला थाने में दर्ज छह साल पुराने एफआईआर और निचली अदालत में पेश चार्जशीट को रद्द कर दिया है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रवींद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा, जांच एजेंसी द्वारा बिना किसी ठोस कारण के छह साल की लंबी देरी से चार्जशीट पेश करना संविधान के आर्टिकल 21 के तहत मिले 'त्वरित न्याय के अधिकार' का सीधा उल्लंघन है।

कोर्ट ने माना, अपनी पेशेवर जिम्मेदारी निभा रही महिला पत्रकार के खिलाफ इस तरह की कानूनी कार्यवाही को जारी रखना अदालत की प्रक्रिया का दुरुपयोग और याचिकाकर्ता का मानसिक उत्पीड़न है। मामला 20 जून 2018 की रात का है, जब याचिकाकर्ता श्रिया पांडेय (दुबे), जो उस समय एक प्रतिष्ठित समाचार चैनल में मीडिया रिपोर्टर के रूप में कार्यरत थीं, उन्हें सूचना मिली कि महिला थाना बिलासपुर में कुछ नर्सों और उनके पतियों को अवैध रूप से हिरासत में रखा गया है। खबर की सत्यता जांचने और तथ्यों को जुटाने अपनी टीम के साथ थाने पहुंची थीं। आरोप है कि जब उन्होंने वहां मौजूद पुलिस कर्मियों से पूछताछ की, तो पुलिस का रवैया आक्रामक हो गया। बाद में पुलिस ने श्रिया पांडेय और अन्य के खिलाफ महिला थाने में शासकीय कार्य में बाधा डालने (IPC की धारा 186, 353, 323, 34) का मामला दर्ज कर लिया था।

छह साल बाद पेश की है चार्जशीट

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता उज्जवल चौबे ने कोर्ट को बताया कि याचिकाकर्ता केवल एक पत्रकार के रूप में अपना कर्तव्य निभा रही थीं और उनका शासकीय कार्य में बाधा डालने का कोई इरादा नहीं था। उन्होंने कोर्ट का ध्यान इस गंभीर तकनीकी खामी की ओर खींचा कि जून 2018 की घटना की चार्जशीट पुलिस ने 11 नवंबर 2024 को, पूरे 6 साल बाद पेश की है, जिसका पुलिस के पास कोई जवाब नहीं है। अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया, इस बीच याचिकाकर्ता श्रिया की शादी हो चुकी है, वे रायगढ़ में अपना घर बसा चुकी हैं और उनका कोई आपराधिक इतिहास नहीं है।

कोर्ट की तल्ख टिप्पणी

हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने केस डायरी का अवलोकन करने के बाद पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए। कोर्ट ने कहा, पूरी चार्जशीट केवल पुलिसकर्मियों और उनके जुड़े हुए गवाहों के बयानों पर टिकी है। घटना सार्वजनिक स्थान पर होने के बावजूद किसी भी स्वतंत्र गवाह का बयान नहीं लिया गया। इसके अलावा, रिकॉर्ड में ऐसा कोई ठोस सबूत नहीं मिला जिससे यह साबित हो कि याचिकाकर्ता महिला पत्रकार ने पुलिस के साथ कोई मारपीट या उनके काम में रुकावट डाली हो।

ट्रायल कोर्ट की कार्रवाई को कोर्ट ने किया शून्य घोषित

डिवीजन बेंच ने अपने फैसले में कहा है, प्रशासनिक सुस्ती या संस्थागत शिथिलता के कारण किसी नागरिक के मौलिक अधिकारों को नहीं छीना जा सकता। हाई कोर्ट ने याचिका को स्वीकार करते हुए याचिकाकर्ता श्रिया पांडेय के खिलाफ महिला थाना बिलासपुर में दर्ज अपराध, चार्जशीट और निचली अदालत द्वारा उस पर लिए गए संज्ञान सहित सभी परिणामी कार्यवाहियों को तत्काल प्रभाव से शून्य घोषित कर दिया है।

दुनिया का वो देश, जहां गली-गली बिकता है गांजा, नहीं पकड़ती पुलिस!

मोंटेवीडियो। अगर कोई देश हो जहां गांजा खरीदना-बेचना पूरी तरह कानूनी हो, पुलिस आपको नहीं पकड़े, बल्कि सरकार खुद दुकानें चलाए। समलिंगी शादी हो, एबॉर्शन हो और भ्रष्टाचार नाम की कोई चीज ना हो, तो आप किस देश की कल्पना करेंगे? यह कोई काल्पनिक जगह नहीं, बल्कि दक्षिण अमेरिका का छोटा सा देश उरुग्वे है, जिसे दुनिया का सबसे शांत और प्रगतिशील देश कहा जाता है। उरुग्वे की सफलता का राज उसकी छोटी आबादी और मजबूत लोकतांत्रिक परंपरा है। 2013 में तत्कालीन राष्ट्रपति जोस मुजिका (जिन्हें 'दुनिया के सबसे गरीब राष्ट्रपति' कहा जाता था) ने गांजा लीगलाइजेशन का ऐतिहासिक फैसला लिया। उनका मानना था कि नशे से लड़ने का सबसे अच्छा तरीका उसे नियंत्रित करना है, ना कि प्रतिबंध लगाना। आज कई देश उरुग्वे के इस मॉडल को फॉलो कर रहे हैं। कनाडा, थाईलैंड, जर्मनी और कई अमेरिकी राज्य अब इसी रास्ते पर चल रहे हैं।

बीफ की गुणवत्ता के लिए दुनियाभर में मशहूर

उरुग्वे में लगभग 34 लाख इंसान रहते हैं, जबकि गायों की संख्या 1.2 करोड़ से ज्यादा है। यानी हर इंसान पर औसतन 3-4 गायें हैं। यहां मांस निर्यात बहुत बड़ा उद्योग है। बीफ की गुणवत्ता इतनी अच्छी है कि दुनिया भर में मशहूर है। उरुग्वे कई सामाजिक मुद्दों पर बहुत आगे है। यहां सेम सेक्स मैरिज 2013 में ही लीगल कर दिया गया था। इसके अलावा 2012 से महिलाओं को पहली 12 हफ्तों तक एबॉर्शन का अधिकार है। इस देश में भ्रष्टाचार ना के बराबर है। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के अनुसार उरुग्वे लैटिन अमेरिका का सबसे कम भ्रष्टाचार वाला देश है। यहां राजनेता और अधिकारी काफी ईमानदार माने जाते हैं। वहीं, संसद में महिलाओं की अच्छी भागीदारी है।

समुद्र के भीतर मिला दुनिया का सबसे बड़ा कब्रिस्तान

बीजिंग। दुनिया भर में कई ऐसे रहस्य हैं, जिनसे पर्दा उठना अभी भी बाकी है। दुनिया में अलग-अलग जगहों से किसी न किसी बड़ी खोज की जानकारी हमेशा आती रहती है। इस बीच वैज्ञानिकों ने एक बड़ी खोज की है। चीनी वैज्ञानिकों ने हिंद महासागर की तलहटी पर दुनिया का सबसे बड़ा कब्रिस्तान पाया है। यह सबसे बड़ा होने के साथ-साथ सबसे गहरा कब्रिस्तान भी है। दरअसल, यह कब्रिस्तान मानवों का नहीं, बल्कि व्हेल मछलियों का है। चीनी वैज्ञानिकों ने खोज में पाया कि लाखों साल पुराने व्हेल के कंकालों का यह बड़ा इलाका गहरे समुद्र में जीवन और नई प्रजातियों के लिए एक बड़ा ठिकाना बना हुआ है। नेचर में छपी रिसर्च बताती है कि यह धरती पर अभी तक का सबसे गहरा और सबसे बड़ा कब्रिस्तान है।

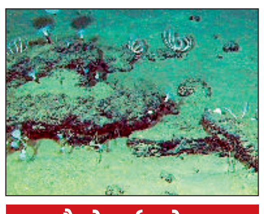

कैसे हुई खोज

चीनी वैज्ञानिकों ने इस खोज को अंजाम देने के लिए फेंडोजे नाम की एक छोटी सी पनडुब्बी का इस्तेमाल किया था। बता दें कि चीन की इस खास पनडुब्बी ने साल 2023 में समुद्र में कुल 32 बार गहरी डुबकी लगाई. जिसकी मदद से मिली जानकारी के बारे में विस्तार से अब बताया गया। रिपोर्ट बताती है कि ऑस्ट्रेलिया के पश्चिम में हिंद महासागर के भीतर करीब 12,00 किलोमीटर लंबे क्षेत्र में ये कंकाल फैले हुए हैं।

हैरान रह गए वैज्ञानिक

वैज्ञानिक उस वक्त हैरान रह गए, जब उन्होंने रोबोटिक आर्म्स की मदद से समुद्र की सतह से करीब 7 किमी की गहराई से 500 के करीब कंकालों के नमूमों के एकत्र किया। वैज्ञानिकों ने अनुमान लगाते हुए बताया कि कम एक करोड़ से अधिक व्हेल के कंकाल मौजूद हैं।

सुपर अल नीनो ने दिखाना शुरू किया कहर अंटार्कटिका में पिघलने लगे बर्फ के पहाड़

वॉशिंगटन। जिस अंटार्कटिका का नाम सुनते ही सबसे पहले ऊंचे-ऊंचे पहाड़ और हाड़-कंपाने वाली ठंड दिमाग में आता हो, वहां इस समय कुछ ऐसा हो रहा है, जो दुनिया भर के वैज्ञानिकों की टेंशन बढ़ा दिया है। जून के महीना में भी अंटार्कटिका में कड़ाके की ठंड पड़ती है, लेकिन इस साल एक खौफनाक हीटवेव का सामना कर रहा है। अंटार्कटिका में तापमान सामान्य से पूरे 20 डिग्री सेल्सियस ऊपर जा चुका है। सफेद बर्फ की चादर पिघल रही है और ग्लेशियर पानी की तरह बह रहे हैं। आखिर पृथ्वी के सबसे ठंडे कोने में अचानक मौसम में ऐसा बदलाव क्यों आया है, क्या वजह है और क्यों वैज्ञानिक इसे पूरी मानव सभ्यता के लिए बड़ा खतरा मान रहे हैं?

अंटार्कटिका में वैज्ञानिकों ने 6

जून को तापमान रिकॉर्ड 15.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया है। त्रिनिटी प्रायद्वीप पर मौजूद रिसर्चर्स के अनुसार, यह तापमान इस मौसम के सामान्य तापमान से करीब 20 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है, जो कि एक बहुत ही डरावना संकेत है। चिली के ग्लेशियोलॉजिस्ट यानी बर्फ विशेषज्ञ लुइस मुनोज ने बताया कि जब वे कोलिन्स ग्लेशियर के ऊपर पहुंचे, तो तापमान इतना ज्यादा था कि बाहर की हर चीज पिघल रही थी।

अंटार्कटिका में दिखा एक और खतरा

अंटार्कटिका से एक और हैरान कर देने वाली खबर आ रही है। पश्चिमी अंटार्कटिका का सबसे बड़ा ग्लेशियर, जिसे डूम्सडे ग्लेशियर भी कहते हैं, इस साल अपनी एक प्रमुख बर्फ की शेल्फ खोने वाला है। सैटेलाइट से आई तस्वीरों से पता चला है कि कि थ्वाइट्स ईस्टर्न आइस शेल्फ बहुत ही जल्द मेन ग्लेशियर से अलग हो जाएगी। करीब 120 किलोमीटर चौड़ा यह ग्लेशियर बहुत ही विशाल है। मार्च 2026 में सामने आई एक स्टडी के मुताबिक, यह डूम्सडे ग्लेशियर आने वाले समय साल 2067 तक हर साल 180 अरब से 200 अरब टन बर्फ खो देगा, जिससे समुद्र का जलस्तर बढ़ने का खतरा बहुत ज्यादा बढ़ गया है।

सुपर अल नीनो का दिख रहा असर

वैज्ञानिकों का मानना है कि इस भयंकर बदलाव के पीछे सुपर अल नीनो का हाथ है। नासा और विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने पहले ही चेतावनी दी थी कि प्रशांत महासागर से उठने वाली ये गर्म लहरें दुनिया भर के मौसम को प्रभावित करेंगी. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार प्रशांत महासागर में अल नीनो अब पूरी तरह से एक्टिव हो चुका है और आने वाले दिनों में यह और भी मजबूत हो सकता है।

बच्चे पैदा करते-करते मर जाती है ये मां, हर 3 सेकंड में देती है एक बच्चा!

नई दिल्ली। प्रकृति ने कुछ जीवों को इतना अनोखा बनाया है कि देखकर यकीन नहीं होता। अगर हम कहें कि एक मां अपने पूरे जीवन में कभी आराम नहीं करती, सिर्फ बच्चे पैदा करती रहती है, तो शायद आप चौंक जाएंगे। लेकिन, यह सच है। हम बात कर रहे हैं रानी दीमक यानी टर्माइट क्वीन की, जो दुनिया की सबसे हैरतअंगेज मां है।

रानी दीमक 25 से 50 साल तक जिंदा रह सकती है। इनमें से

ज्यादातर समय वो लगातार प्रेग्नेंट रहती है। मादा टरमाइट यानी रानी दीमक हर तीन सेकंड में एक अंडा देती है। इसका मतलब है कि ये दिन में करीब 30,000 अंडे देती है।

अकेले बढ़ाती है साम्राज्य

वैज्ञानिकों के अनुसार टर्माइट कॉलोनी की सफलता इसी रानी पर टिकी होती है। कॉलोनी शुरू में छोटी होती है, लेकिन रानी के लगातार अंडे देने से हजारों-लाखों दीमकें तैयार हो जाती हैं। ये दीमकें कॉलोनी को बनाती हैं, खाना जुटाती हैं, सुरक्षा करती हैं और रानी की देखभाल करती हैं। रानी दीमक का शरीर आम दीमक से बिल्कुल अलग होता है। उसका पेट लंबा और फूला हुआ होता है, जो अंडों से भरा रहता है। कुछ प्रजातियों में रानी का वजन इतना बढ़ जाता है कि वो मुश्किल से हिल पाती है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com